नई दिल्ली
बुधवार
01 मई, 2024
वर्ष: 10, अंक: 239
पृष्ठ: 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

लखनऊ ने मुबंई को अदब से हराया पेज-07

DELHIN/2014/58158

जिले के नवहट्टा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार...पेज-05

हिन्दी में प्रकाशित होने वाला सबसे लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र
'सद्भावना टुडे'
में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :-
011-43678240
E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

केवल भारत को ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के पद को भी टुकड़ों में बांटना चाहता है विपक्षः मोदी

महाराष्ट्र के माधा और धाराशिव के बाद भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में तीसरी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा

लातूर,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए दावा किया कि वह न केवल भारत को ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के पद को भी टुकड़ों में बांटना चाहता है। महाराष्ट्र के माधा और धाराशिव के बाद यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार एवं मौजूदा सांसद सुधाकर श्रृंगारे के समर्थन में तीसरी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा, ये लोग (विपक्ष) न केवल भारत को, बल्कि प्रधानमंत्री के पद को भी टुकड़ों में बांटना चाहते हैं। उनकी योजना पांच वर्षों में पांच प्रधानमंत्री बनाने की है, जो देश को लूटने के एक व्यवस्थित प्रयास का संकेत देता है। क्या हम उन्हें थोड़ा सा भी मौका दे सकते हैं? यह देश को अस्थिरता की ओर धकेल सकता है, खासकर इस चुनौतीपूर्ण समय में।

उन्होंने कहा, आज, जब भी आप टीवी चालू करते हैं या अखबार उठाते हैं, तो आपको विभिन्न क्षेत्रों में भारत की तीव्र प्रगति को दर्शाने वाली कई रिपोर्टें मिलेंगी – चाहे वह बाजार हो, विनिर्माण, अंतरिक्ष या रक्षा। आइए 2014 से पहले की अवधि को याद करें। उस समय दिल्ली और मुंबई में बम विस्फोटों और आतंकवाद के खिलाफ भारत के संघर्ष की खबरें भरी होती थीं। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, आज की तुलना करें–भारत अपनी सीमाओं को चुनौती देने वाले किसी भी व्यक्ति को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए जाना जाता है। पहले, भारत पाकिस्तान को डोजियर सौंपता था, अब सर्जिकल स्ट्राइक करता है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस शासन के तहत अर्थव्यवस्था जर्जर स्थिति में थी, सुर्खियों में विकास दर और सकल घरेलु उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों में गिरावट का रोना था। हर दिन एक नए घोटाले की खबर आती थी, लेकिन अब, भ्रष्ट व्यक्ति सलाखों के पीछे हैं और अवैध धन की बड़ी रकम की वसूली की खबरें सुर्खियों में हैं । भारत का परिवर्तन स्पष्ट है। उन्होंने कांग्रेस पर जलयुक्त शिवार और मराठवाड़ा जल ग्रिड जैसी जल योजनाओं में लगातार देरी करने और बाधा डालने का आरोप लगाया। महाराष्ट्र के लोगों को महायुति उम्मीदवारों को वोट देने के लिए प्रोत्साहित करते हुए श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया, आपका वोट एक मजबूत भारत और एक मजबूत सरकार की स्थापना के लिए महत्वपूर्ण है। आपके वोट मोदी की शक्ति को भी मजबूत करेंगे। इस रैली के बाद श्री मोदी तेलंगाना के जहीराबाद में अपनी चौथी चुनावी रैली को संबोधित करने के लिए रवाना हो गए।

'क्या कमजोर सरकार देश को मजबूती दे सकेगी': मोदी

धाराशिव। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को महाराष्ट्र में एक के बाद एक कई जनसभा की और धाराशिव में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, क्या एक कमजोर सरकार राष्ट्र को मजबूत बना सकेगी। श्री मोदी ने आज यहां महायुति उम्मीदवार अर्चना पाटिल के समर्थन में चुनाव प्रचार किया। रैली में हजारों की संख्या में लोग पहुंचे हुए थे। प्रधानमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों को याद दिलाया कि जब केंद्र में कांग्रेस सरकार थी तो वह सुरक्षा की दुहाई देती रहती थी और आतंकवादी हमला कर के फरार हो जाते थे। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से सवाल पूछा, क्या आप ऐसी सरकार को लाना चाहते हैं जो आपकी रक्षा करने में सक्षम न हो। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली पूर्व संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार पर हमला करते हुए जनता से पूछा, क्या एक कमजोर सरकार राष्ट् को मजबूत बना सकती है। क्या कांग्रेस सरकार देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकती है। उन्होंने कहा, कांग्रेस की केवल एक ही पहचान रही है, वह है विश्वासघात। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-अजीत (राकांपा-अजीत) की महायुति उम्मीदवार पाटिल के समर्थन में यहां प्रचार करते हुए श्री मोदी ने मराठी भाषा में भाषण की शुरुआत की और उसके बाद कहा, मैं मां तुलजाभवानी और जिले के लोगों से एक मजबूत भारत, विकसित भारत के लिए आशीर्वाद मांगने धाराशिव (उस्मानाबाद) आया हूं। उन्होंने रैली में आये लोगों से कहा, मोदी है तो मुमकिन है। केवल मोदी ही है, जो उनके जीवन को बदलने के लिए बिना थके बिना रूके रात-दिन काम कर रहा है।

पुलिस व नक्सली मुठभेड़

तीन महिला सहित नौ नक्सली ढेर

नारायणपुर,एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ इलाके में पुलिस नक्सली मुठभेड़ में तीन महिला सहित नौ नक्सली मारे गए। राज्य के उप मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने इस मुठभेड़ में नौ नक्सलियों के मारें जाने की पुष्टि की हैं। उन्होंने यह भी बताया हैं कि सोमवार यानी 29 अप्रैल को पुलिस को नक्सलियों के आमद का इनपुट था। गश्त में निकले जिला रिजर्व बल (डीआरजी) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के जवानों की नक्सलियों से मुठभेड़ हुई। मंगलवार सुबह तलाश अभियान के दौरान तीन महिला नक्सलियों समेत नौ नक्सलियों का शव बरामद किया गया हैं।

श्री शर्मा ने बताया कि उनके पास से एके 47 के साथ बड़ी मात्रा में विस्फोटक भी बरामद किया गया हैं। इसके अलावा राशन और दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी मौके से जब्त की गई हैं। श्री शर्मा ने इस कामयाबी के लिए डीआरजी और एटीएफ समेत सभी को बधाई दी हैं। सुरक्षा बलों की तारीफ करते हुए कहा कि इस पूरे मुठभेड़ में उनके किसी भी जवान को खरोंच तक नहीं आई है। इससे पहले बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया था कि नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ इलाके से जिला रिजर्व पुलिस बल तथा छत्तीसगढ़ आर्मस फोर्स के जवानों की संयुक्त पार्टी कल रवाना हुई थी। उन्होंने बताया कि आज सुबह नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र के ग्राम टेकामेटा एवं काकुर के मध्य जंगल में पुलिस पार्टी और माओवादी के बीच लगभग एक घंटे तक मुठभेड़ हुई। इसबीच श्री शर्मा ने नक्सलियों के सामने शान्ति वार्ता का प्रस्ताव रखा कि नक्सलियों का छोटा या बड़ा कोई भी ग्रुप वीसी या फिर मध्यस्थ के माध्यम से बातचीत करना चाहता हैं तो उनका स्वागत हैं। राज्य सरकार के पास नक्सलियों के पुनर्वास की बेहतर व्यवस्था हैं। इसके तहत तमाम नक्सली आत्मसमर्पण कर जुड़ रहे हैं जो अभी भी नक्सल गतिविधियों में शामिल है वे हिंसा का रास्ता छोडकर समाज की मुख्यधारा से जुड जाएँ।

एक नजर

चुनाव आयोग ने की तीसरे चरण के चुनाव की तैयारियों की समीक्षा

नई दिल्ली,एजेंसी। चुनाव आयोग ने लोक सभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान की तैयारियों की समीक्षा के लिए मंगलवार को अधिकारियों के साथ बैठक की। वीडियो कांफ्रेंस के जरिए आयोजित समीक्षा-गोष्ठी में संबंधित प्रदेशों और क्षेत्रों में तीसरे चरण के चुनाव की निगरानी के लिए नियुक्त पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। आयोग के एक प्रवक्ता ने बताया कि तीसरे चरण के लिए कुल 265 केंद्रीय पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। इनमें विशेष पर्यवेक्षक, सामान्य पर्यवेक्षक, पुलिस पर्यवेक्षक और व्यय-पर्यवेक्षक शामिल हैं। समीक्षा बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और दोनों चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू उपस्थित थे। लोक सभा चुनाव के तीसरे चरण का मतदान सात मई को कराया जाएगा। तीसरे चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 94 सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें पश्चिम बंगाल और असम की चार-चार, बिहार पांच, छत्तीसगढ़ सात, गुजरात 26, कर्नाटक 14, मध्य प्रदेश आठ, महाराष्ट्र 11, उत्तर प्रदेश 10, गोवा दो, दादरा-नगर हवेली और दीव दो तथा जम्मू-कश्मीर की एक सीट है। गुजरात की सूरत सीट पर नाम वापसी के बाद केवल एक प्रत्याशी चुनावी मैदान में रह गया है इस कारण वहां मतदान कराने की आवश्यकता नहीं है।

पंजाब कैडर के पुलिस अधिकारी गुरिंदर ढिल्लों कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय पुलिस सेवा के पंजाब कैडर के वरिष्ठ अधिकारी रहे गुरिंदर सिंह ढिल्लों पुलिस की नौकरी छोड़कर आज कांग्रेस में शामिल हो गये। कांग्रेस के पंजाब के प्रभारी देवेंद्र यादव ने श्री ढिल्लो को मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान कांग्रेस की सदस्यता दिलाई। उन्होंने उम्मीद जताई कि पंजाब पुलिस में वरिष्ठ अधिकारी रहे श्री ढिल्लों पंजाब की स्थिति को ठीक तरह से समझते हैं और उनके पार्टी में शामिल होने से कांग्रेस और मजबूत होगी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि श्री ढिल्लों को जल्दी ही महत्वपूर्ण पद दिया जाएगा। श्री यादव ने कहा आज गुरिंदर ढिल्लों जी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो रहे हैं। गुरिंदर जी आईपीएस रहे हैं और गुरुदासपुर से आते हैं। वे पंजाब कैडर से जुड़े थे और उन्होंने पुलिस सेवा से वीआरएस लिया है। उन्होंने कहा कुछ समय पहले ही राहुल गांधी जी के संपर्क में गुरिंदर जी आए। वे भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पंजाब में सिक्योरिटी इंचार्ज थे।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के 'समय' पर सवाल, सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के समय पर उठाए गए सवाल पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को तीन मई तक अपना स्पष्टीकरण देने का मंगलवार को निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दिपांकर दत्ता की पीठ ने ईडी का पक्ष रख रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू से दिल्ली के मुख्यमंत्री की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी द्वारा 21 मार्च को केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाले मुख्य दलील पर यह स्पष्टीकरण देने को कहा। श्री सिंघवी ने दलील देते हुए जीवन और स्वतंत्रता को बेहद महत्वपूर्ण बताया और गिरफ्तारी के समय पर सवाल उठाया था। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि धनशोधन निवारण अधिनियम की धारा 19 अभियोजन पक्ष पर काफी अधिक जिम्मेदारी डालती है। इसलिए आरोपी जमानत का विकल्प नहीं चुन रहा है, क्योंकि तब उसे अदालत को यह विश्वास दिलाना होगा कि वह दोषी नहीं है।

शीर्ष अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद श्री राजू से तीन मई तक अपना जवाब देने को कहा। आम आदनी पार्टी (आप) नेता केजरीवाल ने दिल्ली अबकारी नीति से संबंधित

कथित धनशोधन घोटाले के एक मामले में ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी को शीर्ष अदालत में चुनौती दी है। वह न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं। शीर्ष अदालत के समक्ष अपने लिखित प्रत्युत्तर में श्री केजरीवाल ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले और आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद अपनी गिरफ्तारी के तरीके और समय पर सवाल उठाया है। उन्होंने तर्क दिया है कि उनकी गिरफ्तारी लोकतंत्र के सिद्धांतों, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव, और संघवाद पर एक अभूतपूर्व हमला था।

बाबा रामदेव के खिलाफ अदालती कार्यवाही पर आईएमए अध्यक्ष के मीडिया में दिए बयान से सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनियों के भ्रामक विज्ञापनों से उत्पन्न अदालती कार्यवाही के खिलाफ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अध्यक्ष डॉ आर वी अशोकन की टिप्पणियों को गंभीरता से लिया और मंगलवार को उसके अधिवक्ता से कहा कि आप यह कैसे तय करेंगे कि हमें अपनी कार्यवाही किस तरह से करनी चाहिए। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने मौखिक रूप से यह टिप्पणी करते हुए बाबा रामदेव की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी को इस मामले में वर्तमान आईएमए अध्यक्ष डॉ अशोकन द्वारा मीडिया के समक्ष दिए गए बयानों को अदालत के रिकॉर्ड पर लाने की अनुमति दी।

पीठ ने आईएमए के वकील से मौखिक रूप से कहा, आप यह कैसे तय करेंगे कि हमें अपनी कार्यवाही किस तरह से करनी चाहिए। न्यायमूर्ति कोहली की पीठ ने इस

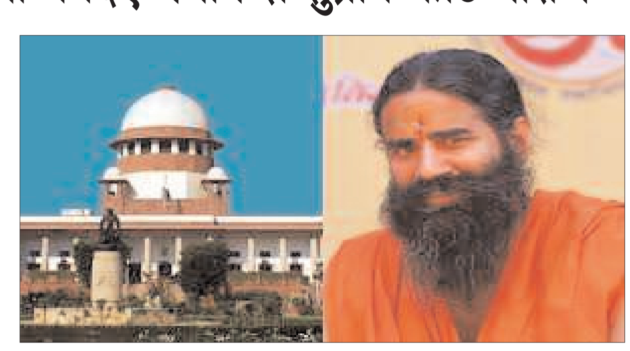

मामले में अगली सुनवाई के लिए सात मई की तारीख मुकर्रर करते हुए श्री रोहतगी को दो दिनों के भीतर इस संबंध में (बयान) एक आवेदन दाखिल करने की अनुमति देते हुए कहा, हम इस मुद्दे से अलग से निपटेंगे। इससे पहले पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता श्री रोहतगी ने आईएमए अध्यक्ष के हवाले वाली खबरों को सामने लाने लाने की मांग करते हुए कहा कि ये अदालती कार्यवाही पर दुर्भाग्यपूर्ण और परेशान करने वाली टिप्पणियां हैं। पीठ ने श्री रोहतगी की दलील पर जवाब देते हुए पीठ ने आईएमए के अधिवक्ता से कहा, यह सबसे गंभीर बात होगी...परिणामों के लिए तैयार रहें। समाचार रिपोर्ट में डाक्टर अशोकन के हवाले से कहा गया कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उच्चतम न्यायालय ने आईएमए और निजी प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों की प्रथाओं की भी आलोचना की। उन्होंने दावा किया, अस्पष्ट और सामान्यीकृत बयानों ने निजी डॉक्टरों को हतोत्साहित कर दिया है। खबरों में आईएम अध्यक्ष के ये बयान, हम ईमानदारी से मानते हैं कि उन्हें (शीर्ष अदालत को) यह देखने की ज़रूरत है कि उनके सामने क्या सामग्री थी।

महिलाओं की इज़्ज़त पर दोहरे मानदंड हैं कांग्रेस के- भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जनता दल सेकुलर के सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के अश्लील वीडियो एवं यौन शोषण के मामले को लेकर आज कांग्रेस पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि महिलाओं की इज्ज़त को लेकर कांग्रेस के दोहरे मानदंड हैं इसीलिए उसने संदेशखाली की घटनाओं की निंदा नहीं की और उसकी कर्नाटक सरकार, इसकी जानकारी होने के बावजूद इतने दिन चुप्पी साधे रही। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने यहां पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में इस घटना के बारे में पूछे जाने पर अपने जवाब में कहा, महिलाओं के खिलाफ किसी भी अपराध के प्रति हमारी नीति बिल्कुल बर्दाश्त नहीं है... इस घटना पर कई सवाल उठते हैं। जद(एस) ने पहले ही कदम उठाए हैं और उन्हें निलंबित कर दिया है।

संविधान का गला घोंटने का रहा है कांग्रेस का इतिहासः योगी

संजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संविधान का गला घोंटकर, पिछड़े और अनुसूचित जातियों के आरक्षण में सेंधमारी कर धर्म के आधार पर एक वर्ग विशेष को आरक्षण देने की कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन की मंशा देश की जनता सफल नहीं होने देगी। उन्होने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार के आरक्षण की विरोधी है क्योंकि धर्म–मजहब के आधार पर भारत के विभाजन का दंश आम जनता झेल चुकी है। भाजपा एससी–एसटी और ओबीसी आरक्षण के लाभ की पक्षधर है।

गोरखनाथ मंदिर परिसर में मंगलवार को श्री योगी ने कहा कि कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और इंडी गठबंधन से जुड़े जो दल हैं, इनके इतिहास के बारे में हर व्यक्ति जानता है। कांग्रेस का इतिहास बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के द्वारा बनाए गए संविधान का गला घोंटने का रहा है। 1950 में देश का संविधान लागू हुआ और कांग्रेस ने लगातार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को रौंदने समेत यह प्रयास किए कि वह संविधान को अपने तरीके से इस्तेमाल करे। जनता का शासन जनता के लिए है, जनभावनाओं का सम्मान हो, कांग्रेस ने यह कभी समझने का प्रयास ही नहीं किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इमरजेंसी को देश की जनता आज भी नहीं भूली है। यह भी देश के संविधान का गला घोंटने जैसा ही था। इसके साथ ही कांग्रेस ने यूपीए सरकार के समय जो पाप किया, वह भी देश की जनता को याद है। तब समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी यूपीए सरकार में कांग्रेस की सहयोगी थीं। योगी ने कहा कि कांग्रेस ने जस्टिस रंगनाथ मिश्रा कमेटी और सच्चर कमेटी का गठन करके देश भर में संविधान विरोधी कार्य करते हुए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के हक पर डकैती डालने की कोशिश की थी। तब कांग्रेस ने धर्म के आधार पर आरक्षण देने का कुत्सित प्रयास किया था। तत्कालीन कांग्रेस सरकार की मंशा 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण में से 6 प्रतिशत तुष्टीकरण के नाम पर काट कर देने की थी। इसी प्रकार सच्चर कमेटी के माध्यम से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में सेंधमारी कर मुस्लिम समाज की कुछ जातियों को शामिल करने की कोशिश की गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तब भाजपा के भारी विरोध के कारण तत्कालीन कांग्रेस सरकार की मंशा पूरी नहीं हो पाई। अन्यथा उसी यूपीए सरकार में कांग्रेस धर्म के आधार पर पूरे देश मे आरक्षण देकर ओबीसी और एससी–एसटी के आरक्षण में सेंधमारी कर चुकी होती। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक में ओबीसी आरक्षण में सेंधमारी करते हुए धर्म के आधार पर आरक्षण देने की शुरुआत कर भी दी है।

चुनौतियों से निपटने और आत्मनिर्भर बनने के लिए सेना में समग्र बदलाव जरुरी- जनरल पांडे

नई दिल्ली,एजेंसी। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने मंगलवार को कहा कि सेना आधुनिक, चुस्त, चुनौतियों से निपटने में सक्षम, प्रौद्योगिकी से लैस और आत्मनिर्भर बनने के लिए समग्र बदलाव के दौर से गुजर रही है। जनरल पांडे ने देश के जाने–माने सैन्य विचारकों में शामिल जनरल के सुंदर की स्मृति में सेना द्वारा यहां आयोजित चौथे जनरल सुंदरजी स्मृति व्याख्यान में सेना में परिवर्तन पर जनरल सुंदर की दूरदर्शिता को रेखांकित किया। उन्होंने युद्धक्षेत्र के डिजिटलीकरण, सूचना युद्ध, प्रौद्योगिकी प्रसार, पारंपरिक रणनीतियों और बल संरचना के क्षेत्र में जनरल सुंदर के दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला।

सेना प्रमुख ने कहा कि भविष्य की जरूरतों तथा चुनौतियों को देखते

हुए सेना समग्र बदलाव के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि सेना जरूरत के हिसाब से प्रगतिशील दृष्टिकोण के साथ बेहतर बदलाव के प्रति सचेत है। उन्होंने कहा, भारतीय सेना में समग्र परिवर्तन, जिसे हमने दो साल पहले लागू किया था, एक आधुनिक, चुस्त, प्रौद्योगिकी सक्षम और आत्मनिर्भर भविष्य के लिए तैयार बल को आकार देने के हमारे प्रयासों का हिस्सा है। जम्मू–कश्मीर के पूर्व राज्यपाल एन एन वोहरा ने जनरल सुंदरजी के साथ अपने अनुभव साझा किए और 'राष्टीय सुरक्षा नीति की आवश्यकता' पर अपने विचार व्यक्त किए। पूर्व सेना उप प्रमुख और राष्टीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रत साहा (सेवानिवृत्त) ने 'भारत के सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण- जनरल के सुंदरजी से सबक' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में तीनों सेनाओं के सेवारत, सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ–साथ साहित्यकारों और विभिन्न थिंक टैंकों ने भाग लिया। इस मौके पर सभी ने 13वें सेना प्रमुख और दूरदर्शी जनरल के सुंदरजी को याद किया गया, जिन्हें प्यार से 'मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट का जनक' भी कहा जाता है।

नए सत्र में दाखिले के लिए अंबेडकर विश्वविद्यालय ने लॉन्च किया एडमिशन ब्रोशर, एमए में इस साल शुरू होगा एक नया कोर्स

मो. हबीबुल्लाह उर्फ मुन्ना, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली (एयूडी) में इस बार एमए इन पब्लिक पालिसी एंड गवर्नेंस नामक नया कोर्स शुरू किया जा रहा है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में 60 सीटों के साथ इसकी शुरुआत की जा रही है। इस अवसर पर शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के स्नातक और स्नातकोत्तर दाखिलों के लिए विश्वविद्यालय का एडमिशन ब्रोशर भी लांच किया गया। जानकारी देते हुए कुलपति प्रो अनु सिंह लाठर ने बताया कि अंबेडकर विश्वविद्यालय एनटीए के द्वारा सीयूईटी के आधार पर दाखिले करता है।

इस बार लगभग 200 विश्वविद्यालय सीयूइटी पोर्टल पर हैं। फिर भी स्टेट यूनिवर्सिटी होने के बावजूद एनटीए सीयूइटी में देशभर के टॉप टेन विश्वविद्यालयों में एयूडी 7वें नंबर पर रहा है। कुलपति ने बताया कि सीयूइटी पोर्टल पर करीब 4 लाख विद्यार्थियों ने पीजी और यूजी में एयूडी को चुना है। यूजी के लिए 309237 और पीजी के लिए 89773 विद्यार्थियों ने एयूडी को वरीयता दी है। उन्होंने बताया कि एयूडी में 18 स्नातक और 27 स्नातकोत्तर प्रोग्राम उपलब्ध हैं। जारी शैक्षणिक सत्र में इन सभी प्रोग्रामों में कुल 2595 सीटों पर दाखिले लिये जाएंगे। जिनमें से 1141 यूजी और 1454 पीजी की सीटें हैं। उन्होंने बताया कि पीएचडी के लिए 23 प्रोग्रामों में भी दाखिले जून में होंगे जोकि सीयूईटी के आधार पर ही किये जाएंगे। प्रो अनु सिंह लाठर ने बताया कि एयूडी स्टेट यूनिवर्सिटी है, इसलिए यहां 85त्न दिल्ली से पास हुए विद्यार्थियों को दाखिला दिया जाता है।

जबकि 15त्न सीटों पर दिल्ली से बाहर के विद्यार्थी दाखिला ले सकते हैं। इस अवसर पर उनके साथ रजिस्ट्रार डॉ नितिन मलिक, सीओएफ़ राजीव तलवार, डीन स्टूडेंट सर्विस प्रो संतोष सिंह, प्रॉक्टर प्रो सत्यकेतू और डीन प्लानिंग प्रो कार्तिक दवे भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो अनु सिंह लाठर ने बताया कि इस बार से कॉम्पिटेंस एनहांसमेंट कोर्सेज के लिए भी दाखिले शुरू किये जा रहे हैं। इसके लिए कुल 148 विषय चुने गए हैं जबकि इस सेमेस्टर में 78 विषयों में दाखिले का प्रावधान रखा गया है। एक प्रश्न के उत्तर में कुलपति ने बताया कि इसके लिए हर समेस्टर में प्रति विषय फीस 8 हजार रुपये होगी। उन्होने बताया कि इसके तहत उम्र की कोई सीमा नहीं है। कोई भी वर्किंग प्रोफेशनल अथवा विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार इन कोर्सों को ज्वाइन कर सकता है। प्रो लाठर ने बताया कि इस बार से प्रत्येक प्रोग्राम में अनाथ कोटा के तहत भी एक-एक सीट के आरक्षण का प्रावधान रखा गया है। इनके लिए पूरी फीस माफ़ होगी। दाखिलों में अन्य आरक्षण को लेकर कुलपति ने बताया कि स्पोर्ट्स और सीसीए कोटा के तहत प्रत्येक प्रोग्राम में एक-एक सीट के आरक्षण का प्रावधान रखा गया है। इनके अतिरिक्त सुपरन्यूमेररी कोटा के तहत डिफेंस, कश्मीरी विस्थापित, पीडब्ल्यूडी और सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए भी आरक्षण का प्रावधान रखा गया है।

विश्वविद्यालय में शोध संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए पीएचडी में 100 एयूडी एमआरएफ़ की स्थापना की गई है। इसके तहत मेरिट होल्डर्स को विश्वविद्यालय की ओर से प्रति माह यूजीसी जेआरएफ़ के बराबर भत्ता देने की व्यवस्था की गई है। उन्होने बताया कि एयूडी में जेआरएफ़ के अलावा भी बिना नेट/जेआरएफ़ के शोधार्थियों को भी 16 हजार रुपए प्रति माह भत्ता दिया जाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 33 विद्यार्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान की गई है। विश्वविद्यालय शोध को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्प है। कुलपति ने बताया कि एयूडी के अभी तक के सभी विद्यार्थियों की डिग्रियां डिजी लॉकर में अपलोड कर दी गई हैं। डब्ल्यूइएस को भी इनका एक्सेस है। दुनिया में कहीं से भी एयूडी की डिग्रियों को वेरीफाई किया जा सकता है। अब डाक से यह काम करवाने की जरूरत नहीं है। इससे विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ने के इच्छुक विद्यार्थियों को काफी फायदा होगा। फीस माफी को लेकर विस्तार से जानकारी देते हुए कुलपति ने बताया कि सभी एससी और एसटी विद्यार्थियों से अंबेडकर विश्वविद्यालय में कोई फीस नहीं ली जाती है।

नर्सरी दाखिलाः पहले दिन ही आवेदन करने में अभिभावकों को दिक्कत हुई

सैफुल्लाह सिद्दीकी, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। निजी स्कूलों की नर्सरी से लेकर पहली कक्षा की ईडब्ल्यूएस/वंचित वर्ग (डीजी) और दिव्यांग श्रेणी की सीटों पर दाखिले के लिए मंगलवार को ऑनलाइन आवेदन किए गए। पहले दिन ही अभिभावकों को परेशानी उठानी पड़ी। आरोप लगाया कि दोपहर तक शिक्षा निदेशालय की www.edudel.nic.in वेबसाइट पर नए पंजीकरण का विकल्प खुल नहीं सका। इस दौरान तकनीकी दिक्कतों का भी सामना करना पड़ा। दक्षिणी दिल्ली में रहने वाले अभिभावक राजेश कुमार ने बताया कि वह बच्ची के दाखिला के लिए सुबह से ही पंजीकरण की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वेबसाइट खुल नहीं रही थी। इस कारण पहले दिन पंजीकरण नहीं करा सके। उन्होंने हेल्पलाइन नंबर पर भी कॉल किया, लेकिन वह बार-बार व्यस्त जा रहा था। वहीं, ईडब्ल्यूएस सीटों पर दाखिले के लिए अभिभावकों का मार्गदर्शन करने वाले मिशन तालीम के संस्थापक अध्यक्ष एकरामूल हक ने बताया कि एक तो आवेदन की प्रक्रिया पहले ही देर से शुरू हुई है। ऐसे में पहले दिन ही अभिभावकों को पंजीकरण के लिए दिक्कतों का सामना करना प्रणाली पर सवाल खड़े करता है। हालांकि, दोपहर तीन बजे के आसपास पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई थी।

तकनीकी परेशानी को दूर किया

शिक्षा निदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पंजीकरण के लिए ईडब्ल्यूएस/डीजी लिंक पूरी तरह से सक्रिय है। कुछ तकनीकी दिक्कत हुई थी, जिसे अब दूर कर लिया है। अभिभावक आराम से पंजीकरण कर सकते हैं। बता दें कि लिंक पर तीन विकल्प अभिभावकों को उपलब्ध कराए हैं। इसमें नए आवेदनकर्ता के लिए पंजीकरण, पंजीकृत आवेदनकर्ता के लिए लॉगिन करें और पंजीकरण/आवेदन प्रपत्र के डिलीट का विकल्प है।

15 मई अंतिम तारीख

आवेदन की अंतिम तारीख 15 मई है, जबकि 20 मई को पहला कंप्यूटराइज्ड ड्रॉ आयोजित होगा। दाखिला प्रक्रिया से जुड़ी शिकायतों और प्रश्नों को लेकर हेल्पलाइन नंबर 9818154069 पर सुबह दस बजे से लेकर शाम पांच बजे तक के बीच सोमवार से लेकर शुक्रवार में कॉल किया जा सकता है।

नगर निगम के स्कूल में टीचर ने की छात्राओं से छेड़छाड़, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर मासूम छात्राओं के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, उत्तरी बाहरी दिल्ली के नरेला थाना इलाके स्थित नगर निगम के प्राइमरी स्कूल में एक स्पोर्ट्स टीचर पर छोटी बच्चियों के साथ अश्लील हरकत करने का आरोप लगा है। दरअसल, मामला रिटायर्ड स्पोर्ट्स टीचर से जुड़ा है। उसको स्कूल में बच्चों की ट्रेनिंग के लिए बुलाया जा रहा है, उसके द्वारा फोर्थ क्लास की बच्ची के साथ अश्लील हरकत और छेड़छाड़ की गई। जानकारी के मुताबिक, इस तरीके की हरकतें पहले भी इसी टीचर द्वारा की गई थी। उस वक्त प्रिंसिपल ने मामले को रफा दफा कर दिया था। साथ ही प्रिंसिपल ने आश्वासन दिया था कि अब आगे से स्पोर्ट्स टीचर स्कूल नहीं आएगा। लेकिन, कुछ समय बाद फिर स्पोर्ट्स टीचर को दोबारा बुला लिया गया। अब, इस मामले का खुलासा तब हुआ जब छोटी बच्चियों ने अपने संग हो रही गलत हरकत की जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद आज सुबह अचानक अभिभावकों के इकट्ठा होने का सिलसिला शुरू हुआ। इस दौरान अभिभावकों ने स्कूल के बाहर एक स्पोर्ट्स टीचर के खिलाफ जमकर हंगामा किया। इसके बाद पुलिस को भी इस बाबत जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की सच्चाई जानने के लिए स्कूल प्रशासन और बच्चियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस जांच के बाद ही साफ पता चल पाएगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है, लेकिन बच्चियों के संग छेड़खानी का मामला पहले भी कई बार सामने आ चुका है।

नारायणा फ्लाईओवर आज से बंद, वैकल्पिक मार्ग का करें इस्तेमाल

शहनवाज़ सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। धौला कुआं से राजा गार्डन की तरफ जाने वाले नारायणा फ्लाईओवर पर बुधवार से मरम्मत कार्य शुरू होगा। इसके चलते इसे 20 दिनों के लिए बंद किया जाएगा। फ्लाईओवर के बंद होने से मायापुरी, नारायणा, दिल्ली कैंट, धौला कुआं, लोहा मंडी आदि जगहों पर वाहन चालकों को जाम की समस्या का सामना करना पड़ेगा। मरम्मत कार्य के दौरान नीचे की सर्विस लेन और राजा गार्डन से दिल्ली कैंट जाने की दिशा में फ्लाईओवर का दूसरा हिस्सा खुला रहेगा। पीडब्ल्यूडी ने नारायणा फ्लाईओवर पर मरम्मत कार्य के लिए ट्रैफिक पुलिस से अनुमति मांगी थी। इसमें बताया गया था कि फ्लाईओवर पर तीन जगहों पर मरम्मत कार्य किया जाना है। मरम्मत कार्य में करीब 20 दिन लगेंगे। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार फ्लाईओवर के एक हिस्से के बंद होने से कई किलोमीटर तक यातायात प्रभावित रहने की संभावना है। इसका असर एक तरफ जहां रिंग रोड पर मायापुरी से दिल्ली कैंट मेट्रो स्टेशन तक दिखेगा तो वहीं दूसरी तरफ इसका असर पंजाबी बाग तक

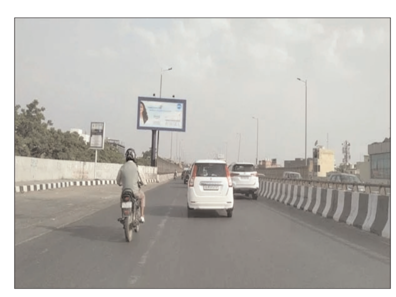

भी देखने को मिलेगा। राजा गार्डन से पंजाबी बाग के बीच बन रहे फ्लाईओवर के चलते पहले से यहां जाम की समस्या है। ऐसे में नारायणा फ्लाईओवर के बंद होने से वाहन चालकों की परेशानियां और बढ़ेंगी।

समय पर काम खत्म करने की अपील

सूत्रों ने बताया कि दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में पीडब्ल्यूडी द्वारा किए गये मरम्मत कार्य को समय पर खत्म नहीं किया गया है। ट्रैफिक पुलिस भी इसे लेकर चिंतित है। उन्होंने पीडब्ल्यूडी से अपील की है कि वह समय पर इस कार्य को पूरा करें, ताकि वाहन चालकों को होने वाली परेशानी जल्द खत्म हो सके। रिंग रोड के इस हिस्से से रोजाना पांच लाख से ज्यादा वाहन गुजरते हैं। इस जगह वाहनों का दबाव काफी अधिक रहता है। खासतौर से व्यस्त समय में यहां गाड़ियों की संख्या काफी ज्यादा रहती है।

वैकल्पिक मार्ग इस्तेमाल करने की सलाह

पहला रूट- धौला कुआं से वंदे मातरम मार्ग, प्रोफेसर रामनाथ विज मार्ग पर बाएं मुड़ें, रतनपुरी चौक से बाएं मुड़ें, देव प्रकाश शास्त्री मार्ग, लोहा मंडी टी-प्वाइंट से गोस्वामी गिरधारी लाल मार्ग पर बाएं मुड़ें और नारायणा टी-प्वाइंट से दाएं मुड़कर रिंग रोड पर मायापुरी पहुंचे

दूसरा रूट - धौला कुआं से करिअप्पा मार्ग, शहीद भगत सिंह मार्ग (जेल रोड), लाजवंती चौक, सतगुरु राम सिंह मार्ग से दाएं मुड़ें और माया पुरी चौक पहुंचें

तीसरा रूट- दिल्ली कैंट मेट्रो स्टेशन से करिअप्पा मार्ग, शहीद भगत सिंह मार्ग (जेल रोड), लाजवंती चौक, सतगुरु राम सिंह मार्ग से दाएं मुड़ें और मायापुरी चौक पहुंचें

केजरीवाल ने भेजा संदेश, लोकतंत्र बचाने के लिए जरूर वोट दें: भगवंत मान

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। आधे घंटे से अधिक समय तक चली इस मुलाकात के दौरान चुनाव, सरकार के कामकाज व देश के हालात पर चर्चा हुई। मान ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने देशवासियों के नाम संदेश भेजा है कि लोकतंत्र बचाने के लिए वोट जरूर करें। मान ने कहा कि मुख्यमंत्री से मुलाकात पहले की तरह शीशे की दीवार लगाकर की गई। हम दोनों ने फोन पर एक दूसरे से बात की। सीएम ने सबसे पहले मेरे बच्चे व परिवार के बारे में पूछा। उसके बाद पंजाब में फसल उत्पादन, उसकी खरीद-फरोख्त और किसानों को अनाज की बिक्री के पैसों को लेकर पूछा। मुलाकात के दौरान भगवंत मान ने अरविंद केजरीवाल से कहा कि पंजाब के सरकारी स्कूलों के 158 बच्चों ने पहली बार जेईई की परीक्षा पास की। इसपर केजरीवाल ने खुशी जाहिर करते हुए शिक्षकों, बच्चों और अभिभावकों को बधाई देने के लिए कहा है। मान ने अरविंद केजरीवाल से कहा कि चुनाव प्रचार चल रहा है। पार्टी के स्टार प्रचारकों को दिल्ली के अलावा पंजाब, असम तक लेकर जा रहे हैं। जहां जरूरत होगी वहां %इंडिया% के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने जाएंगे। मान ने कहा कि केजरीवाल ने जेल से संदेश दिया है कि लोगों को बता देना मेरी चिंता न करें, वोट जरूर करें। अरविंद केजरीवाल की सेहत के सवाल पर मान ने कहा कि अब उनकी तबियत ठीक है। इंसुलिन रोजाना मिल रही है। रूटीन चेकअप भी हो रहा है।

चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय में बम होने की अफवाह से मचा हड़कंप

नई दिल्ली। चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय में मंगलवार को बम होने की बात फैलने से हड़कंप मच गया। हालत यह रही कि इसके चलते करीब डेढ़ घंटे तक अस्पताल की ओपीडी से लेकर इमरजेंसी सेवा ठप रही। तीमारदार अपने बच्चों को लेकर सुरक्षित ठिकाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। कई मरीजों को ओपीडी से बिना उपचार के लौटना पड़ा। पूरे अस्पताल में अफरातफरी का माहौल था। बाद में पता चला कि यह अफवाह है। इसके बाद स्थिति सामान्य हुई।

बच्चों को लेकर दौड़ पड़े परिजन

चिकित्सालय में बम होने की बात जैसे ही फैली कर्मचारी से लेकर डॉक्टरों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया। वार्ड से परिजनों को बाहर निकाल दिया गया। कुछ परिजन अपने बच्चों को वार्ड से बाहर लेकर दौड़ पड़े। आननफानन में पूरे अस्पताल को खाली करा लिया गया। हालांकि, इस दौरान आईसीयू और वार्ड में भर्ती बच्चों को बाहर नहीं निकाला गया।

दोपहर डेढ़ बजे इमरजेंसी में दिखी मरीजों की भीड़

अस्पताल की इमरजेंसी में दोपहर डेढ़ बजे के लगभग बड़ी तादाद में लोग अपने बच्चों को लेकर कतार में खड़े दिखे। अस्पताल की इमरजेंसी में पर्ची बनाने का काम जारी थी। इस दौरान बम की बात अस्पताल में आग की तरह फैल गई। इसके बाद चिकित्सा सेवा ठप हो गई। कई लोग अपने बच्चे को दिखा नहीं पाए।

भतीजी का नहीं हुआ अल्ट्रासाउंड

बुलंदशहर से अपनी भतीजी का उपचार कराने आए देवेंद्र ने बताया कि उनकी भतीजी का अल्ट्रासाउंड होना था, लेकिन चिकित्सा सेवा ठप होने के कारण उसका अल्ट्रासाउंड नहीं हो सका। पहले ही बड़ी मुश्किल से अल्ट्रासाउंड के लिए कतार में खड़े होकर नंबर मिला था। अब पता नहीं दोबारा कब अल्ट्रासाउंड होगा।

डीएमसी रजिस्ट्रार सेवा विस्तार मामले में अध्यक्ष से दिल्ली सरकार ने मांगी पूरी रिपोर्ट

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। पद का दुरुपयोग कर गैरकानूनी तरीके से दिल्ली मेडिकल काउंसिल (डीएमसी) के सचिव सह रजिस्ट्रार डॉ. गिरीश त्यागी के कार्यकाल के विस्तार मामले में नया मोड़ आ गया है। दिल्ली सरकार ने डीएमसी अध्यक्ष डॉ. अरुण गुप्ता से तीन दिन के भीतर इस मामले में दोबारा जवाब दाखिल करने को कहा है। काउंसिल के डिप्टी सेक्रेटरी की ओर से डीएमसी के अध्यक्ष को संबोधित एक चिट्ठी में उनके दिए गए पहले के जवाबों से असंतुष्टि व्यक्त की गई है।

दरअसल, डीएमसी के अध्यक्ष डॉ. अरुण ने एक मार्च 2024 को डॉ. गिरीश त्यागी के कार्यकाल विस्तार मामले में जवाब दाखिल किया था। 22 फरवरी 2024 को काउंसिल ने डीएमसी अध्यक्ष से क्रमवार %ए% से लेकर %एच% तक कई प्रश्न किए थे। इनमें से किसी भी प्रश्न के जवाब से काउंसिल संतुष्ट नहीं हुआ। इस चिट्ठी में डॉ. अरुण गुप्ता से प्रश्न संख्या %ए% से लेकर %एच% तक विस्तार से जवाब मांगा गया है। साथ ही कहा गया है कि जवाब वही होने चाहिए जो पूछा गया है। मुद्दों से भटकाने वाले उत्तर नहीं देने की हिदायत दी गई है। उसके बाद

इस मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी। कानूनन ना तो दिल्ली सरकार के किसी कर्मचारी या अधिकारी को 60 साल के बाद दो साल से ज्यादा सेवा विस्तार मिल सकता है और ना ही 62 वर्ष के बाद कोई भी सरकारी कर्मचारी या अधिकारी प्रशासनिक पदों पर रह सकते हैं। यदि वह कार्य करता भी है तो इस पद पर वह कोई प्रशासनिक निर्णय नहीं ले सकता। लेकिन डॉ. गिरीश त्यागी ने ना केवल गैरकानूनी तरीके से सेवा विस्तार लिया, बल्कि पद पर रहते हुए प्रशासनिक निर्णय भी ले रहे हैं। बता दें, दिल्ली मेडिकल काउंसिल एक्ट में साफ कहा गया है कि जो भी इसमें लाभ के पद पर मेडिकल एडमिनिस्ट्रेशन को संभालने वाले उच्च पदों पर बैठे डॉक्टर कार्य करेंगे, वे 60 साल की उम्र तक ही मेडिकल काउंसिल में रहेंगे।

पार्ट टाइम नौकरी का झांसा देकर युवक से लाखों की ठगी

नई दिल्ली। करावल नगर इलाके में साइबर ठगों ने एक युवक को पार्ट टाइम नौकरी का झांसा देकर 6 लाख 97 हजार रुपये ठग लिए। युवक के पैसे मांगने पर आरोपियों ने पहले धमकी दी और फिर उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। इसके बाद पीड़ित ने अपने साथ हुई ठगी की शिकायत पुलिस से की। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस की साइबर थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस पीड़ित द्वारा बताए गए मोबाइल नंबरों और बैंक अकाउंट की मदद से आरोपियों की पहचान का प्रयास कर रही है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुमित कुमार वर्मा अपने परिवार के साथ अंबे एन्क्लेव, चौहान पट्टी, करावल नगर में रहते हैं। पुलिस को दिए बयान में सुमित ने बताया कि उनके फोन पर एक मैसेज आया था। मैसेज में लिखा था कि पार्ट टाइम नौकरी में वह होटल और अन्य पोस्ट को लाइक कर पैसे कमा सकते हैं। पीड़ित ने जब उससे बात की तो आरोपियों ने उन्हें एक नंबर दिया। जब पीड़ित ने इस नंबर पर बात की तो आरोपियों ने उसे टेलिग्राम पर एक ग्रुप से जोड़ लिया।

इसके बाद आरोपी उसे टास्क देने लगे और इसके एवज में वह पीड़ित से पैसे लेते रहे। टास्क खत्म होने के बाद पीड़ित को पैसा देने का वादा किया गया था। पीड़ित ने बताया कि वह पांच टास्क पूरे कर चुका था और उसके एवज में पैसे भी दे चुका था, लेकिन आरोपियों ने उसे कोई भी पैसा नहीं दिया। पूछने पर बताया कि उसे अभी और टास्क करने हैं, जिसके बाद उसके पैसे आएंगे। आरोपी पीड़ित से करीब 6 लाख 76 हजार रुपये ले चुके थे। पीड़ित ने अपने पैसे मांगे तो आरोपियों ने बताया कि तुम्हारा अकाउंट नेगेटिव चल रहा है। पैसे दो जिसके बाद वह पॉजिटिव होगा और तुम्हारे पिछले पैसे भी आ जाएंगे। पीड़ित को शक हुआ तो उसने अपने पैसे लौटाने के लिए कहा। इस पर आरोपियों ने उसे धमकी दी और उसका नंबर ब्लॉक कर दिया।

बीएलपी ने उत्तर पूर्वी और चांदनी चौक से घोषित किए उम्मीदवार, बाकी सीटों पर भी ऐलान जल्द

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी से अलग होकर बनी नई पार्टी भारतीय लिबरल पार्टी (बीएलपी) ने भी चुनाव लड़ने के लिए अपने दो उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। संजीव पांडे को उत्तर पूर्वी दिल्ली से टिकट दिया गया है। जबकि, चांदनी चौक सीट से पार्टी ने पशुपति अखाड़े के महामंडलेश्वर और सामाजिक कार्यकर्ता योगेन्द्र सिंह (डार्क योगी माथुर) को टिकट दिया है। वहीं, बाकी पांच सीटों के लिए भी उम्मीदवारों के नाम की घोषणा जल्द की जाएगी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मुनीश रायजादा ने बताया कि भारतीय लिबरल पार्टी भ्रष्टाचार को खत्म करने और प्रदेश के विकास के लिए कटिबद्ध है। योगेन्द्र सिंह ने पार्टी की सदस्यता लेते हुए भारतीय लिबरल पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चांदनी चौक लोकसभा से चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। योगेन्द्र सिंह को टिकट के साथ पार्टी के दिल्ली इकाई के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। रायजादा ने कहा कि अच्छा प्रशासन लाना और भ्रष्टाचार खत्म करना हमारा मुख्य उद्देश्य है। बीएलपी एक साफ राजनीति और दिल्ली प्रदेश में सुशासन लाने के लिए अस्तित्व में आई है। दरअसल, कभी आम आदमी पार्टी के सक्रिय सदस्य और एनआरआई सेल के सह संयोजक रहे डॉ मुनीश रायजादा ने भी भारतीय लिबरल पार्टी (बीएलपी) नाम से नई राजनीतिक पार्टी बनाई है। हालांकि, शुरुआत में उन्होंने इस लोकसभा चुनाव में अपने कैंडिडेट नहीं खड़े करने का निर्णय लिया था, लेकिन बदलती राजनीतिक परिस्थितियों के कारण उन्होंने तय किया कि वे भी अपने उम्मीदवारों को दिल्ली से मैदान में उतारेंगे। बता दें, बीएलपी के टिकट पर उत्तर पूर्वी दिल्ली से उम्मीदवार संजीव पांडेय लोक गीतकार और समाजसेवी है। इसके आधार पर उन्होंने अपने लोकसभा क्षेत्र की समस्याओं को समझने के लिए जनसंपर्क शुरू कर दिया है। वहीं, योगेन्द्र सिंह (डार्क योगी माथुर) पशुपति अखाड़ा के महामंडलेश्वर और समाजसेवी है।

एनडीएमसी ने नई दिल्ली क्षेत्र में प्रदूषण विरोधी प्रयासों को मजबूत करने के लिए 08 एंटी स्मॉग गन तैनात की

सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। हवा में प्रदूषक तत्वों को कम करने और अपने क्षेत्र में हवा को साफ करने के उद्देश्य से, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने नवीनतम 08 एंटी स्मॉग गन की तैनाती करके नई दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अपने गहन उपायों को मजबूती प्रदान कर दी है। नई दिल्ली क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए, एनडीएमसी ने अब अपने सभी एवेन्यू सड़कों पर किराये के आधार पर 08 एंटी स्मॉग गन का एक बेड़ा तैनात किया है। यह पहल एनडीएमसी के प्रदूषण विरोधी प्रयासों को मजबूत प्रदान करने और राजधानी शहर के केंद्र में पर्यावरण को अधिक रहने योग्य बनाने में मदद करेगी। ये स्मॉग गन जीपीएस प्रणाली सक्षम हैं और नई दिल्ली क्षेत्र की मुख्य सड़कों पर सुबह 08 बजे से शाम 04 बजे तक काम करेंगी। ये स्मॉग गन ने प्रति दिन के आधार पर 360 किमी सड़कों, गलियों और मार्गों को कवर करेगी।

नए तैनात किए गए 08 एंटी स्मॉग गन हाइड्रोलिक ऑपरेशन पर आधारित हैं और 7000 लीटर की जल क्षमता वाले टैंक वाले सीएनजी संचालित ट्रकों पर लगाए गए हैं। प्रत्येक एंटी स्मॉग गन में 30 मीटर क्षैतिज पानी फेंकने की दूरी और क्षैतिज में 330 डिग्री रोटेशन और ऊर्ध्वाधर में 60 डिग्री झुकाव की विशेषता है, इससे निकलने वाली बूंदों का आकार 10 से 30 माइक्रोन की सीमा में होगा और इसमें 24 स्टेनलेस स्टील के बने नोजल होंगे। पानी को स्वचालित करने के लिये इन एंटी स्मॉग गन की पानी की खपत 1500 लीटर प्रति घंटा है। ये एंटी स्मॉग गन की गाड़ियां जन जागरूकता के लिए पर्यावरण संबंधी संदेश भी प्रदर्शित कर रही हैं। 08 एंटी स्मॉग गन को किराये पर लेने की लागत दो वर्ष की अवधि के लिए लगभग 2.87 करोड़ रुपयों की होगी इन्हें चलाने के लिए एक एचएमवी चालक, एक ऑपरेटर और एक सहायक को तैनात किया जाएगा। एनडीएमसी ने पहले ही वायु प्रदूषण को कम करने के लिए 17000 लीटर की सबसे बड़ी पानी की टंकी क्षमता के साथ टाटा निर्मित 28 टन सीएनजी ट्रक चेसिस पर एंटी-स्मॉग गन तैनात की हुई है। बड़ी पानी की टंकी की क्षमता के कारण, यह एंटी-स्मॉग गन लगातार 03 घंटे तक बिना रुके पानी की आपूर्ति करती रहती है, जिससे स्प्रे की डेड माइलेज कम हो जाती है। इसके अलावा एक और एंटी-स्मॉग गन/मिस्ट स्प्रे मशीन एनडीएमसी द्वारा खरीदी गई थी और इसका उपयोग पंडित पंत मार्ग पर किया जा रहा है। नई दिल्ली क्षेत्र में एवेन्यू सड़कों पर सड़क चैनलों की गहन सफाई के लिए कुल 04 मैकेनिकल रोड स्वीपर (एमआरएस) पहले से ही दो

शिफ्टों में काम कर रहे हैं और वे प्रति दिन के आधार पर लगभग 350 किमी लंबी सड़कों को कवर कर रहे हैं। दूसरी ओर, एनडीएमसी द्वारा 10000 लीटर से 5000 लीटर पानी की क्षमता तक के 18 नग पानी के टैंकर/ट्रॉलियां , पानी के छिड़काव के लिये भी तैनात किए गए हैं। इनमें एसटीपी-उपचारित पानी का उपयोग करके मुख्य सड़कों के किनारे पेड़ों और झाड़ियों पर पानी का छिड़काव करने के लिए 02/03 यात्राएं करके ये हरित पट्टी और हरियाली सम्पदा की धुलाई भी करती है ।

और साथ ही विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत दैनिक आधार पर स्वच्छता टीमें न केवल फुटपाथ और सड़कों पर झाड़ू लगा रही हैं, बल्कि धूल या अन्य वायु प्रदूषण तत्वों को साफ करने के लिए पानी से धुलाई भी कर रही हैं। एनडीएमसी क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए यह पहल बहुत महत्वपूर्ण है। ये सभी प्रदूषण रोधी गतिविधियाँ/पहल समर्पित प्रशिक्षित टीमों द्वारा कार्य के तहत जारी हैं और वरिष्ठ अधिकारियों/ विभागाध्यक्ष स्तर द्वारा इनकी नियमित रूप से निगरानी की जाती है। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिदिन लाखों लोग नई दिल्ली क्षेत्र में आते हैं। इसलिए, एक नागरिक निकाय के रूप में एनडीएमसी के लिए नई दिल्ली क्षेत्र में वायु प्रदूषण को रोकना और नियंत्रित करना और भी अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी हो जाती है। एनडीएमसी नई दिल्ली क्षेत्र के आगंतुकों और नागरिकों से व्यक्तिगत स्तर पर भी वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आग्रह करती है। चूंकि प्रकृति स्वयं प्रदूषण का समाधान और रोकथाम नहीं कर सकती है, इसलिए यह मनुष्य का कर्तव्य बन जाता है कि वह पर्यावरण में प्रदूषण का स्वयं समाधान करे और उसे रोके।

एक नजर

अज्ञात वाहन ने सगे भाइयों को टक्कर मारी, एक की मौत

नई दिल्ली। जनकपुरी इलाके में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सगे भाइयों को टक्कर मार दी। बड़े भाई सौरभ ने राहगीरों की मदद से अपने छोटे भाई अमित को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने अमित को मृत घोषित कर दिया। सौरभ का उपचार चल रहा है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालकर आरोपी चालक की पहचान का प्रयास कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अमित अपने बड़े भाई सौरभ के साथ अपने मामा के यहां चंदर विहार में रहता था। पुलिस को दिए बयान में सौरभ ने बताया कि 27 अप्रैल की देर रात वह रेहड़ी लेकर कूड़ा बीनते हुए तिहाड़ जेल के गेट नंबर चार के पास पहुंचा। रेहड़ी अमित चला रहा था। इसी बीच पीछे से तेज रफ्तार एक गाड़ी आई और रेहड़ी में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही अमित हवा में उछलता हुआ जमीन पर गिरा, जबकि सौरभ सड़क किनारे गिरा। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी चालक फरार हो गया।

पैसे मांगने पर पिता-पुत्र ने कारोबारी को पीटा

नई दिल्ली। हरि नगर इलाके में अपने पैसे मांगने पर पिता-पुत्र ने कारोबारी की पिटाई कर दी। पीड़ित ने मामले की जानकारी पुलिस को देने के साथ ही डीडीयू अस्पताल में अपना इलाज कराया। हरि नगर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कारोबारी ज्ञानेन्द्र शर्मा अपने परिवार के साथ मानसरोवर गार्डन कीर्ति नगर में रहते हैं। पुलिस को दी शिकायत में उन्होंने बताया कि वह पिछले दो साल से सिद्धार्थ सहगल और उसके पिता मनोज सहगल को जानते हैं। पिछले वर्ष जुलाई में पीड़ित ने सिद्धार्थ और उसकी पत्नी मुस्कान को अपना घर बेचा था। इस सौदे के बाद कुछ पैसे सिद्धार्थ ने दिए और बाकी पैसे देने थे। पीड़ित लगातार अपने पैसे मांग रहा था। 27 अप्रैल को प्रॉपर्टी डीलर अनिल चोपड़ा ने सिद्धार्थ और ज्ञानेन्द्र को समझौते के लिए अपने कार्यालय में बुलाया था, जहां दोनों पक्षों के बीच बात हो रही थी। इसी दौरान सिद्धार्थ ने टेबल पर रखी चाबी और घंटी से पीड़ित पर हमला कर दिया। सिद्धार्थ के पिता मनोज ने पीड़ित को पकड़ लिया और फिर दोनों ने उनकी जमकर पिटाई की। ज्ञानेन्द्र को घायल कर पिता-पुत्र मौके से फरार हो गए।

नेपाल से नशीले पदार्थ की तस्करी करने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली की स्पेशल स्टाफ की टीम ने नेपाल से नशीला पदार्थ लाकर दिल्ली में सप्लाई करने वाले दो तस्कर को प्रीत विहार इलाके से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से 75 लाख से ज्यादा कीमत का नशीला पदार्थ चरस और अफीम भी बरामद हुआ है। पूर्वी दिल्ली की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिहार के चंपारण निवासी 32 वर्षीय अमित ठाकुर और 23 वर्षीय रवि मान के तौर पर हुई है। डीसीपी ने बताया कि स्पेशल स्टाफ की टीम को प्रीत विहार इलाके में नशीला पदार्थ तस्करों को आने की सूचना मिली। जानकारी मिलते ही इंस्पेक्टर अजीत सिंह के नेतृत्व में एक समर्पित टीम का गठन किया गया, जिसमें एसआई नवदीप यादव, एसआई विकास कुमार, एएसआई नीरज, एएसआई अमरपाल, एएसआई सतदेव राणा, हेड कांस्टेबल मुकेश, हेड कांस्टेबल पवन, हेड कांस्टेबल सनोज, हेड कांस्टेबल सनी राठी, हेड कांस्टेबल युवेंद्र, हेड कांस्टेबल विचित्रे, हेड कांस्टेबल नरेश पाल, हेड कांस्टेबल रोहित और कांस्टेबल सरिता को शामिल किया गया। टीम ने प्रीत विहार इलाके में जाल बिछाकर आरोपी अमित ठाकुर और रवि मान को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के बैग की तलाशी लेने पर उनके पास से 6 किलो बारीक चरस (हशीश) और 1.5 किलो फाइन क्वालिटी अफीम बरामद की गई है। इसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 75 लाख रुपये मूल्य आंकी गई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ प्रीत विहार थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह नेपाल से नशीला पदार्थ लाकर दिल्ली में उसकी सप्लाई करते थे। बहरहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर इस बात का पता लग रही है कि दिल्ली में वह लोग किसे नशीला पदार्थ की सप्लाई करते थे।

आप ने प्रज्वल रेवन्ना को टिकट देने पर भाजपा को घेरा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले सियासत में आरोप प्रत्यारोप का दौर चल लगातार जारी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा प्रज्वल रेवन्ना को टिकट देने पर आम आदमी पार्टी ने कड़ा हमला बोला है। जेडीएस के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते रेवन्ना को दुष्कर्म का आरोपी बताते हुए आम आदमी पार्टी ने भाजपा को बलात्कारी जनता पार्टी तक बता दिया है। पार्टी की तरफ से एक्स पर पोस्ट डाली गई है। साथ ही भाजपा से कई सवाल भी पूछे हैं।इधर चौतरफा विरोध को देखते हुए कर्नाटक में जेडीएस ने प्रज्वल रेवन्ना को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने एक्स पर बीजेपी को बलात्कारी जनता पार्टी बताते हुए कहा है कि उसका घिनौना चेहरा एक बार फिर देश के सामने आ गया। मोदी जी के आंख के तारे प्रज्वल रेवन्ना ने एक-दो नहीं हजारों महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया। आतिशी ने एक्स पर भाजपा वालों से सवाल पूछा है कि ये साफ-साफ जानते हुए कि प्रज्वल रेवन्ना ऐसा दुष्कर्मी है। उसे एमपी का टिकट क्यों दिया गया? मोदी रेवन्ना का प्रचार करते हैं और कहते हैं रेवन्ना को दिया हर वोट मोदी को जाता है।

राघव चड्ढा के आंख की सर्जरी हुई है, ठीक होने के बाद चुनाव प्रचार में लेंगे हिस्साः सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा की ब्रिटेन में आंख की बड़ी सर्जरी हुई है और स्वस्थ महसूस करने पर वह लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए प्रचार करने के लिए आएंगे।

उन्होंने कहा कि सांसद को आंखों की गंभीर बीमारी हो गई थी जिससे अंधापन हो सकता था। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी कहा कि चड्ढा आम चुनाव के लिए पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। चड्ढा पंजाब से आप के राज्यसभा सदस्य हैं और पार्टी के चुनाव प्रचार से नदारद हैं। भारद्वाज ने% से कहा, ''राघव चड्ढा की ब्रिटेन में आंख की बड़ी सर्जरी हुई है। बताया जा रहा है कि उनकी हालत गंभीर थी और अंधेपन की आशंका थी। जैसे ही वह ठीक हो जाएंगे, वह भारत वापस आएंगे और हमारे साथ चुनाव प्रचार में शामिल होंगे। चड्ढा के चुनाव प्रचार में शामिल होने के सवाल पर मान ने कहा, ''वह निश्चित रूप से प्रचार करेंगे। तिहाड़ जेल में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में मान ने कहा, ''(क्रिकेट में) 11 खिलाड़ी होते हैं। फिर कोचिंग स्टाफ, नेट्स पर गेंदबाजी और बल्लेबाजी करने वाले लोग और चार अतिरिक्त खिलाड़ी होते हैं। हर कोई अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारा संगठन है और जिसे भी काम दिया जाएगा, वह करेगा। चार जून को आप मजबूत राजनीतिक ताकत के रूप में उभरेगी। सौरभ से जब अमित शाह के फेक वीडियो के बारे में पूछा गया तो वह बोले, %मेरा मानना है कि कोई भी डॉक्टर्ड वीडियो चला रहा है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। पार्टी जिसने एडिटेड वीडियो चलाने में पीएचडी कर रखी है, वो भाजपा है। पिछले कई महीनों से वो विपक्षी नेताओं के बयानों को एडिट कर चला रहे हैं। सौरभ ने आगे कहा, %बीजेपी के सोशल मीडिया हेड अमित मालवीय के पुराने एक्स पोस्ट इस संबंध में सबके सामने हैं। वह ऐसे आरक्षण के धुर विरोधी रहे हैं और इसे लेकर उन्होंने कई बार ट्वीट भी किया है, क्या वह भी एडिटेड हैं? बीजेपी को इस बारे में बताना चाहिए।

दिल्ली नगर निगम के 280 कर्मचारी हुए सेवानिवृत

सद्भावना टुडे, संवददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के 280 कर्मचारी आज सेवानिवृत हुए। दिल्ली नगर निगम के सिविक सेंटर मुख्यालय स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मियों को प्रशस्ति पत्र, पी पी ओ शीट, लीव एनकैशमेंट के चेक दिये गए। सभी जोन में भी सेवानिवृत कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में सेवानिवृत कर्मचारियों को दीर्घायु व स्वस्थ रहने की कामना की गई। सेवानिवृत हो रहे कर्मचारियों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाओं के साथ-साथ सुखमय जीवन की कामना करते हुए पौधे भी भेंट किये। इस अवसर पर निगम के उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहे।

दक्षिणी दिल्ली से आप प्रत्याशी सहीराम पहलवान ने किया नामांकन

शोएब आलम, संद्भावना टुडे

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की सात लोकसभा सीटों पर इस बार मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और इंडिया गठबंधन के बीच होने वाला है। दिल्ली में छठे चरण के मतदान 25 मई को होंगे, इसके लिए नामांकन की प्रक्रिया 29 अप्रैल से शुरू हो गई है। इसी क्रम में मंगलवार को आम आदमी पार्टी के दक्षिण दिल्ली लोकसभा सीट से प्रत्याशी सहीराम पहलवान ने साकेत स्थित रिटर्निंग ऑफिसर केंद्र में नामांकन किया।

नामांकन से पहले सहीराम ने अपने पैतृक गांव स्थित दुर्गा मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान उनके साथ आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी मौजूद रहीं। नामांकन से पहले दक्षिणी दिल्ली में भव्य रोड शो में बड़ी संख्या में आप समर्थक शामिल हुए। यहां से सभी मंदिर गए, पूजा अर्चना की। साथ ही सहीराम पहलवान ने मां का भी आशीर्वाद लिया। आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सहीराम पहलवान जब अपने घर से नामांकन दर्ज करवाने के लिए निकले तो उन्होंने कहा कि जिस तरीके से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को षड्यंत्र के तहत जेल में डाला है, कहीं ना कहीं लोगों ने मन बना लिया है कि इस बार जेल का जवाब वोट से

दिया जाएगा। बता दें, दिल्ली की सबसे हाट मानी जाने वाली दक्षिणी दिल्ली सीट पर हमेशा गुर्जर मतदाता का वर्चस्व रहा है। इस लोकसभा क्षेत्र में 54 में से 22 गांव गुर्जरों के हैं। 85 प्रतिशत हिंदू मतदाता हैं। यही वजह है कि दोनों ही पार्टियों ने सीट पर गुर्जर प्रत्याशी बनाए हैं। जातीय समीकरण को साधने के लिए भाजपा ने रामवीर सिंह बिधूड़ी और आम आदमी पार्टी ने सहीराम पहलवान को अपना चेहरा बनाया है।

कैंपस एंबेसडर करेंगे विद्यार्थियों को मतदान के लिए प्रेरित

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे संवाददाता

गुरुग्राम। लोकसभा चुनाव-2024 के छठे चरण के लिए 25 मई को होने वाले मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्वीप कार्यक्रम के तहत निरंतर मतदाता जागरुकता से संबंधित गतिविधियां की जा रही हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी निशांत कुमार यादव की पहल पर जिला के सभी विश्वविद्यालयों व अनेक महाविद्यालयों में कैंपस एंबेसडर मनोनीत किए गए है। यह कैंपस एंबेसडर अपने-अपने संस्थान में विद्यार्थियों को मतदान के लिए प्रेरित करेंगे।

स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं एडीसी हितेश कुमार मीणा के मुताबिक जिला प्रशासन विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से जिले वासियों को मतदान के लिए प्रेरित करने का कार्य कर रहा है। इसके लिए जिला एंबेसडर, यूथ एंबेसडर व सीनियर सिटीजन एंबेसडर मनोनीत किए जा चुके है। इसी पहल पर आगे बढ़ते हुए सभी विश्वविद्यालयों में कैंपस एंबेसडर भी मनोनीत किए गए है। साथ ही जिला के महाविद्यालयों में भी यह प्रक्रिया जारी है। जिला के विभिन्न संस्थानों ने इस कार्य में रूचि दिखाई है। शिक्षण संस्थानों की ओर से लघु सचिवालय परिसर स्थित विकास सदन में वोटर्स पार्क भी बनाया गया है। इस पार्क में आकर भारत में चुनाव प्रक्रिया के इतिहास से रूबरू हो सकते हैं साथ ही

चुनाव से जुड़ी कई रोचक जानकारी भी इस पार्क की विजिट में आपको मिल सकती है। सीएसआर ट्रस्ट के एडिशनल सीईओ व स्वीप कार्यक्रम से जुड़े गौरव सिंह ने बताया कि गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में तरूण शाह और रूद्रिका, एमडीयू के सेंटर फॉर प्रोफेशनल एंड अलाइड स्टडीज (सीपीएएस) में पूजा, रविंद्र शौकीन, केआर मंगलम यूनिवर्सिटी में कुणाल और हितेन पंवार, एसजीटी यूनिवर्सिटी में अक्ष चौहान, जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी में शौर्य गर्ग व तुषार यादव, आईआईएलएम यूनिवर्सिटी में शिरीष बोहरा व मानस गौरी को कैंपस एंबेसडर मनोनीत किया गया है। इसी तरह गुरुग्राम के द्रोणाचार्य गवर्नमेंट कॉलेज में आयुषी सिंह, गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज सेक्टर-14 में मानसी व दिया को मतदाता जागरुकता के लिए कैंपस एंबेसडर बनाया गया है। इन एंबेसडर ने मंगलवार को वोटर्स पार्क का भ्रमण किया। इस दौरान इन्हें मनोनयन पत्र भी प्रदान किए गए।

सरकारी दस्तावेज में छेड़छाड़ में नायब तहसीलदार सहित छह पर एफआईआर दर्ज

शहजाद सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

फरीदाबाद। सरकारी दस्तावेज में मिलीभगत से छेड़छाड़ के आरोप में नायब तहसीलदार सहित छह लोगों के खिलाफ जिलाधिकारी के आदेश पर सेंट्रल थाना में एफआईआर दर्ज की गई है।

जिलाधीश विक्रम सिंह ने मंगलवार को बताया कि दस्तावेज संख्या 11227 दिनांक 08.01.2014 की, जो इंडोस्मेंट की कॉपी, कंप्यूटर से अब निकाली है, उसमें रकबा मौजा बसेलवा का है। रिकार्ड की ऑफिस कापी की इंडोर्समेंट के कोलमो में मौजा, पता, प्रॉपर्टी आईडी, प्रॉपर्टी नम्बर व मालिक के नाम को किसी प्रकार मिटाया गया है। उन्होंने बताया कि रिकार्ड की ऑफिस कापी के पेज नं0 2 पर मौजा भतौला लिखा है। इस दस्तावेज के साथ संबंधित विभाग की एनडीसी/एनओसी भी संलग्न नहीं है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि दस्तावेज के साथ मिलीभगत करके छेड़छाड़ की गई है और पूरे मामले में धोखाधड़ी व जालसाजी की गई है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार उस दस्तावेज के पंजीकरण में उस एक्ट की धारा 7 का भी उल्लंघना की गई है। इस प्रकरण में नायब

तहसीलदार जय प्रकाश, कंप्यूटर ऑपरेटर ललित, दिनेश व हरेंद्र और क्रेता लखमी चंद और विक्रेता अजय कुमार के खिलाफ सेंट्रल थाना में हरियाणा शहरी क्षेत्र विकास एवं विनियमन अधिनियम, 1975 की धारा 7ए और धोखाधड़ी सहित कई धाराओं में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसी भी विभाग का कोई अधिकारी या कर्मचारी किसी भी मामले में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के दो शूटर गिरफ्तार

नूंह (हरियाणा)। हरियाणा के नूंह में पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई-रोहित गोदारा गिरोह के दो शूटर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि आरोपियों दिल्ली निवासी रवि कुमार (30) और गुरुग्राम निवासी विशाल उर्फ कालू (27) जवाबी गोलीबारी में घायल हो गए। दोनों के पैर में गोली लगी है। उसने कहा कि आरोपियों द्वारा चलाई गई गोलियों में से एक उपनिरीक्षक राकेश कुमार की बुलेट-प्रूफ जैकेट पर लगी और दूसरी दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ की 'काउंटर इंटेलिजेंस टीम' के निरीक्षक मंजीत जगलान की जैकेट पर लगी। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों ने 10 गोलियां चलाईं। उसने कहा कि दोनों आरोपियों को हरियाणा पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ), 'काउंटर इंटेलिजेंस टीम' और नूंह पुलिस की अपराध जांच एजेंसी की संयुक्त टीम ने पकड़ा। पुलिस ने कहा कि दोनों के कब्जे से दो देशी पिस्तौल और तीन कारतूस भी बरामद किए गए।

यात्री के रुपयों से भरे बैग को लेकर भाग निकला कैब चालक

स्पेशल टीम ने पकड़ा

नई दिल्ली। सोचिए, अगर कैब चालक आपका कीमती सामान और पैसे लेकर भाग निकले तो...मामला दिल्ली के हौज खास का है। यात्री के पैसे लेकर कैब चालक फरार हो गया। दिल्ली पुलिस ने कैब चालक को गिरफ्तार कर लिया है जिसकी पहचान सुजीत मिश्रा पुत्र यज्ञ नारायण मिश्रा निवासी इलाहाबाद उत्तर प्रदेश उम्र 28 वर्ष के रूप में हुई है।

दक्षिण दिल्ली जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि एक शिकायतकर्ता ने पुलिस स्टेशन हौज खास में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह एक निजी कंपनी में काम करता है और दिनांक 5 अप्रैल 2024 को उसने अपने घर के लिए एक कैब बुक की कैब ड्राइवर ने साउथ एक्स पार्ट 2 नई दिल्ली में सवारी समाप्ति और उसका हैंडबैग लेकर फरार हो गया जिसमें 1,25,000 नगद थे। शिकायतकर्ता ने उससे संपर्क करने की कोशिश की लेकिन संपर्क नहीं हो सका दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। एसीपी हौज खास के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम के द्वारा आरोपी कैब चालक को पकड़ने के लिए कार्य शुरू किया गया जांच के दौरान कैब चालक का विवरण प्राप्त किया गया। टीम के द्वारा मैन्युअल और तकनीकी जानकारी से आरोपी कैब चालक का पता लगाया गया चालक की पहचान सुजीत मिश्रा के रूप में हुई लेकिन उसका मोबाइल फोन बंद पाया गया। इसके बाद कापसहेड़ा और द्वारका में छापे मारे गए और चालक को पकड़ लिया गया उसने अपना अपराध कबूल कर लिया। उसके कब्जे से चोरी की गई 5000 रुपए नगदी,एक चश्मे का डब्बा,शिकायतकर्ता की एक अग्रिम वाउचर रसीद बरामद की गई अधिक पैसे बरामद करने के लिए आगे की जांच टीम के द्वारा की जा रही है।

फरीदाबाद सीट से टिकट न मिलने से नाराज कांग्रेस नेता करण सिंह दलाल ने कहा

फरीदाबाद। फरीदाबाद लोकसभा सीट से कांग्रेस से टिकट न मिलने पर करण सिंह दलाल नाराज हैं। वह उम्मीद जता रहे थे कि पुराना नेता होने की वजह से कांग्रेस उन्हें उम्मीदवार बनाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद उन्होंने मंगलवार को एक महापंचायत का आयोजन किया। करण सिंह दलाल ने महापंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि पहले कमेटी से मिलकर अपनी बात रखेंगे। फिर भी बात नहीं बनी तो हम जानते हैं कि ईंट से ईंट कैसे बजाना है। उन्होंने आगे कहा कि राजनीतिक जीवन बहुत छोटा होता है, लुटेरे अधिकारियों से दुश्मनी लेनी पड़ती है, गरीब दलित लोगों की आवाज बनना पड़ता है। लोगों की लड़ाई लड़ने की सौगंध खानी पड़ती है।

कोई भी राजनीति में आ सकता है, राजनीतिक विचारधारा की लड़ाई है। उन्होंने आगे कहा कि बीते 10 साल में किसने किसानों की लड़ाई लड़ी? जब भी किसी के लिए लड़ाई लड़ने की बात आई तो हमने सभी के हक की लड़ाई लड़ी। जो टिकट नहीं मांग रहे थे, कांग्रेस ने उन्हें टिकट दे दिया। जो लोगों के हक की लड़ाई लड़

रहे थे, उन्हें कांग्रेस ने नकारने का काम किया है। हमारी शराफत और इंसानियत का फायदा उठाया गया है। उन्होंने कहा कि आज 36 बिरादरी इस महापंचायत में है। पंच इस मुद्दे पर फैसला करेगा। वहीं इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और पृथला से पूर्व विधायक पंडित टेकचंद शर्मा और हथीन से पूर्व विधायक कहर सिंह रावत ने भी करण सिंह दलाल की महापंचायत में खुले शब्दों में सहयोग किया। उन्होंने कहा कि हम दलाल साहब के साथ हैं। आगे जो भी स्थिति होगी, उसमें हम दलाल के साथ हर तरह से साथ रहेंगे।

तीन राज्यों के प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की बैठक

गुरुग्राम। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने व शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने को लेकर गुरुग्राम में तीन राज्यों दिल्ली, राजस्थान व हरियाणा के सीमावर्ती जिलों के प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की सांझा बैठक हुई। यहां इफको चौक स्थित वेस्टिन होटल में हुई इस बैठक में चुनाव के दौरान बेहतर कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने व आपसी समन्वय को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में फरीदाबाद, रेवाड़ी, पलवल, नूंह, झज्जर, चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, साउथ दिल्ली, अलवर, तिजारा, कोटपूतली, भिवाड़ी, डीग के डीसी व एसएसपी, एसपी एवं उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में चुनाव के दौरान अंतरराज्यीय एवं अंतर जिला सीमा पर सुरक्षा और निगरानी, कानून व्यवस्था बनाये रखने, असामाजिक तत्वों एवं अवैध सामग्रियों की आवाजाही पर रोकथाम के उपाय व राज्य के सीमावर्ती थानों में विभिन्न माध्यमों से सूचना का आदान-प्रदान करने पर चर्चा की गयी। बैठक में निगरानी व सुरक्षा को लेकर किये जा रहे प्रबंध के बारे में जानकारियां साझा की गयीं। सभी जिलों के डीसी, एसएसपी, एसपी एवं उनके प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी बातें रखी तथा चेक पोस्ट पर विशेष निगरानी रखने की बात कही।

इस दौरान बैठक में सीमा जांच बिंदुओं के साथ आदतन अपराधियों व बदमाशों की सूची उपलब्ध कराने पर सहमति बनी। बैठक में गुरुग्राम के रिटर्निंग अधिकारी निशांत कुमार यादव ने आपसी समन्वय एवं सूचना तंत्र मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में समन्वय, आपसी तालमेल को और बेहतर करना है। उन्होंने कहा कि सभी सीमावर्ती जिले विभिन्न मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित करना सुनिश्चित करें। जिससे सीमाओं पर हो रही आवाजाही की मॉनिटरिंग नियमित रूप से होती रहे। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, चेकिंग अभियान, समय-समय पर बैठक करने सहित अन्य गतिविधियों पर नजर बनाए रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस दौरान खाना डिलीवरी करने वाले विभिन्न कंपनियों के कर्मचारियों की विशेष निगरानी रखी जाए। चुनाव की निर्धारित तिथि से 48 घंटे पूर्व बॉर्डर पर सभी वाहनों को जांच के बाद ही प्रवेश दिया जाए।

मुस्लिम बेटियां और 'शरीयत' की बेड़ियां

अधिवक्ता डॉ. निवेदिता शर्मा

देश में एक बार फिर शरीयत एक्ट पर बहस शुरू हो गई है। ये चर्चा इन दिनों इसलिए सामने आई, क्योंकि चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच के सामने केरल निवासी महिला ने अर्जी दाखिल की है। याचिकाकर्ता ने न्यायालय को बताया, वह एक अलग तरह की स्थिति में अपने को पाती है। क्योंकि भाई को डाउन सिंड्रोम बीमारी होने से वे असहाय हैं, किंतु उनकी देखभाल मेरे द्वारा ही हो रही है। अन्य सामाजिक दायित्व भी मैं बखूबी निभा ही रही हूं, किंतु शरीयत कानून मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट 1937 में पुत्री को बेटे से आधी संपत्ति मिलती है। इस स्थिति में पिता बेटी को एक तिहाई संपत्ति दे सकते हैं, शेष दो तिहाई उन्हें बेटे को देनी होगी। अब यदि भविष्य में भाई के साथ कोई परेशानी होती है, तो फिर भाई के हिस्से वाली संपत्ति पर पिता के भाइयों के परिवार का भी दावा बन जाएगा। उक्त महिला यहां अपने लिए न्याय चाहती है और हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम की तरह ही भाई के नहीं होने की स्थिति में या होते हुए भी बराबर से अपने लिए पैतृक संपत्ति में से हक चाहती है। यहां कानून की दिक्कत यह है कि भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 की धारा-58 के तहत संपत्ति के बारे में घोषणा की जा सकती है, लेकिन मुस्लिम पर लागू नहीं है। पर्सनल लॉ कहता है कि मुस्लिम शख्स एक तिहाई से ज्यादा संपत्ति वसीयत के जरिये नहीं दे सकता है। इसके साथ ही वर्ममान में यह एक बड़ा प्रश्न भी सामने आ खड़ा हुआ है कि मुस्लिम परिवार में पैदा होने के पश्चात भी यदि कोई इस्लाम को नहीं मानते तो क्या उन पर भी ये शरीयत एक्ट लागू होगा? निश्चित तौर पर इस प्रश्न का उत्तर देश के एक बहुत बड़े वर्ग को चाहिए जो पैदा तो इस्लाम में हुआ है, किंतु उसकी आस्था कहीं भी इस मजहब के प्रति नहीं है।

इसके साथ ही यहां हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 के साथ तुलना करने पर एक बात ओर समझ आती है कि पुत्री को समानता का अधिकार देने का नियम भले ही इसके माध्यम से भारत में जन्में सभी मत, पंथ, विचारधाराओं को एक साथ मिल गया था, किंतु फिर भी पुरुष सत्तात्मक समाज व्यवस्था में कुछ रास्ते सहूलियतों के ऐसे अवश्य थे, जहां एक बहन की तुलना में भाई अधिक लाभ की स्थिति में देखा जा रहा था! किंतु इसमें भी समय के साथ सुधार हुआ। 2005 में महिला हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम आया। पहले के कानून में बेटी को पैतृक आवास में रहने का अधिकार था। परंतु अब जन्म से ही बेटी को एक समान उत्तराधिकारी बना दिया गया। जैसे बेटे का हक वैसे ही अब बेटी का भी हक तय कर दिया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट तौर पर यह निर्देश दिए हैं कि बिना वसीयत के उत्तराधिकार की स्थिति में भी हिंदू महिला बराबर की हकदार है। लेकिन रास्ता फिर भी आसान नहीं था। वर्ष 2011 में गंडूरी कोटेश्वरम्मा पिता चक्री वेंकटस्वामी का मामला प्रकाश में आया, जिसकी तत्कालीन समय में बहुत चर्चा रही। इस केस को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था यह कहकर कि बेटी और बेटों को बराबर का अधिकार है। फिर उपरोक्त फैसले के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में गंडूरी कोटेश्वरम्मा की तरफ से याचिका दायर की गई। इस याचिका पर अक्टूबर 2011 में न्यायमूर्ति आरएम लोढ़ा और जगदीश सिंह खेहर का निर्णय आया, जिसमें कहा गया, हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 2005 के तहत बेटियां अन्य पुरुष सहोदरों के बराबर का अधिकार रखती हैं। 2005 के अधिनियम की नई धारा 6 में बेटी और बेटों को बराबर का अधिकार है। सिर्फ अधिकार ही नहीं, बराबरी का उत्तरदायित्व भी निभाना पड़ेगा। साथ ही इस निर्णय में यह भी कहा गया कि यदि बेटियों को बेटों के बराबर उत्तराधिकार का अधिकार नहीं दिया जाता है तो यह संविधान के द्वारा दिए गए समानता के मौलिक अधिकारों का भी हनन होगा। बेटियों को पिता की संपत्ति में हक नहीं देना एक ओर समानता के मौलिक अधिकार का हनन है तो दूसरी ओर यह सामाजिक न्याय की भावना के भी विरुद्ध है। निष्कर्ष यह है कि जो हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 में लागू हुआ, उसमें भी कुछ खामियां चिह्नित की गईं और उन्हें समय के साथ 2005 में दूर किया गया। फिर भी जो थोड़े बहुत भ्रम थे, उन्हें अक्टूबर 2011 में न्यायमूर्ति आरएम लोढ़ा और जगदीश सिंह खेहर के महिलाओं के हक में आए निर्णय ने दूर कर दिया था। लेकिन यह समानता का अधिकार मुस्लिम बेटी या महिला होने पर उसे आज तक नहीं मिल सका है। जिसे वास्तविक रूप से पाना उसका संवैधानिक अधिकार है; जैसा कि इस गंडूरी कोटेश्वरम्मा केस में न्यायालय के 2011 के निर्णय में प्रत्येक महिला को पुरुष के बराबर संपत्ति में से अधिकार देना अनिवार्य करार दिया है। यहां केरल निवासी महिला का मामला भी कुछ इसी प्रकार का है, जिसे अपने लिए मुस्लिम होने पर संविधानिक के स्तर पर न्याय चाहिए और जो अपने ऊपर शरीयत कानून मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट 1937 का दबाव नहीं चाहती है। यहां हम सभी जानते हैं कि मुस्लिम में शरीयत एक्ट 1937 के तहत उत्तराधिकार संबंधित विवाद का निपटारा होता है। मसलन किसी शख्स की मौत हो जाए तो उसकी संपत्ति में उनके बेटे, बेटी, विधवा और माता पिता सबका हिस्सा वर्णित किया गया है। बेटे से आधी संपत्ति बेटी को देने का प्रावधान है। पति की मौत के बाद विधवा को संपत्ति का छठवां हिस्सा दिया जाता है। अगर बेटियां ही हैं तो बेटियों को तिहाई हिस्सा ही मिलेगा। मुस्लिम शख्स वसीयत भी अपनी संपत्ति का एक तिहाई ही कर सकता है। बाकी दो तिहाई संपत्ति की वसीयत नहीं कर सकता है। वह उसके परिवार के अन्य लोगों के हिस्से में चली जाती है। यहां यह आंकड़ा भी देखने और उस पर विचार करने योग्य है; वर्तमान में भारत की दूसरी सबसे बड़ी जनसंख्या मुसलमानों की है। भले ही अल्पसंख्यक की स्पष्ट परिभाषा संविधान में नहीं होने से भारत का मुसलमान आज अल्पसंख्यक होने का सबसे अधिक 97 प्रतिशत से भी ज्यादा लाभ लेता है, फिर भी 2024 में भारत में मुस्लिम आबादी अनुमानित 20 करोड़ के लगभग हो चुकी है। आप स्वयं विचार करें कि इस बीस करोड़ की आधी आबादी यानी कि 10 करोड़ महिलाएं आज भी समानता के न्याय से भारत में इसलिए पूरी तरह से वंचित हैं, क्योंकि शरीयत कानून ऐसा करने की इजाजत नहीं देता है। यह कितनी बड़ी जनसंख्या है, उसका अनुमान इससे भी लगता है कि वर्तमान में जो मुंबई है, उस जैसे पांच शहर की कुल आबादी को भारत में अपने साथ न्याय की दरकार है। देश की राजधानी दिल्ली की कुल जनसंख्या के नजरिए से भी देखें तो देश में पांच दिल्ली बसा दी जाएं और उसमें सिर्फ मुस्लिम महिलाएं हों, तब सोचिए उनके साथ यह अन्याय कितने वक्त से हो रहा है? और इस तरह से देश में स्वाधीनता के पहले एवं आजादी के बाद भी लगातार इस जनसंख्या का शोषण पिछले 78 सालों से बदस्तूर जारी है। यह खुशी की बात है कि वर्तमान में ही सही इस विषय पर विचार तो शुरू हुआ। अब यदि कोई मुस्लिम परिवार में पैदा होने के बावजूद इस्लाम में यकीन नहीं रखता तो उस पर शरीयत कानून लागू नहीं होना चाहिए, बल्कि भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम लागू होना चाहिए। इस मांग पर सुनवाई करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सहमति दे दी है। उच्चतम न्यायालय की चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने केंद्र और केरल सरकार को नोटिस जारी करते हुए कहा भी है कि यह एक अहम मुद्दा है, ऐसे में प्रतिवादी इस मामले में जवाब दाखिल करें। साथ ही कोर्ट को सहयोग के लिए अटॉर्नी जनरल से भी कह दिया है। सुनवाई के लिए जुलाई के दूसरे हफ्ते की तारीख भी तय कर दी है। इसमें कहना यही है कि इस तरह की याचिकाएं देश में संविधान के अध्याय 18, राज्य की नीति के निदेशक तत्व के अनुच्छेद 44 के अंतर्गत सभी नागरिकों के लिए एक ''समान सिविल सहिंता'' लागू करने की मांग करती हैं। जिससे विवाह, उत्तराधिकार और इस प्रकार के सामाजिक प्रकृति की बातों को धार्मिक स्वतंत्रता से बाहर रखकर और उन्हें विधि बनाकर विनियमित किया जा सके।

फ्रांस अकेले अपनी फल और सब्जी की जरूरत का 71 फीसदी आयात करता है। भारत में, किसान आंदोलन 2.0 मुख्य रूप से कृषि उपज के लिए कानूनन बाध्यकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग कर रहा है, और इसकी अन्य मांगों में भारत को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) से हटने के लिए कहना भी शामिल है। इस लेख में अमेरिका द्वारा हाल ही में अपनाए गये उस कड़े कदम का विश्लेषण करने का प्रयास किया जायेगा जो विकासशील देशों में बाजार की पकड़ और ज्यादा मजबूत करने को लेकर है। अमेरिका की तो हमेशा से विकासशील देशों के बाजार में पहुंच बनाने की तीव्र इच्छा रही है। जिसमें ध्यान का केंद्र स्वाभाविक तौर पर भारत का विशाल बाजार रहा है। अमेरिकी वित्त समिति की हालिया सुनवाई में, सीनेटरों के सवालों का जवाब देते हुए, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कैथरीन टाई ने कहा-'हम कड़ी मेहनत करने वाले अमेरिकी परिवारों और समुदायों, विशेष रूप से हमारे ग्रामीण समुदायों के लिए बाजार खोल रहे हैं। बातचीत के माध्यम से, हमारे प्रशासन ने पिछले तीन वर्षों में नए कृषि बाजारों तक 21 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की पहुंच सुनिश्चित की है,' और आगे कहा, 'इसमें वृद्धिमान बाजार, भारत के साथ 12 टैरिफ श्रेणियां शामिल हैं जो अमेरिकी निर्यातकों के लिए तरक्की का मौका हैं। हालांकि मेहनतकश अमेरिकी परिवारों और ग्रामीण समुदायों की सुरक्षा को लेकर अमेरिका की रुचि समझी जा सकती है लेकिन भूमंडलीकरण के तहत हर देश को उन दसियों हजारों किसानों की आजीविका की भी रक्षा करनी चाहिए जो दुनिया के किसी और हिस्से में सस्ते आयातों के चलते तबाह हो जाते हैं।

किसानों पर शिकंजे जैसा है 'फ्री ट्रेड' फार्मूला

देविंदर शर्मा

मुक्त व्यापार कभी भी निष्पक्ष नहीं रहा। पहले की 'फेयर एंड लवली' क्रीम, जिसे अब 'ग्लो एंड लवली' नाम दिया गया है, की तरह फ्री ट्रेड दुनियाभर के बड़े कारोबारों को आसानी से आकर्षित कर सकता है ताकि ग्लोबल साउथ के देशों यानी गरीब व विकासशील देशों को इसकी विशाल आर्थिक क्षमता पर विश्वास हो सके। विवादास्पद 'फेयर एंड लवली' क्रीम ने भी त्वचा को कथित गोरा करने वाले कॉस्मेटिक उत्पाद के साथ ऐसा ही किया। 'गोरे' को सुंदर और 'सांवले' को बदसूरत समझना सांवली त्वचा वाले लोगों का उपहास करने जैसा था और अंतत: कंपनी को जनता के दबाव के आगे झुकना पड़ा। मुक्त व्यापार को लेकर दबाव का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। इस साल की शुरुआत में यूरोप में विशाल किसान आंदोलन हुए। 27 यूरोपीय देशों में से 24 किसी न किसी स्तर पर विरोधों का सामना कर रहे हैं। इन आंदोलनों में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स (एफटीए) को 'उखाड़ फेंकने' का आह्वान कर रहे थे जिसकी वजह से यूरोप में भोजन व फल-सब्जियां सस्ते हो गये व घरेलू किसानों की आजीविका सुरक्षित करना मुश्किल हो रहा था।

फ्रांस अकेले अपनी फल और सब्जी की जरूरत का 71 फीसदी आयात करता है। भारत में, किसान आंदोलन 2.0 मुख्य रूप से कृषि उपज के लिए कानूनन बाध्यकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग कर रहा है, और इसकी अन्य मांगों में भारत को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) से हटने के लिए कहना भी शामिल है। इस लेख में अमेरिका द्वारा हाल ही में अपनाए गये उस कड़े कदम का विश्लेषण करने का प्रयास किया जायेगा जो विकासशील देशों में बाजार की पकड़ और ज्यादा मजबूत करने को लेकर है। अमेरिका की तो हमेशा से विकासशील देशों के बाजार में पहुंच बनाने की तीव्र इच्छा रही है। जिसमें ध्यान का केंद्र स्वाभाविक तौर पर भारत का विशाल बाजार रहा है। अमेरिकी वित्त समिति की हालिया सुनवाई में, सीनेटरों के सवालों का जवाब देते हुए, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कैथरीन टाई ने कहा-'हम कड़ी मेहनत करने वाले अमेरिकी परिवारों और समुदायों, विशेष रूप से हमारे ग्रामीण समुदायों के लिए बाजार खोल रहे हैं। बातचीत के माध्यम से, हमारे प्रशासन ने पिछले तीन वर्षों में नए कृषि बाजारों तक 21 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की पहुंच सुनिश्चित की है,' और आगे कहा, 'इसमें वृद्धिमान बाजार, भारत के साथ 12 टैरिफ श्रेणियां शामिल हैं जो अमेरिकी निर्यातकों के लिए तरक्की का मौका हैं।'

हालांकि मेहनतकश अमेरिकी परिवारों और ग्रामीण समुदायों की सुरक्षा को लेकर अमेरिका की रुचि समझी जा सकती है लेकिन भूमंडलीकरण के तहत हर देश को उन दसियों हजारों किसानों की आजीविका की भी रक्षा करनी चाहिए जो दुनिया के किसी और हिस्से में सस्ते आयातों के चलते तबाह हो जाते हैं। यह न भूलें कि भोजन का आयात करना बेरोजगारी का आयात करने के समान है। मुझे याद है कि मैंने जर्मन किसानों से भी कमोबेश इसी तरह का प्रश्न पूछा था, जो दक्षिणी जर्मनी के लैंड्सफुहल में एक फार्म हाउस में डिनर के दौरान जीएटीटी निर्यातकों के एक छोटे समूह से मिलने आए थे (मेरी पुस्तक- गैट टू डब्ल्यूटीओ = निराशा के बीज 1995. कोणार्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली)। यह 1990 के दशक के मध्य में किसी समय का वाकया है। 'मानता हूं कि आप सरप्लस खाद्यान्न का उत्पादन करते हैं जिसके लिए आप दक्षिण में एक स्थाई बाजार की तलाश कर रहे हैं। लेकिन शायद आपको इस बात का अहसास नहीं है कि आप यहां जो सरप्लस अनाज पैदा करेंगे, वह भारत जैसे देशों में लाखों छोटे और सीमांत किसानों को उनके खेतों से दूर कर देगा। उन व्यापार वार्ताकारों के उलट, जो नष्ट हो रही कृषि आजीविका के बारे में दूर-दूर तक चिंतित हुए बिना, आजकल व्यापार वार्ता की अगुवाई करते हैं, मुझे वहां किसानों से जो उत्तर मिला, वह अत्यधिक समर्थन प्रदान करने वाला था। भारतीय किसानों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि उनका अधिशेष खाद्यान्न भारत में आजीविका को नष्ट कर देगा। जर्मनवासी किसान भारतीय किसानों की पीड़ा को समझ सकते थे और इसलिए चाहते थे कि सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। मैंने सोचा कि अमेरिका को भी उस असर का आकलन करना चाहिये जो बादाम, अखरोट और सेब समेत अन्य चीजों पर प्रतिरोधात्मक आयात शुल्क वापस लेने के बाद भारत पर पड़ेगा। चलो यहां सेब की बात करते हैं। समाचार रिपोर्टों के अनुसार, 20 फीसदी आयात शुल्क वृद्धि वापस लेने के बाद जब पहली खेप भारत के लिए रवाना हुई तो सिएटल बंदरगाह पर उत्सव मनाया गया। जाहिर है, भारत वाशिंगटन के सेब के लिए 120 मिलियन डॉलर का बाजार प्रदान करता है, जिससे अमेरिका में 68,000 सेब उत्पादक किसानों को लाभ होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नवंबर 2023 में आयात शुल्क आंशिक रूप से वापस लेने के एक महीने के भीतर 19.5 मिलियन डॉलर मूल्य के वाशिंगटन सेब भारत भेजे गए। जैसा कि उम्मीद थी, यूएस कांग्रेस की सुनवाई में एक सीनेटर को यह कहते हुए उद्धृत किया गया था कि भारतीय गेहूं सब्सिडी कीमतों को बिगाड़ रही है और इससे अमेरिकी किसानों को नुकसान हो रहा है। एक अन्य सीनेटर ने चावल सब्सिडी के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि अगर चावल सब्सिडी डब्ल्यूटीओ के मापदंडों के भीतर होती, तो इससे अमेरिकी धान किसानों के लिए 850 मिलियन डॉलर के व्यापार के अवसर खुल जाते। यदि आपका अंदाजा सही है, तो ये सीनेटर भारत में एमएसपी व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं जिसके तहत खासकर पंजाब और हरियाणा में गेहूं और चावल उत्पादक किसान, उच्च सुनिश्चित कीमतों से लाभान्वित होते हैं। अमेरिका ने बार-बार कहा है कि भारत किसानों को उत्पाद-विशेष के लिए समर्थन की 10 प्रतिशत की सीमा से अधिक एमएसपी भुगतान करके डब्ल्यूटीओ की शर्तों का उल्लंघन करता है। आश्चर्यजनक तौर पर, ये आक्षेप बार-बार उस देश द्वारा लगाये जाते हैं जो दुनियाभर के कपास उत्पादकों को हानि पहुंचाने के लिए अपने देश के कपास उत्पादकों को दी जाने वाली भारी-भरकम सब्सिडी को बंद करने में विफल रहा हो। जरा तुलना ही करें तो, नई दिल्ली स्थित डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र के अनुसार, अमेरिका अपने 8,100 कपास उत्पादकों को प्रति किसान 117,494 डॉलर की घरेलू मदद प्रदान करता है। इसके विपरीत, 9 मिलियन से अधिक संख्या वाले भारतीय कपास उत्पादकों को प्रति किसान मामूली 27 डॉलर मिलते हैं। अमेरिका द्वारा अपने किसानों को प्रदान की जाने वाली कपास सब्सिडी का विवादास्पद मुद्दा पश्चिमी अफ्रीका के देशों और भारत में लाखों कृषकों की आजीविका को खत्म करने के लिए जाना जाता है, साल 2003 में असफल कैनकन डब्ल्यूटीओ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में एक प्रमुख मुद्दे के रूप में सामने आने के वक्त से अनसुलझा बना हुआ है। मुझे यह भी अजीब लगता है कि जब अमेरिकी सीनेटर उस हालात में भारत के झींगा उद्योग में बाल मजदूरी पर सवाल उठाते हैं जब अमेरिकी कृषि क्षेत्र सैकड़ों की तादाद में 18 साल से कम उम्र के बच्चों को नियुक्त करने के लिए जाना जाता है, और कुछ तो 10-12 वर्ष की नाजुक उम्र में वाणिज्यिक फार्म्स में श्रम करते हैं। प्रत्येक व्यक्ति की तरह, मैं भी संसार में कहीं भी खेती के काम में बालश्रम का विरोधी हूं। लेकिन जब खेती के कार्य में बाल श्रमिकों को लगाने की बात आती है तो अमेरिका भी इससे अछूता नहीं। यह निष्पक्ष स्थिति नहीं जो स्वतंत्र व्यापार सुनिश्चित करती हो। फ्री ट्रेड का अपने आप में यह मतलब नहीं कि यह 'फेयर और लवली' है।

विचार

जंगल सुलगने से खतरे में जैव विविधता

जयसिंह रावत

धरती पर जीवन के लिए अति आवश्यक आक्सीजन के उत्पादन में एल्गी या शैवाल के बाद वनों की भूमिका को देखते हुए वनों को धरती के फेफड़े की संज्ञा भी दी जाती है। लेकिन जब फेफड़ा ही जल रहा हो तो फिर प्राणवायु की उपलब्धता और उससे जुड़ी अन्य प्राकृतिक व्यवस्थाओं की कल्पना की जा सकती है। अगर आप भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के वनाग्नि डैशबोर्ड पर सुबह की ताजा स्थिति पर नजर डालें तो आपको देशभर में पृथ्वी के दहकते फेफड़ों में मची तबाही का मंजर अवश्य नजर आयेगा। भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग उपग्रह से प्राप्त वनाग्नि के दृश्यों के विश्लेषित आंकड़े राज्यों के वन विभागों को देता है ताकि वे विभाग वनाग्नि को बुझाने के लिये तत्काल कार्रवाई कर सकें। विभाग के डैशबोर्ड पर 24 अप्रैल की प्रात: उत्तर से लेकर दक्षिण तक देश के 13 राज्यों में 62 वन क्षेत्रों में भीषण आग लगी हुई थी जिनमें हिमालयी राज्य उत्तराखंड में सर्वाधिक 30 स्थानों पर जंगल भयंकर रूप से धू-धू कर वृक्षों, नाजुक वनस्पतियों के साथ ही वन्यजीव संसार भी खाक हो रहे थे। डैशबोर्ड में दूसरे नम्बर पर 8 घटनाओं के साथ आंध्र प्रदेश, 6 के साथ बिहार और 3 अग्निकांडों के साथ झारखंड को दर्शाया गया था। बाकी राज्यों में एक या दो घटनाएं दर्शायी गयी थीं। यही नहीं, डैशबोर्ड में 17 अप्रैल से 22 अप्रैल तक के सप्ताह में हुए अन्य अग्निकांडों में उड़ीसा को पहले और उत्तराखंड को दूसरे स्थान पर दर्शाया गया था। उसके बाद वन बाहुल्य छत्तीसगढ़ और झारखंड की स्थिति बतायी गयी है।

चूंकि वन अब समवर्ती सूची के विषयों में शामिल हो गया है। इसलिये इसे बचाने की जिम्मेदारी केन्द्र और राज्य सरकारों की ही है। केन्द्र सरकार इस संबंध में राज्यों को तकनीकी सहायता, जानकारियां और वित्तीय योगदान ही दे सकती है और बचाव की मुख्य जिम्मेदारी राज्यों पर निर्भर हो जाती है। लेकिन प्राय: देखा जाता है कि राज्य सरकारें अक्सर संसाधनों के अभाव का ठीकरा केन्द्र सरकार पर फोड़ देती हैं। यही नहीं, वनाग्नि के नुकसान में केवल पेड़ों की गिनती करने के साथ ही आर्थिक नुकसान का आंकलन कर दिया जाता है। जबकि वन पेड़ पौधों और जीवों की प्रजातियों की एक विशाल श्रृंखला का घर है, जिनमें से कई अन्यत्र कहीं नहीं पाए जाते हैं। वे वैश्विक जैव विविधता में योगदान करते हुए अनगिनत जीवों को आवास प्रदान करते हैं। जंगल में बड़े पेड़ों के अलावा छोटी नाजुक वनस्पतियां, लाइकेंस के साथ ही जीवों की कई प्रजातियां होती हैं जिनमें हिरन, लोमड़ी, गुलदार जैसे जीव प्राय: भागकर जान बचाने में कामयाब हो सकते हैं। लेकिन पक्षी, तितलियां, मक्खियां, मकड़े कीड़े मकोड़े, मेढक, दीमक, रेंगने वाले सांप छिपकलियां और केंचुए जैसे अनगिनत जीव प्रजातियां खाक हो जाती हैं। आप कह सकते हैं कि वनाग्नि से भरा पूरा वन्यजीव संसार खाक हो जाता है। जबकि चींटी और दीमक से लेकर बड़े स्तनपाई जीवों तक हर एक को प्रकृति ने कुछ न कुछ दायित्व सौंपा हुआ है। उदाहरण के लिये अगर वनों में दीमक न होंगे तो मिट्टी में उपजे बड़े पेड़ फिर मिट्टी में कैसे मिल पायेंगे। वनों को पृथ्वी के फेफड़े बताये जाने के पीछे का सत्य यह है कि मानव फेफड़े की तरह वन ऑक्सीजन का उत्पादन करने और कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम सांस में ऑक्सीजन लेते हैं और कार्बनडाइऑक्साइड छोड़ते हैं। हमारी त्यागी गयी कार्बन डाइआक्साइड वृक्षों के काम आती है और पेड़-पौधों द्वारा छोड़ी गयी ऑक्सीजन हमारे काम आ जाती है। वन प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं। जंगल की आग से उत्पन्न धुआं और राख हवा की गुणवत्ता को खराब करता है, जिससे आस-पास के समुदायों में रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य जोखिम पैदा हो सकता है। बड़े जंगल की आग का धुआं बहुत दूर तक जाता है, जिससे दूर के क्षेत्रों में हवा की गुणवत्ता प्रभावित होती है। जंगल की आग बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों को वायुमंडल में छोड़ती है, जो जलवायु परिवर्तन में योगदान करती है और ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाती है। इस धुएं में ब्लैक कार्बन होता है जो कि ग्लोबल और लोकल वार्मिंग को बढ़ाता है और इसका ऐरासोल वृद्धि के साथ ही अतिवृष्टि में भी सीधा योगदान होता है। जंगल की आग एक वैश्विक समस्या है। आस्ट्रेलिया, अमेजॉन, कनाडा के लम्बे समय तक दहकने वाले अग्निकांड इतिहास में दर्ज हैं। चूंकि अब धीरे-धीरे धरती का वनावरण सिमट रहा है इसलिये बचे-खुचे जंगलों की आग और अधिक विनाशकारी साबित हो रही है। भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के आंकड़ों के अनुसार देश का 36 प्रतिशत वन क्षेत्र अक्सर वनाग्नि से धधकता रहता है और इसमें से भी 4 प्रतिशत क्षेत्र वनाग्नि की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। जबकि 6 प्रतिशत वनावरण अत्यधिक अग्नि प्रवण पाया गया है।

एक नजर

खुशकीबाग फल-मंडी के अग्निपीड़ितों से मिले निवर्तमान सांसद, कहा मिलेगी हर सम्भव सहायता

पूर्णिया,एजेंसी। निवर्तमान सांसद संतोष कुशवाहा दिल्ली से लौटने के बाद सीधे खुशकीबाग फल मंडी पहुंचे जहां रविवार की देर रात अगलगी की घटना में 80 से अधिक कारोबारियों की करोड़ों की संपत्ति जलकर राख हो गई थी।श्री कुशवाहा सभी पीड़ितों से मिले और उनके नुकसान के बाबत विस्तार से जानकारी प्राप्त किया। प्रभावित कारोबारियों की व्यथा सुनकर श्री कुशवाहा भी द्रवित हो गए। उन्होंने दु:ख जताते हुए कहा कि इतने बड़े नुकसान की भरपाई कठिन है लेकिन उनकी कोशिश होगी कि न केवल पीड़ितों को अधिकाधिक आर्थिक मदद मिले बल्कि भविष्य में इस तरह की घटना को रोका जा सके इसकी भी मुकम्मल व्यवस्था हो। श्री कुशवाहा ने कहा कि वे पीड़ितों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि बाजार समिति परिसर में जो दुकानें निर्माणाधीन है, उसमें उन पीड़ितों को भी यथासंभव स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा राज्य सरकार के समक्ष भेजा गया एक प्रस्ताव भी लंबित है जिसमें बाज़ार समिति की खाली जमीन में एक साथ फल मंडी,सब्जी मंडी और मांस-मछली मंडी को समायोजित किया जाय।यह बाजार आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा जहां इस तरह की दुर्घटना नहीं के बराबर होगी। उन्होंने कहा कि आप सबों के तीसरी बार आशीर्वाद मिलने के बाद इस मंडी का निर्माण उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि आपदा नियमो के तहत पीड़ित जिस क्षतिपूर्ति के हकदार होंगे उन्हें शीघ्र उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने तत्काल दूरभाष पर नगर निगम आयुक्त से बातचीत कर घटनास्थल पर बिखरे मलवे को पूरी तरह साफ करवाने का निदेश दिया।

प्रचंड गर्मी और तेज लू के चलते पटना में पूर्वाह्न 10:30 बजे तक चलेंगी एक से दसवीं तक की कक्षाएं

पटना। बिहार में इन दिनों प्रचंड गर्मी और तेज लू से लोग काफी परेशान हैं। इस मौसम का प्रतिकूल प्रभाव बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने की संभावनाओं को देखते हुए पटना के जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक ने पटना जिला के सभी

निजी और सरकारी स्कूलों को आदेश जारी कर प्राथमिक से 10वीं तक की सभी कक्षाओं का संचालन पूर्वाह्न 10:30 बजे तक करने का आदेश दिया है। साथ ही 11वीं और 12वीं तक की कक्षाओं के संचालन में भी बड़ा बदलाव किया गया है। जिलाधिकारी ने 11वीं और 12वीं की सभी कक्षाओं को पूर्वाह्न 11:30 बजे तक संचालित करने की अनुमति दी है। उन्होंने आदेश में यह भी कहा है कि पूर्वाह्न 11:30 से शाम 4:00 बजे तक किसी भी सरकारी और निजी स्कूलों में किसी भी कक्षा का संचालन नहीं किया जाएगा। हालांकि, शाम चार बजे के बाद स्कूलों में शिक्षण कार्य किया जा सकता है लेकिन पटना में किसी भी सरकारी या निजी स्कूलों में शाम चार बजे के बाद कक्षाओं का संचालन नहीं किया जाता है। इस अवधि में कोचिंग संस्थानों में बच्चों की पढ़ाई जरूर होती है। पटना डीएम का यह आदेश एक मई से लागू होगा और आठ मई तक प्रभावी रहेगा। पटना के जिलाधिकारी ने आदेश में कहा है कि भीषण गर्मी एवं लू को देखते हुए विद्यालयों को ऑनलाईन मोड के माध्यम से शैक्षणिक सत्र संचालित करने की सलाह दी जाती है। वे वैकल्पिक तिथि के लिए विभिन्न मानकों की कक्षाओं के संचालन की योजना बना सकते हैं।

ट्रैक्टर मालिक पर ड्राइवर की पीट-पीटकर हत्या का आरोप

पूर्वी चंपारण। जिले के पीपरा थाना क्षेत्र के भेरखिया गांव में एक ट्रैक्टर मालिक पर ड्राइवर की पत्नी ने अपने पति की पीट पीट कर हत्या का आरोप लगायी है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक ड्राइवर का शव ट्रैकट्र मालिक के घर के समीप मक्के के खेत से बरामद किया गया है। वही इस घटना के बाद ट्रैक्टर मालिक फरार बताया गया है।घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पीपरा थाना पुलिस ने शव को अभिरक्षा में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान भेरखीया गांव निवासी 28 वर्षीय गोली मांझी के रूप में हुई है। मृतक की पत्नी सीमा देवी के अनुसार मेरे पति राजन राय के यहां नामक काफी दिन से ट्रैक्टर चलाने का काम करते थे। वो कल काम करने नहीं जा रहे थे, उन्होने बताया था,कि वहां मजदूरी का पैसा नहीं मिलता है,जब भी मजदूरी मांगते है,तो ये लोग गाली गलौज करते है। लेकिन सोमवार की शाम पांच बजे के करीब राजन राय मेरे घर आया और जबरन उनको बुलाकर अपने साथ ले गया। मंगलवार की सुबह पता चला की उनका शव मक्के के खेत में पड़ा हुआ है। उनके सिर में गंभीर चोट लगा था। जिससे पता चलता है की उनकी दूसरे जगह पर हत्या कर शव को फेंक दिया गया है। इस बाबत पीपरा थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि सूचना मिली की एक युवक का हत्या कर शव को छिपाया गया है।काफी खोजबीन के बाद उसका शव मक्का के खेत से बरामद हुआ, परिजन को सूचना देते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजन के तरफ से आवेदन मिलने के बाद अग्रतर कार्रवाई की जाएगी।

जिले के नवहट्टा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का चुनावी भाषण

सहरसा,एजेंसी। लोकसभा चुनाव तृतीय चरण का मतदान होने में कुछ ही दिन शेष बचे हैं। जिस कारण सभी राजनीतिक दल जमकर प्रचार कर रहे हैं।भीषण गर्मी एवं तेज धूप के बावजूद राजनीतिक तापमान भी ज़ोरों पर उफान है। इसी कड़ी में मंगलवार को नवहट्टा प्रखंड में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनावी सभा को संबोधित किया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नवहट्टा हाई स्कूल मैदान पहुंचे। जहां उन्होंने मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी दिनेशचंद्र यादव के समर्थन में जमकर मतदान करने का आह्वान किया।

इस चुनावी सभा के मंच पर ऊर्जा मंत्री विजेंद्र यादव, एमएलसी विजय चौधरी,मध्य निषेष एवं निबंधन मंत्री रत्नेश सादा, पूर्व मंत्री सह विधायक आलोक रंजन झा,महिषी विधायक गुंजेश्वर साह भी मौजूद थे। लोकसभा चुनाव को लेकर तीसरे चरण के तहत 7 मई को मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र में मतदान होना सुनिश्चित है, जिसे देखते हुए मुख्यमंत्री अपने कई मंत्रियों के साथ नवहट्टा हाई स्कूल पहुंच कर एनडीए समर्थित अपने प्रत्याशी दिनेशचंद्र यादव के समर्थन चुनावी सभा को संबोधित किया।साथ ही 7 मई को मतदान के दिन मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र से जेडीयू प्रत्याशी दिनेशचंद्र यादव के पक्ष में वोट डालने के लिए जनता से अपील किया।

उन्होंने मुस्लिम वोटरों को साधने के लिए मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने कहा मुस्लिम समुदाय के लिए कोई नही सोचता था। मदरसा में कोई पढ़ाई नही होती थी। हम लोगों ने मदरसा को सरकारी दर्जा देना का काम किया। उसमें मुस्लिम समाज के लोगों को रोजगार देने के लिए शिक्षक की बहाली किया। उन्हें भी सरकार की तरफ पेमेंट मिल रहा है। कब्रिस्तान की घेरा बन्दी करवाया।जरा आप सोचिए पहले बात-बात पर हिंदू मुस्लिम में कितना झगड़ा झंझट होता था। उस झगड़ा झंझट को खत्म करवाया सभी समुदाय के लोग अब शान्ति से रहने लगे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नीतीश कुमार ने लालू यादव परिवार पर जमकर बरसते हुए कहा उन्हें सिर्फ अपनी बेटा बेटियों की ही चिंता है। वे अपने बेटा बेटियों को आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं। उन्हें बिहार और बिहार वासियों की कोई चिंता नही है। आगे उन्होंने लालू यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा इतना कोई बच्चा पैदा करता है। बताइए नौ गो बाल बच्चा पैदा कर लिया और अब वे पारिवारिक उलझन में फस गए है। अब बेटा बेटी को आगे बढ़ा रहा है। हम लोग कोई परिवार के लोगों के लिए नही सोचते हैं। पूरा बिहार हमारा परिवार है और हम बिहार के लिए सोचते हैं। इस लिए आपसे सबसे निवेदन है उनके चक्कर मे न फसे 7 मई को मतदान के दिन दिनेशचंद्र यादव के पक्ष में वोट कर के हमे मजबूती प्रदान करे।

चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय पर रहेगी पैनी नजरः प्रेक्षक

पूर्वी चंपारण। लोकसभा चुनाव को स्वच्छ, पारदर्शी, भय मुक्त एवं प्रलोभन मुक्त संपन्न कराने को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा 03-पूर्वी चंपारण एवं 04-शिवहर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षकगण के द्वारा जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, पूर्वी चंपारण की उपस्थिति में अभ्यर्थी व्यय अनुश्रवण कोषांग के पदाधिकारी,फ्लाइंग स्क्वायड, स्टेटिक सर्विलांस टीम, अकाउंटिंग टीम, वीडियो भ्युइंग टीम के साथ बैठक कर समीक्षा की गई और आने वाले समय में किए जाने वाले कार्यों के बारे में कई निर्देश दिए।

प्रेक्षकों ने बताया कि निर्वाचन में व्यय अनुश्रवण महत्वपूर्ण कार्य है, जिसका निष्पादन कुशलतापूर्वक व सामग्रियों के निर्धारित दर के अनुरूप करना चाहिए। रैली एवं अन्य आयोजनों की सूचना संबंधित टीम को पहले से दे दी जाएगी। टीम के सदस्य निर्धारित तिथि एवं समय पर कार्यक्रम स्थल पर जाएंगे और स्टेज सहित सभी चीजों/सामग्रियों जैसे- फ्लेक्स बैनर कुर्सी कूलर टेंट पंडाल आदि का बड़ी सावधानी से वीडियोग्राफी कर इसे वीडियो व्यूइंग टीम को भेजें। ताकी इसकी सूची बनाकर अकाउंटिंग टीम को भेजा जा सके। फिर निर्धारित दर के अनुरूप व्यय का आकलन किया जाएगा। इस दौरान फ्लाइंग स्क्वॉड और स्टेटिक सर्विलांस टीम भी लगातार सक्रिय रहेगी। एसएसटी की टीम वाहनों के साथ-साथ संदेह होने पर एंबुलेंस की भी सावधानी से जांच करेगी और जांच की पूर्ण वीडियोग्राफी करेगी। सभी टीम प्रतिदिन दिए जाने वाले प्रतिवेदनों को समय से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगी। साथ ही पेड न्यूज़,सोशल मीडिया एवं समाचार पत्रों में निकलने वाले विज्ञापनों का व्यय भी प्रत्याशी के व्यय खाता में जोड़ा जाएगा।

एसपी ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं समारोह पर भी नजर रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि वाहन जांच के दौरान दंडाधिकारी एवं पुलिस बल के लोग अपने व्यवहार को अच्छा रखेंगे और धैर्य का परिचय देंगे। सभी लोग समन्वय स्थापित कर क्षेत्र में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि नेपाल की तरफ से आने वाली गाड़ियों पर विशेष नजर रखेंगे एवं उसकी गहन जांच करेंगे। वही जिलाधिकारी ने कहा कि इस बार के चुनाव में निर्वाचन आयोग अभ्यर्थी व्यय को लेकर बहुत गंभीर है। इस कार्य को बड़ी सावधानी के साथ बिल्कुल पारदर्शी तरीके से किया जाना है। डीएम ने बताया कि अधिसूचना जारी होने के साथ ही एसएसटी की टीम सक्रिय हो गई है। सभी 39 चिन्हित स्थानों पर एसएसटी की तीन पालियों में प्रतिनियुक्ति की गई है। मौके पर अपर समाहर्ता,अनुमंडल पदाधिकारी सदर एवं सिकरहना, उप निर्वाचन पदाधिकारी,संयुक्त आयुक्त वाणिज्यकर सह नोडल पदाधिकारी व्यय अनुश्रवण कोषांग सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

लोस चुनावः आदर्श मिथिला पार्टी उम्मीदवार चुनाव को त्रिकोणीय बनाने में झोंकी ताकत

सहरसा,एजेंसी। मधेपुरा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में तीसरे चरण में सात मई को चुनाव कराए जायेगें। जिसे देखते हुए सभी प्रत्याशी मैदान में चुनाव प्रचार कर मतदाताओ को गोलबंद कर रहें है।

चुनाव मैदान में एनडीए एवं राजद उम्मीदवार के बीच कड़ी टक्कर होने के आसार है। वही मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने के लिए आदर्श मिथिला पार्टी उम्मीदवार ई सुरेश्वर पोद्दार अथक प्रयास में लगे है। श्री पौद्दार गैस चुल्हा चुनाव चिन्ह पर मतदान करने के लिए घर-घर जनसंपर्क अभियान चला रहे है।ई सुरेश्वर पोद्दार ने कहा कि मैने सरकार के ईजीनियर पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्त होकर समाज सेवा मे आया हू। मेरे पास विगत 40 वर्ष का अनुभव प्राप्त है। जिसका लाभ जनता को अवश्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि मेरा मुख्य उद्देश्य अलग मिथिला राज्य निर्माण कार्य है। अलग राज्य होने से इस क्षेत्र का तेजी से विकास होगा।इसके लिए व्यापक रूप से रोडमैप तैयार किया गया है। जिसके अंतर्गत हर जिले में कल कारखाने लगाकर पलायन की समस्या का निराकरण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि शहर में लगने वाली जाम की समस्या को भी अंडरपास बनाकर दूर किया जाएगा। ल पूरे शहर को आकर्षक ढंग से सौन्दर्यीकरण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मिथिला राज्य निर्माण के लिए यहां के लोग काफी उत्सुक होकर मुझे अपना जन समर्थन दे रहे हैं। जिससे मैं काफी उत्साहित हूं।इस अवसर पर श्रीकांत पोद्दार एवं पुरुषोत्तम कुमार ने कहा कि मिथिला एवं मैथिली को बढ़ावा देने के लिए अलग मिथिला राज निर्माण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बिहार सरकार द्वारा जो बजट बनाया जाता है। इसका अधिकांश भाग मगध क्षेत्र में खर्च किया जाता है। जबकि मिथिला क्षेत्र को की अनदेखी की जा रही है।इसलिए आजादी के इतने वर्ष के बावजूद मिथिला वासी को आवश्यक मूलभूत सुविधा नही मिली है। इसके लिए इस बार आदर्श मिथिला पार्टी को वोट देने के लिए अपील किया जा रहा है। इस मौके पर शंभू कुमार शिवनंदन पोद्दार सहित अन्य लोगों ने मिथिला राज्य गठन को अनिवार्य बताते हुए भाषा साहित्य व संस्कृति के आधार पर अलग राज्य निर्माण को अनिवार्य बताया। श्री पौद्दार ने बताया कि मिथिला के छोटे छोटे दल व सामाजिक संगठन को मिलाकर मिथिला डेमोक्रेटिक एलायंस बनाकर अलग राज्य निर्माण के लिए व्यापक संघर्ष किया जाएगा।

जो श्रीराम को लाएँ है हम उनको लायेंगे, सीमांचल के फारबिसगंज में गजब संदेश दे रहे मुस्लिम युवा

फारबिसगंज/अररिया। देश में लोकसभा चुनाव का दो चरण का मतदान हो गया हैं. वही, तीसरा चरण में सीमांचल के अररिया सीट पर 7 मई को मतदान होना है ।वही, मतदान को लेकर जनता भी तैयार हो गई है. नेताओं की ताबड़तोड़ रैलियां हो रही है वही, कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री भी सीमांचल के फारबिसगंज में एक बड़ी जनसभा को संबोधित किए। देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक झलक देखने और सुनने के लिए लाखों की भीड़ पहुँची थी। फारबिसगंज हवाई अड्डा मैदान में हर जाति और धर्म के लोग पहुँचे थे मोदी को देखने और सुनने के लिए। उस भीड़ में कुछ मुस्लिम युवा का गुट थे जो कुर्ता पेजामा पहने माथे पे टोपी लगाएँ और हाथ में एक कटआउट लिए कुछ अजब ही मैसेज सीमांचल के फारबिसगंज की धरती से देश को दे रहे थे कि मोदी जी आप श्रीराम को लाएँ है हम आपको लाएंगे इस तस्वीर को हमने अपने कैमरे में क़ैद कर लिया।

लोगों कहना है कि ऐसझ पहले कभी सीमांचल में नहीं देखा गया है ये तस्वीर बहुत कुछ बायां कर रही है । आपको बता दें कि अररिया लोकसभा सीट 1967 में अस्तित्व में आई है. इसके पहले ये पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा हुआ करता था. साल 2004 तक अररिया लोकसभा सीट आरक्षित सीट में गिनी जाती थी. 2009 के लोकसभा चुनाव में अररिया सीट सामान्य हुई है. अररिया लोकसभा सीट में रू-ङ्ग फैक्टर काम करता आ रहा है ।वही,

सीमांचल के अररिया लोकसभा सीट के जातीय समीकरण की बात करे तो यहां मुस्लिम-यादव (M-Y) फैक्टर काम करता है. इस सीट पर 44 प्रतिशत मुस्लिम मतदाताओं की संख्या है. 56 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं की संख्या है. 15 प्रतिशत यादव वोटर हैं. इस तरह मुस्लिम और यादव मिलकर 59 प्रतिशत हो जातें है, जो कि हिंदू वोटर से अधिक हैं. इसलिए MY फैक्टर इस सीट पर खास मायने रखते आ रहे है। नेताओं को जनता के पास आने का सिलसिला जोड़ सोर से चल रहा है नेता जनता के दरवाज़े पर दस्तक देकर उनसे अपने पक्ष में वोट करने की अपील कर रहे है. वही, हमने अररिया के कुछ मुस्लिम बहुल क्षेत्र वहां के लोगों से लोकसभा चुनाव, उनके पसंदीदा नेताओं-पार्टी और उनके मुद्दों को लेकर सवाल किए. इस दौरान जो सबसे हैरान कर देने वाली बात निकलकर सामने आई, वह थी मोदी को लेकर लोगों का समर्थन ।

जेपी नड्डा 2 मई को अररिया से प्रदीप कुमार सिंह के पक्ष में भरेंगे हुंकार

फारबिसगंज/अररिया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 2 मई को एनडीए की ओर से भाजपा प्रत्याशी प्रदीप कुमार सिंह के पक्ष में अररिया में जनसभा को संबोधित करेंगे। जेपी नड्डा सिकटी विधानसभा के धर्मगंज स्थित मेला मैदान में हेलिकॉप्टर के माध्यम से पहुचेंगे, जिसके बाद साढ़े ग्यारह बजे धर्मगंज मेला मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। इसको लेकर अररिया में राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन को लेकर पूरी तैयारियां कर ली गईं हैं।

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण का चुनाव आगामी सात मई को होने है। अररिया लोकसभा में तीसरे चरण में मतदान होने है। इसको लेकर तैयारियां आखिरी चरण में है। वहीं अररिया से भाजपा प्रत्याशी प्रदीप कुमार सिंह के पक्ष में पीएम मोदी, सीएम नीतीश कुमार, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, चिराग पासवान, जितन राम मांझी, उपेन्द्र कुशवाहा, मनोज तिवारी, बिहार के मंत्री मंगल पांडे, विजय चौधरी, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश

कुशवाहा समेत एनडीए के दर्जनों दिग्गजों ने अलग-अलग तिथियों पर अररिया पहुंचकर यहां के मतदाताओं से प्रदीप कुमार सिंह के समर्थन में वोट देने की अपील कर चुके है। 2 मई को राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन से पूर्व प्रदीप कुमार सिंह ने अररिया के लोगों से इस जनसभा में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। इन्होंने कहा कि 2 मई को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी अररिया आ रहे है। इसको लेकर मैं आप तमाम अररिया के मतदाताओ साथियों एवं एनडीए के कार्यकर्ताओं बंधु से राष्ट्रीय अध्यक्ष जी द्वारा आयोजित इस जनसभा में उपस्थित होकर जनसभा को सुनने के लिए आमंत्रित करता हूं।

लूट कांड मे कोढा गैग के दो शातिर अपराधी गिरफ्तार

सहरसा,एजेंसी। जिले के पुलिस की तत्परता के कारण 12 घंटे के भीतर लूट में शामिल दो अपराधी को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाईकिल और मोबाइल बरामद किया गया है। इस बात की जानकारी मंगलवार को साइबर डीएसपी अजीत कुमार ने प्रेस वार्ता आयोजित कर दी। उन्होंने कहा कि रविवार को समय अपराहन करीब 13:40 बजे सोनवर्षाराज थानान्तर्गत एक बाईक सवार दो अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा एसबीआई सीएसपी संचालक से एक लाख रूपये लूट लेने की घटना प्रतिवेदित हुई।इस संबंध में सोनवर्षाराज थाना मे प्राथमिकी दर्ज किया गया। घटना के सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस द्वारा उक्त स्थल पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई एवं घटना में शामिल अपराधकर्मियों की पहचान कर ली गई।

टीम में शामिल थानाध्यक्ष सोनवर्षाराज एवं अन्य पदाधिकारीयों के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मानवीय एवं तकनीकी सूचना के आधार पर घटना में शामिल अपराधकर्मियों को जिले के बसनही थाना क्षेत्र अन्तर्गत महुआ बाजार के समीप गैरेज के पास से गिरफ्तार किया गया। जिसमें अनीश कुमार उर्फ आर्यन

कुमार, पुत्र कन्नू उर्फ बच्चू यादव, नया टोला, जुराबगंज, वार्ड 1, तथा नैशु उर्फ नैतिक कुमार पिता रॉबिन यादव नया टोला जुराबगंज वार्ड - 01 थाना-कोढा जिला-कटिहार का रहने वाला है। गिरफ्तार अपराधकर्मी नैशु उर्फ नैतिक कुमार पे रॉबिन यादव द्वारा अपने स्वीकारोक्ती बयान में यह स्वीकार किया गया कि इस घटना में अन्य दो अपराधकर्मी भी शामिल थे। जो भागने में सफल रहे, जिसकी गिरफ्तारी एवं लूटी हुई राशि की बरामदगी हेतु छापामारी की जा रही है।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधकर्मी नैशु उर्फ नैतिक कुमार एवं अनीश कुमार उर्फ आर्यन कुमार का अपराधिक इतिहास रहा है। जिसके उपर सोनवर्षाराज,काशनगर,बसनही थाना मे कई संगीन मामले दर्ज है।उन्होंने बताया कि इस छापेमारी टीम मे सोनवर्षाराज थानाध्यक्ष पुनि जयशंकर कुमार,बसनही थानाध्यक्ष पुनि संतोष कुमार निराला,सोनवर्षाराज थाना के पुअनि विवेक कुमार,आकांक्षा कुमारी एवं सिपाही विकास कुमार शामिल रहे।

एक नजर

अफगानिस्तान में एक बंदूकधारी ने मस्जिद में फायरिंग की, छह नमाजियों की मौत

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान के पश्चिमी प्रांत हेरात में बंदूकधारी ने एक मस्जिद में फायरिंग की। गोली लगने से कम से कम छह नागरिकों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी के अनुसार, एक अज्ञात बंदूकधारी ने सोमवार शाम गुजारा जिले में स्थित मस्जिद के अंदर नमाजियों पर फायरिंग की। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने हमले की निंदा की है। साथ ही अपराधियों की पहचान करने और जांच की तत्काल जरूरत पर जोर दिया। अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। गौरतलब है कि अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता पर कब्ज़ा करने के बाद से युद्धग्रस्त देश में हमलों में काफी कमी आई है। हालांकि, तथाकथित इस्लामिक स्टेट की शाखाएं अभी भी देश में सक्रिय मानी जाती हैं और समय-समय पर हमलों का दावा भी करती हैं।

श्रीलंका के कांकेसंथुरई बंदरगाह की मरम्मत का पूरा खर्च उठाएगा भारत

कोलंबो। श्रीलंकाई मंत्रिमंडल ने उत्तरी प्रांत में कांकेसंथुरई बंदरगाह की मरम्मत कराने का फैसला किया है और भारत इस परियोजना का 6.15 करोड़ डॉलर का पूरा खर्च उठाने के लिए राजी हो गया है। एक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गयी। श्रीलंका के उत्तरी क्षेत्र में स्थित कांकेसंथुरई बंदरगाह या केकेएस बंदरगाह 16 एकड़ के क्षेत्र में फैला है और यह पुडुचेरी में करईकल बंदरगाह से 104 किलोमीटर दूर है। तमिलनाडु में नागपत्तिनम को जाफना के समीप कांकेसंथुरई बंदरगाह से जोड़ने वाली सीधी यात्री जहाज सेवा करीब साढ़े तीन घंटे में 111 किलोमीटर का सफर तय करती है। बयान में कहा गया

है, ''इस परियोजना की महत्ता पर विचार करते हुए भारत सरकार परियोजना के लिए पूरी अनुमानित लागत वहन करने पर राजी हो गयी है। इसमें कहा गया है कि इस परियोजना के क्रियान्वयन में देरी हुई क्योंकि परामर्शक सेवा एजेंसियों द्वारा दी गयी अनुमानित लागत कर्ज की प्रासंगिक धनराशि से कहीं अधिक थी। बयान के अनुसार, ''इसके बाद सार्वजनिक निजी भागीदारी पद्धति के तहत परियोजना पूरी करने की संभावना के संबंध भारत सरकार के साथ और बातचीत की गयी। इस परियोजना के लिए मंत्रिमंडल ने सबसे पहले दो मई 2017 को स्वीकृति दी थी। इस साल मार्च में घोषणा की गयी कि इस परियोजना पर कुल 6.15 करोड़ डॉलर की लागत आएगी।

कनाडा में विदेशी छात्रों को सितंबर से प्रति सप्ताह केवल 24 घंटे काम करने की अनुमति होगी

ओटावा। कनाडा में भारतीय समेत अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी सितंबर से प्रति सप्ताह 24 घंटे ही परिसर से बाहर काम कर सकेंगे। मंगलवार से इस संबंध में नया नियम प्रभाव में आएगा। आव्रजन, शरणार्थी और नागरिकता मंत्री मार्क मिलर ने सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''छात्रों को प्रति सप्ताह परिसर से बाहर 20 घंटे से अधिक काम करने की अनुमति देने वाली अस्थायी नीति 30 अप्रैल, 2024 को समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''हम छात्रों द्वारा प्रति सप्ताह परिसर से बाहर काम करने के घंटों की संख्या को बदलकर 24 घंटे करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी नीत सरकार ने देश में कामगारों की कमी को पूरा करने के लिए कोविड-19 महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए काम के घंटों की 20 घंटे की सीमा को अस्थायी रूप से माफ कर दिया था। सीटीवी न्यूज की खबर के अनुसार यह छूट मंगलवार को समाप्त हो रही है। कनाडा भारतीय छात्रों के लिहाज से सबसे पसंदीदा गंतव्य है। कनाडाई अंतरराष्ट्रीय शिक्षा ब्यूरो की 2022 की एक रिपोर्ट के अनुसार कनाडा में उस साल 3,19,130 भारतीय छात्र थे। कनाडा में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों में भारतीय बहुतायत में हैं।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गेहूं खरीद संकट के बीच किसानों पर लाठीचार्ज, 200 गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान में पंजाब पुलिस ने गेहूं खरीद संकट के बीच सोमवार को प्रदर्शनकारी किसानों पर लाठीचार्ज किया और लाहौर में 200 से अधिक किसानों को गिरफ्तार कर लिया। पंजाब प्रांत में गेहूं की बंपर पैदावार के बाद, किसान शिकायत कर रहे हैं कि सूबे की मरियम नवाज़ सरकार गेहूं नहीं खरीद रही है और आटा मिलें उनकी फसलों के लिए सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य से कम दरों की पेशकश कर रही हैं। 'किसान इतेहाद' के प्रवक्ता मियां उमेर ने बताया, सोमवार को जब बड़ी संख्या में किसान धरना देने के लिए लाहौर में पंजाब विधानसभा की ओर जा रहे थे, तो पुलिस कर्मियों ने जीपीओ चौक, माल रोड पर उन पर हमला कर दिया और 200 से अधिक किसानों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने लाहौर में उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठी चार्ज भी किया। गिरफ्तार किसानों में किसान बोर्ड पंजाब (केबीपी) के अध्यक्ष मियां अब्द-उर-रशीद भी शामिल हैं। वहीं, पंजाब की सूचना मंत्री आजमा बुखारी ने कहा कि एक राजनीतिक दल (इमरान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ) किसानों के मुद्दे पर राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा, हम इस मुद्दे पर किसी को राजनीति नहीं करने देंगे और किसानों के हितों की रक्षा नहीं करेंगे।

एस्ट्राजेनेका ने ब्रिटेन की अदालत में कोविड टीके के 'बहुत दुर्लभ' दुष्प्रभाव को स्वीकार किया

लंदन,एजेंसी। ब्रिटेन स्थित फार्मास्युटिकल कंपनी एस्ट्राजेनेका ने स्वीकार किया है कि इसका कोविड टीका रक्त के थक्के जमाने संबंधी दुष्प्रभाव उत्पन्न कर सकता है, लेकिन इनके बीच कोई संबंध होने की जानकारी नहीं है। ब्रिटेन के एक अखबार ने अदालती दस्तावेज के हवाले से यह दावा किया है। 'द डेली टेलीग्राफ' की रिपोर्ट के अनुसार, 51 वादियों द्वारा एक सामूहिक कार्रवाई के अनुरोध पर फरवरी में लंदन स्थित उच्च न्यायालय में एक कानूनी दस्तावेज सौंपा गया था। एस्ट्राजेनेका ने स्वीकार किया था कि कोविड-19 से बचाव के लिए ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा ईजाद किया गया टीका ''बहुत दुर्लभ मामलों में'' रक्त के थक्के जमा सकता है और प्लेटलेट की संख्या को घटा सकता है। एस्ट्राजेनेका वैक्सजेव्रिया टीके का उत्पादन सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने भी किया था और इस टीके को भारत में 'कोविशील्ड' नाम से जाना जाता है।

अखबार ने कानूनी दस्तावेज के हवाले से कहा है, ''यह स्वीकार किया गया है कि एस्ट्राजेनेका टीका, बहुत दुर्लभ मामलों में रक्त के थक्के जमा सकता है और प्लेटलेट की संख्या को घटा सकता है। लेकिन इसका कारण अज्ञात है। साथ ही, यह दुष्प्रभाव एस्ट्राजेनेका टीका (या कोई अन्य टीका) नहीं लगाने की स्थिति में भी देखने को मिल सकता है। वाद दायर करने वालों की ओर से पेश हुए वकीलों ने कहा कि वे या उनके

प्रियजन, जिन्होंने एस्ट्राजेनका टीका लगवाया है, उनमें एक दुर्लभ लक्षण पाया गया है जिसे रक्त का थक्का जमना और प्लेटलेट की कमी (टीटीएस) के रूप में परिभाषित किया गया है। टीटीएस के परिणाम संभवतः जानलेवा हैं जिनमें दिल का दौरा पड़ना, मस्तिष्क को नुकसान पहुंचना, फेफड़े में रक्त प्रवाह बाधित होना आदि शामिल हैं। टीके के दुष्प्रभाव को लेकर एस्ट्राजेनेका यूके लिमिटेड के खिलाफ ब्रिटेन के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1987 की धारा 2 के तहत क्षतिपूर्ति के लिए अदालत में वादियों का प्रतिनिधित्व लॉ फर्म ली डे कर रही है। 51 वादियों में शामिल 12 ने अपने प्रियजनों को खो दिया है। लॉ फर्म में साझेदार सारा मूर ने कहा, ''सभी वादियों के पास मृत्यु प्रमाण पत्र या मेडिकल साक्ष्य हैं जो इसकी पुष्टि करते हैं कि टीके के कारण मौतें हुईं या शरीर को नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा, ''एस्ट्राजेनेका को यह स्वीकार करने में एक साल लग गया कि उसके टीके ने यह नुकसान पहुंचाया, जबकि 2021 के अंत से क्लिनिकल समुदाय में यह तथ्य व्यापक रूप से स्वीकार कर लिया गया था। इस संदर्भ में, अफसोस की बात है कि एस्ट्राजेनेका, सरकार और उनके वकील लोगों के जीवन पर टीके के पड़ने वाले गंभीर दुष्प्रभाव को गंभीरता से लेने के बजाय रणनीतिक खेल खेलने और कानूनी फीस बढ़ाने के लिए कहीं अधिक उत्सुक हैं। वादियों का कहना है कि एस्ट्राजेनेका टीका सुरक्षा मानदंडों पर खरा उतरने में नाकाम रहा जबकि लोग इसके सुरक्षित होने की उम्मीद करते हैं। हालांकि, एस्ट्राजेनेका ने इन दावों से सख्त इनकार किया है। एस्ट्राजेनेका ने एक बयान में कहा, ''हमारी सहानुभूति उन लोगों के प्रति है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है या स्वास्थ्य समस्याओं की सूचना दी है। रोगी की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, और नियामक अधिकारियों के पास टीकों सहित सभी दवाओं के सुरक्षित उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट और कड़े मानक हैं। ब्रिटिश-स्वीडिश बहुराष्ट्रीय कंपनी एस्ट्राजेनेका का कहना है कि टीके से संबंधित उत्पाद जानकारी अप्रैल 2021 में ब्रिटेन के नियामक की मंजूरी के साथ अद्यतन की गई थी, जिसमें ''इस संभावना को शामिल किया गया था कि एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड टीका बहुत ही दुर्लभ मामलों में टीटीएस का कारण बन सकता है'', जो यह संकेत देता है कि इस पहलू के बारे में अदालती दस्तावेज में दिया गया संदर्भ कोई नयी चीज नहीं है।

रूसी हवाई हमले से यूक्रेन में दो की मौत, आठ घायल

कीव,एजेंसी। दक्षिणी यूक्रेन के बंदरगाह शहर ओडेसा में रूसी मिसाइल हमलों में कम से कम दो लोग मारे गए, जबकि आठ अन्य घायल हो गए। क्षेत्र के गवर्नर ओलेह किपर ने टेलीग्राम पर यह जानकारी शेयर की। इस हमले में कई आवासीय भवनों सहित नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

अधिकारियों के अनुसार, इससे पहले रूसी सीमा से सिर्फ 30 किलोमीटर दूर स्थित यूक्रेनी शहर खार्किव पर ग्लाइड बमों से हमला किया गया था। उस हमले में दो नागरिक घायल हो गए थे। इस हमले में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। यूक्रेन दो वर्षों से अधिक समय से रूसी आक्रमण को रोक रहा है। रूसी सेना लगभग रोज खार्किव और ओडेसा के प्रमुख शहरों पर मिसाइलें और ड्रोन दागती है। इससे पहले सोमवार को नाटो महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने कहा था कि जब नाटो सहयोगी यूक्रेन को समय पर हथियार और गोला-बारूद पहुंचाने में विफल रहते हैं तो यूक्रेनी इसकी कीमत चुकाते हैं। गोला-बारूद की कमी ने रूसियों को अग्रिम पंक्ति में आगे बढ़ने में सक्षम बनाया है। स्टोल्टेनबर्ग ने कीव में कहा कि अधिक सैन्य सहायता भेजने के लिए वाशिंगटन की लंबी प्रक्रिया के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया गया है। स्टोलटेनबर्ग ने यूक्रेन को एक साल में दस लाख तोपखाने के गोले देने में यूरोपीय संघ की विफलता का जिक्र करते हुए कहा कि यूरोपीय सहयोगियों ने गोला-बारूद की वह मात्रा नहीं दी है, जिसका उन्होंने वादा किया था। महासचिव स्टोलटेनबर्ग एक अघोषित यात्रा पर यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। स्टोलटेनबर्ग ने कहा, वायु रक्षा की कमी ने अधिक रूसी मिसाइलों के लिए अपने लक्ष्य को भेदना संभव बना दिया है। उन्होंने कहा, गहरी मारक क्षमता की कमी के कारण रूसियों के लिए अधिक ताकतें केंद्रित करना संभव हो गया है, और अब हम इसके परिणाम देख रहे हैं। जेलेंस्की ने नाटो के शीर्ष अधिकारी को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और जोर देकर कहा कि उन्हें हाल ही में घोषित सैन्य सहायता के वितरण में और देरी की उम्मीद नहीं है। स्टोलटेनबर्ग ने यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइलों की आपूर्ति करने के स्पेन के फैसले पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन के लिए समर्थन की और घोषणाएं जल्द ही की जाएंगी। जर्मनी ने सोमवार को घोषणा करते हुए कहा था कि उसने यूक्रेन को अतिरिक्त 10 मार्डर इन्फैंट्री फाइटिंग व्हीकल्स (आईएफवी) और अन्य रक्षा उपकरण दिए हैं। एक दूसरी स्काईनेक्स वायु रक्षा प्रणाली भी पैकेज का हिस्सा है, जिसमें गेपर्ड वायु रक्षा टैंक के लिए लगभग 30,000 राउंड गोला-बारूद और आइरिस टी प्रणाली के लिए गोला-बारूद शामिल है, जिसकी जर्मन सरकार ने बर्लिन में घोषणा की थी।

पिछले छह महीनों में लेबनान पर इज़रायली हमलों में आठ बच्चे मारे गए:संरा

यरुशलम,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने कहा है कि इजरायली हवाई हमले गत अक्टूबर के बाद से दक्षिणी लेबनान में आठ बच्चों हुयी है और हजारों अन्य को अपने घरों से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार एजेंसी ने मंगलवार को लेबनान कॉट इन द क्रॉसफ़ायर शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की, जो लेबनान में बच्चों पर इज़रायल और हिजबुल्लाह के बीच छह महीने के सीमा संघर्ष के प्रभाव को दर्शाती है। इन हमलों ने नागरिक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को नुकसान पहुंचाया है और इसके कारण आठ बच्चों और 21 महिलाओं सहित 344 लोगों की मौत हो गई। साथ ही 75 बच्चे घायल हो गए... अप्रैल के अंत तक, 30,000 से अधिक बच्चों सहित लगभग 90,000 लोग अपने घरों से विस्थापित हुए हैं।

इस संघर्ष ने गंभीर आर्थिक और राजनीतिक संकट को और बढ़ा दिया है। यूनिसेफ का अनुमान है कि संघर्ष से पहले लेबनान की लगभग आधी आबादी गरीबी रेखा से नीचे रह रही है, जिसमें 90 फीसदी सीरियाई शरणार्थी भी शामिल है, जो अत्यधिक गरीबी में जी रहे हैं। इजरायल-हमास संघर्ष के कारण अन्य नौ जल सुविधाएं बंद हो गई हैं, जिससे 100,000 लोगों के लिए सुरक्षित पेयजल की पहुंच बंद हो गई है। अन्य 70 स्कूलों को हड़ताल के कारण बंद करना पड़ा है और दक्षिण में 20,000 से अधिक स्कूली बच्चों का स्कूल वर्ष बाधित हुआ है।

प्लास्टिक प्रदूषण खत्म करने के लिए संधि पर कनाडा में बातचीत में हुई प्रगति

ओटावा। प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए किसी संधि पर पहुंचने की खातिर विभिन्न देशों के बीच हो रही बातचीत में प्रगति हुई है और उनकी चौथे दौर की वार्ता कनाडा में मंगलवार को सुबह समाप्त हुई। इस प्रक्रिया में पहली बार, वार्ताकारों ने प्रस्तावित वैश्विक संधि के मसौदे पर चर्चा की। प्लास्टिक प्रदूषण संबंधी अंतरसरकारी वार्ता समिति के प्रतिनिधियों और पर्यवेक्षकों ने इसे स्वागत योग्य संकेत बताया और कहा कि निर्धारित पांच बैठकों में से इस चौथी बैठक में बातचीत विचारों के स्तर से बढ़कर संधि की भाषा तक पहुंच गई। प्लास्टिक के उत्पादन की मात्रा को सीमित करने के विचार को लेकर विवाद है। प्लास्टिक उत्पादक देशों और कंपनियों तथा तेल और गैस निर्यातकों की कड़ी आपत्तियों को मसौदा में शामिल किया गया है। ज्यादातर प्लास्टिक का उत्पादन जीवाश्म ईंधन और रसायनों से किया जाता है। ओटावा सत्र समाप्त होने के बीच समिति इस बात पर सहमत हुई कि इस वर्ष के अंत में दक्षिण कोरिया में अंतिम बैठक से पहले संधि पर काम जारी रखा जाएगा। अंतिम सत्र की तैयारी इस बात पर केंद्रित होगी कि संधि के कार्यान्वयन को कैसे

वित्तपोषित किया जाए, प्लास्टिक उत्पादों में खतरनाक रसायनों का आकलन किया जाए और उत्पाद डिजाइन पर गौर किया जाए। रवांडा के प्रतिनिधि ने कहा कि वार्ताकारों ने प्लास्टिक उत्पादन पर चर्चा नहीं कर मूल समस्या की उपेक्षा की। 'इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ केमिकल एसोसिएशन' के उद्योग प्रवक्ता स्टीवर्ट हैरिस ने कहा कि वार्ताकार ऐसी संधि चाहते हैं जो प्लास्टिक के पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग पर केंद्रित हो।

उन्होंने कहा कि वे प्लास्टिक उत्पादन पर कोई सीमा नहीं चाहते हैं और उनका मानना है कि इस समझौते के जरिए रसायनों को विनियमित नहीं किया जाना चाहिए। हैरिस ने कहा कि एसोसिएशन को इस बात की खुशी है कि सरकारें एक साथ आ रही हैं और विशेष रूप से वित्तपोषण और प्लास्टिक उत्पाद डिजाइन को लेकर अतिरिक्त काम पूरा करने के लिए सहमत हो रही हैं। प्रभावी प्लास्टिक संधि की खातिर वैज्ञानिकों के समूह के दर्जनों वैज्ञानिक बैठक में वार्ताकारों को प्लास्टिक प्रदूषण पर वैज्ञानिक साक्ष्य पेश करने के लिए शामिल हुए ताकि गलत सूचना को दूर किया जा सके।

मालदीव वासियों और भारतीयों के बीच लड़ाई में दो लोग घायल

माले। मालदीव के निवासियों और भारतीय नागरिकों के बीच हुई झड़प में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और इस घटना के बाद एक स्थानीय निवासी को हिरासत में लिया गया है। मीडिया ने मंगलवार को यह खबर दी। समाचार पोर्टल अधाधू डॉट कॉम की खबर के अनुसार, दोनों समूहों के बीच झड़प माले से लगभग सात किलोमीटर उत्तर पूर्व में हुलहुमले स्थित सेंट्रल पार्क में सोमवार रात लगभग 9:00 बजे हुई। समाचार पोर्टल ने पुलिस के हवाले से बताया कि हिरासत में लिया गया संदिग्ध मालदीव का है, लेकिन इसमें यह नहीं बताया गया कि घायल कौन थे। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल हुए दो लोगों को हुलहुमले अस्पताल ले

जाया गया और इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने कहा कि पार्क के अंदर मालदीव और भारतीयों के एक समूह के बीच झड़प हुई और मामले में आगे की जांच चल रही है।

इजराइल-हमास युद्ध के खिलाफ प्रदर्शनकारियों ने कोलंबिया विश्वविद्यालय की एक इमारत पर कब्जा किया

न्यूयॉर्क,एजेंसी। इजराइल-हमास युद्ध को लेकर कई कॉलेज परिसरों में छात्रों के प्रदर्शनों के बीच मंगलवार तड़के दर्जनों प्रदर्शनकारियों ने न्यूयॉर्क में कोलंबिया विश्वविद्यालय की एक इमारत पर कब्जा कर लिया और एक खिड़की से फलस्तीनी झंडा फहराया। वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि विश्वविद्यालय के मैनहट्टन परिसर में हैमिल्टन हॉल के सामने प्रदर्शनकारी एकत्र हैं और उन्होंने फर्नीचर एवं अन्य चीजों से इमारत को अवरूद्ध कर दिया है। 1968 के नागरिक अधिकार आंदोलन और वियतनाम युद्ध विरोधी प्रदर्शन के दौरान भी इस इमारत पर कब्जा कर लिया गया था। प्रदर्शन के आयोजकों ने सोमवार को देर रात इंस्टाग्राम पेज पर एक पोस्ट में लोगों से जुटने और हैमिल्टन हॉल आने का आग्रह किया। इस दौरान एक खिड़की से 'मुक्त फलिस्तीन' का बैनर लटका हुआ था। छात्र रेडियो स्टेशन डब्ल्यूकेसीआर-एफएफ ने हॉल पर कब्जे का प्रसारण किया। यह प्रदर्शन सोमवार दोपहर दो बजे की समय सीमा के लगभग 12 घंटे बाद शुरू हुआ। प्रदर्शनकारियों को सोमवार दोपहर तक वहां से हट जाने या निलंबन के लिए तैयार रहने को कहा गया था। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने नवीनतम घटनाक्रम पर टिप्पणी का अनुरोध करने वाले ईमेल का जवाब नहीं दिया, लेकिन सार्वजनिक सुरक्षा विभाग ने एक बयान में कहा कि सिर्फ एक ही स्थान से प्रवेश किया जा सकता है या बाहर निकला जा सकता है। उसने कहा कि समुदाय के प्रत्येक सदस्य की सुरक्षा सर्वोपरि है। प्रदर्शनकारियों ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि उनकी योजना तब तक हॉल में बने रहने की है जब तक कि विश्वविद्यालय विनिवेश, वित्तीय पारदर्शिता और माफी संबंधी उनकी तीन मांगों को स्वीकार नहीं कर लेता। इजराइल-हमास युद्ध को लेकर कोलंबिया विश्वविद्यालय में इस महीने प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी के बाद से कई अन्य कॉलेज परिसरों में भी छात्रों ने प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। छात्र विश्वविद्यालयों से उन कंपनियों से अलग होने की मांग कर रहे हैं जो गाजा में इजराइल के सैन्य प्रयासों में मदद कर रही हैं। न्यूयॉर्क पुलिस ने 18 अप्रैल को कोलंबिया विश्वविद्यालय में प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया था। कई कॉलेज परिसरों में विरोध प्रदर्शन छात्र समूहों द्वारा आयोजित किए गए हैं। कुछ विश्वविद्यालयों ने कहा कि छात्रों के प्रदर्शन में बाहरी लोग भी शामिल हो गए हैं और उन्होंने परेशानी पैदा की है।

ब्रिटेन में एक युवक ने पांच लोगों पर तलवार से किया हमला, गिरफ्तार

लंदन,एजेंसी। ब्रिटेन में पूर्वी लंदन ट्यूब स्टेशन के पास 36 वर्षीय युवक ने मंगलवार को वाहन से एक घर को टक्कर मारने के बाद दो पुलिस अधिकारियों समेत कम से कम पांच लोगों को तलवार से हमला कर घायल कर दिया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने यह जानकारी दी और कहा कि हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। हैनॉल्ट इलाके की इस घटना में घायल हुए लोगों को मौके पर प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

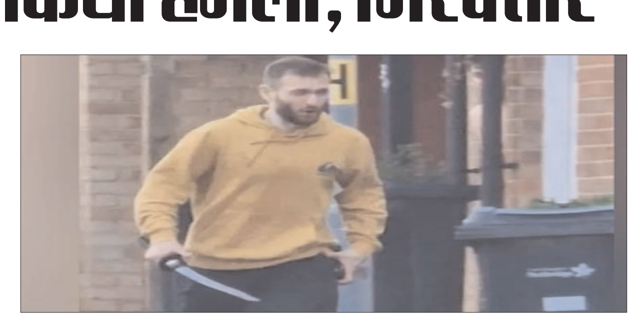

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इसे 'स्तब्ध करने वाली घटना' करार दिया और कहा कि देश की सड़कों पर ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। सुनक ने कहा, ''यह एक स्तब्ध करने वाली घटना है। मेरी संवेदनाएं पीड़ित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। मैं आपातकालीन सेवा विभाग को जारी कार्रवाई के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा। मैं घटनास्थल पर पुलिस द्वारा दिखाई गई असाधारण वीरता के प्रति आभार जताना चाहता हूं। पुलिस ने यह भी साफ कर दिया कि यह आतंकवाद से संबंधित घटना नहीं लग रही है। हैनॉल्ट इलाके में घटना स्थल पर पुलिस बल मौजूद है और वहां घेराबंदी वाले स्थान पर क्षतिग्रस्त वहन भी दिख रहा है। पास के ट्यूब स्टेशन को बंद कर दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि उन्होंने हमले से पहले संदिग्ध और पुलिस के बीच गतिरोध देखा, आरोपी एक घर में जबरदस्ती घुसने का प्रयास कर रहा था। इससे पहले, पुलिस और आपातकालीन सेवा विभाग ने कहा था कि उन्हें स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे से ठीक पहले पूर्वी लंदन के थुरलो गार्डन में एक घर में एक वाहन के घुसने की सूचना मिली थी। सोशल मीडिया पर वीडियो फुटेज में दाढ़ी वाले एक संदिग्ध व्यक्ति को वाहन से एक घर को टक्कर मारने के बाद बड़ी तलवार के साथ पास की झाड़ियों में घूमते हुए दिखाया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने दो पुलिसकर्मियों समेत पांच लोगों को तलवार घोंप दी। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा, '' हमें नहीं लगता कि व्यापक समुदाय के लिए यहां कोई खतरा है। हम और संदिग्धों की तलाश नहीं कर रहे। यह घटना आतंकवाद से संबंधित नहीं लगती। लंदन के महापौर सादिक खान ने भी त्वरित कार्रवाई करने के लिए आपातकालीन सेवा विभाग की सराहना की है। ब्रिटेन के गृह मंत्री जेम्स क्लेवरली ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि उन्हें घटना पर 'नियमित रूप से' अद्यतन जानकारी मुहैया कराई जा रही है। उन्होंने कहा, ''मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जो इस घटना में प्रभावित हुए हैं।''

लाल सागर में कंटेनर पर मिसाइल से हमला, हूती विद्रोहियों पर संदेह

यरुशलम। यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में सोमवार को एक जहाज को निशाना बनाकर कथित रूप से मिसाइल से हमला किया। अधिकारियों ने यह सोमवार को जानकारी दी। ब्रिटेन की सेना की 'यूनाइटेड किंगडम मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर' (यूकेएमटीओ) ने कहा कि यह हमला यमन में मोखा के अपतटीय क्षेत्र में हुआ। उसने क्षेत्र से गुज़रने के दौरान पोतों से सतर्कता बरतने का आग्रह किया। यूकेएमटीओ ने बताया कि पोत के पास एक विस्फोट हुआ है और पोत तथा चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए जाते हैं। निजी सुरक्षा कंपनी 'अम्ब्रे' ने कहा कि माल्टा का ध्वज लगे कंटेनगर पोत को तीन मिसाइल के जरिए निशाना बनाया गया है। यह कंटेनर ज़िबूती से सऊदी अरब के जेद्दा की ओर जा रहा था। 'अम्ब्रे' ने कहा कि पोत को इसलिए निशाना बनाया गया, क्योंकि इसके सूचीबद्ध संचालक का इज़राइल के साथ व्यापारिक संबंध है। हालांकि पोत के संचालक ने कहा कि पोत ज़िबूती में ही है और घटना में इसे निशाना नहीं बनाया जा सकता है। हूती ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है,लेकिन शक उनपर ही है।

एक नजर

टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम का एलान, बावुमा स्क्वॉड से बाहर

जोहानिसबर्ग। टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम का एलान हो गया है। 15 सदस्यीय स्क्वॉड की कमान एडेन मार्करम को सौंपी गई है। वहीं, पूर्व कप्तान तेम्बा बावुमा को टीम से बाहर कर दिया गया है। ओटनील बार्टमैन और रेयान रिकेल्टन के रूप में टीम में दो नए चेहरे हैं। यह पहली बार है जब किसी आईसीसी इवेंट में मार्करम कप्तानी करते दिखेंगे। दक्षिण अफ्रीका की टीम में सबसे दिलचस्प चीज एनरिक नॉर्त्जे को शामिल करना रहा है। वह नौ महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। दाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज आईपीएल 2024 सीजन खेल रहा है। इससे पहले वह पीठ की चोट से जूझ रहे थे। इस समस्या की वजह से वह सितंबर 2023 से एक्शन से बाहर थे। इस खास टूर्नामेंट के जरिए क्विंटन डिकॉक भी राष्ट्रीय टीम में वापसी करेंगे। उन्होंने 2023 क्रिकेट विश्व कप के बाद वनडे फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। डिकॉक 2022 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं। नॉर्त्जे और डिकॉक, दोनों क्रिकेटरों को हाल ही में क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर रखा गया था।

टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएत्जी, क्विंटन डिकॉक, ब्योर्न फोर्तुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसेन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नॉर्त्जे, कगिसो रबाडा, रेयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

ट्रैवलिंग रिजर्व: नांद्रे बर्गर और लुंगी एनगिडी।

दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टी20 विश्व कप के लिए अपनी किट में भी बदलाव किया है। टीम इस टूर्नामेंट में एक नई जर्सी में दिखेगी। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने एक्स पर पोस्ट कर जर्सी को लॉन्च किया था। टी20 विश्व कप की शुरुआत एक जून से हो रही है। दक्षिण अफ्रीकी टीम अपना पहला मैच तीन जून को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद उसे दूसरा मैच आठ जून को नीदरलैंड, 10 जून को बांग्लादेश और 14 जून को नेपाल के खिलाफ खेलना है।

नडाल ने कड़े मुकाबले में केचिन को हराया, स्वियातेक महिला क्वार्टर फाइनल में

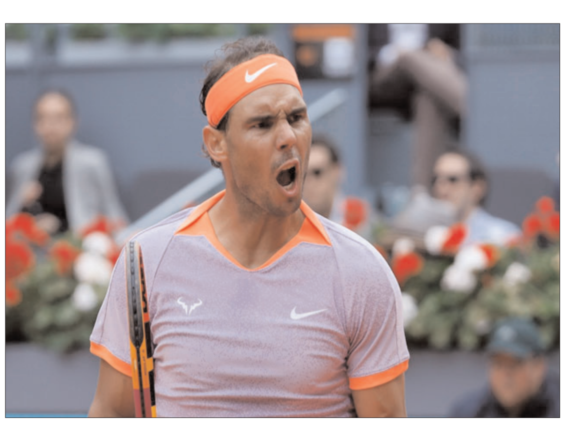

मैड्रिड। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रफेल नडाल ने सोमवार को यहां मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में तीन घंटे से अधिक चले कड़े मुकाबले में पेड्रो केचिन को तीन सेट में शिकस्त दी। नडाल ने दुनिया के 91वें नंबर के खिलाड़ी केचिन को पुरुष एकल मुकाबले में 6-1, 6-7, 6-3 से हराया। पांच बार के चैंपियन नडाल ने इस जीत के साथ प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। नडाल अगले दौर में 31वें नंबर के खिलाड़ी जिरी लेहेका से भिड़ेंगे। शीर्ष वरीय यानिक सिनर अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं दिखाने के बावजूद पावेल कोतोव को 6-2, 7-5 से हराने में सफल रहे। वह प्री क्वार्टर फाइनल में 16वें वरीय कारेन खचानोव से भिड़ेंगे। तीसरे वरीय दानिल मेदवेदेव हार से सिर्फ दो अंक दूर थे लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए सबेस्टियन कोर्डा को 5-7, 7-6, 6-3 से हरा दिया जबकि पांचवें वरीय कास्पर रूड ने कैमरन नोरी को 6-2, 6-4 से हराया। महिला एकल में मेडिसन कीज ने कोको गॉफ को 7-6, 4-6, 6-4 से हराकर क्वार्ट फाइनल में प्रवेश किया। वह अगले दौर में ओन्स जेब्युर से भिड़ेंगी जिन्होंने येलेना ओस्टापेंको को 6-0, 6-4 से शिकस्त दी। शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने सारा सोरिबेस टोर्मो को एकतरफा मुकाबले में 6-1, 6-0 से हराकर मैड्रिड में पहले खिताब की ओर कदम बढ़ाए। अगले दौर में स्वियातेक की भिड़ंत 11वीं वरीय बीट्रिज हदाद माइया से होगी जिन्होंने पांचवीं वरीय मारिया सकारी को 6-4, 6-4 से हराया।

लेवानदोवस्की की हैट्रिक से बार्सीलोना ने पिछड़ने के बाद वेलेंसिया को हराया

बार्सीलोना। बार्सीलोना ने दूसरे हाफ में रॉबर्ट लेवानदोवस्की की हैट्रिक की बदौलत पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में वेलेंसिया को 4-2 से हराया। बार्सीलोना ने गेंद को अपने कब्जे में लेने के मामले में दबदबा बनाया लेकिन पहले हाफ में रक्षापंक्ति की दो गलतियों के कारण मध्यांतर के समय 1-2 से पीछे थी। फेर्मिन लोपेज ने 22वें मिनट में हेडर से गोल दागकर बार्सीलोना को बढ़त दिलाई लेकिन पांच मिनट बाद ह्यूगो ड्यूरो ने स्कोर 1-1 कर दिया। पेपेलू ने पहले हॉफ के इंजरी टाइम में पेनल्टी पर गोल दागकर वेलेंसिया को 2-1 से आगे किया। मध्यांतर से टीम पहले वेलेंसिया के गोलकीपर जियॉर्जी ममारदाशविली को फाउल करने के लिए लाल कार्ड दिखाया गया जिसके बाद दूसरे हाफ में लेवानदोवस्की छाए रहे। उन्होंने 49वें, 89वें और फिर इंजरी टाइम (90 प्लस तीन मिनट) में गोल दागकर हैट्रिक बनाई और बार्सीलोना की 4-2 से जीत सुनिश्चित की।

बीसीसीआई ने किया टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान

मुंबई,एजेंसी। टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया खेलती दिखेगी। वहीं, हार्दिक पांड्या उपकप्तानी करते दिखेंगे। टीम में दो विकेटकीपर शामिल किए गए हैं। इनमें ऋषभ पंत और संजू सैमसन शामिल हैं। वहीं, केएल राहुल को टीम से बाहर कर दिया है। राहुल पिछले टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के हिस्सा थे। भारतीय टीम से तीन बड़े चेहरों को बाहर किया गया है, जो हाल फिलहाल में टीम इंडिया का हिस्सा थे। इनमें केएल राहुल के अलावा रिंकू सिंह और शुभमन गिल शामिल हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने रिंकू और शुभमन को ट्रैवलिंग रिजर्व में रखा है। रिंकू पर शिवम दुबे को तरजीह दी गई है। काफी पहले से इस बात की चर्चा हो रही थी कि अगर हार्दिक को चुना जाता है तो शिवम-रिंकू में से किसी एक को ही मौका मिलेगा। वहीं, यशस्वी और शुभमन में से किसी एक को मौका देना था। चयनकर्ताओं ने यशस्वी को शुभमन पर तरजीह दी है।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम: रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या (उपकप्तान), शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

रिजर्व: शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद, आवेश खान।

विकेटकीपर के तौर पर पंत और सैमसन

विकेटकीपर के तौर पर चयनकर्ताओं ने ऋषभ पंत और संजू सैमसन को मौका दिया है। कार दुर्घटना के बाद से वापसी करते हुए पंत ने इस आईपीएल में शानदार फॉर्म दिखाया है। वहीं, सैमसन के प्रदर्शन की बदौलत राजस्थान की टीम आईपीएल 2024 अंक तालिका में शीर्ष पर है। इसके साथ ही राहुल, जितेश और ईशान जैसे विकेटकीपर्स के बीच दौड़ की कयासों पर भी विराम लग गया।

टीम में सिर्फ तीन तेज गेंदबाज, हार्दिक चौथे विकल्प

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में सिर्फ तीन तेज गेंदबाज हैं। इनमें जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के अलावा अर्शदीप सिंह शामिल हैं। इन तीनों का काफी पहले से चयन तय माना जा रहा था। वहीं, हार्दिक चौथे तेज गेंदबाज के तौर पर विकल्प होंगे। हालांकि, आईपीएल में बतौर गेंदबाज हार्दिक का फॉर्म कुछ खास नहीं रहा है। बल्ले से भी हार्दिक कुछ खास फॉर्म नहीं दिखा पाए हैं। हालांकि, चयनकर्ताओं ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें उपकप्तानी का पद भी दिया है।

आईपीएलः लखनऊ ने मुबंई को अदब से हराया

लखनऊ,एजेंसी। चुस्त क्षेत्ररक्षण और सधी हुयी गेंदबाजी के बाद मार्कस स्टायनिस (62) की केएल राहुल (28) और दीपक हुड्डा (18) के साथ टिकाऊ साझीदारी की मदद से लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने मंगलवार को यहां मुबंई इंडियंस को चार गेंद शेष रहते चार विकेट से हरा दिया। इकाना की कठिन पिच पर लखनऊ की तरह मुबंई के गेंदबाजों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और 144 रनों के छोटे स्कोर का बचाव करने का जज्बा दिखाया जिसके चलते 45 हजार दर्शकों को गेंद और बल्ले के बीच एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। पदार्पण मैच खेल रहे अर्शीन कुलकर्णी पहली ही गेंद पर बगैर खाता खोले आउट हो गये जिसके बाद स्टायनिस ने कप्तान का बखूबी साथ दिया और 45 गेंदों की अर्धशतकीय पारी में सात चौके और दो छक्के लगाकर अपनी टीम को संघर्ष में बनाये रखा हालांकि उनके इस प्रयास में कप्तान राहुल और हुड्डा ही साथ दे सके।

मध्य क्रम में अनुभवी निकोलस पूरन (14 नाबाद) ने पुछल्ले बल्लेबाजों की मदद से टीम को जीत दिलाने में महती भूमिका अदा की। बल्ले से असफल रहने वाले मुबंई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने दो विकेट झटक कर अपनी टीम की जीत की उम्मीदों को हवा दी मगर मामूली स्कोर को बचा पाने में उनकी टीम असफल रही। इससे पहले इशान किशन (32) और नेहाल बढेरा (46) की मुश्किल हालात में खेली गयी उपयोगी पारियों की मदद से मुबंई ने मेजबान लखनऊ के खिलाफ सात विकेट पर 144 रन बनाये। इकाना स्टेडियम पर टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुबंई की शुरुआत निराशाजनक रही जब पहले पावर प्ले में लखनऊ के गेंदबाजों ने रोहित शर्मा (4),सूर्य कुमार यादव (10),तिलक वर्मा (7) और कप्तान हार्दिक पांड्या (0) के विकेट सस्ते में समेट दिये और छह ओवर के बाद मुबंई का स्कोर चार विकेट पर 28 रन हो गया।

कठिन समय में सलामी बल्लेबाज इशान किशन ने नये बल्लेबाज नेहाल बढेरा के साथ पारी को आगे बढ़ाया और पांचवे विकेट के लिये महत्वपूर्ण 53 रन जुटाये। इस बीच पारी के नौवें ओवर में मयंक यादव की गेंद पर इशान का कैच टर्नर ने टपकाया। उस समय इशान सिर्फ सात रन बना सके थे। पारी के 14वें ओवर में रवि विश्नोई की गेंद पर मयंक ने शार्ट थर्ड मैन पर इशान को लपक कर उनकी जुझारु पारी का अंत किया। उधर बढेरा ने नये बल्लेबाज टिम डेविड (35) के साथ मुबंई का संघर्ष जारी रखा और दोनो बल्लेबाजों ने टीम का स्कोर 112 रन कर दिया। इस बीच बढेरा को मोहसिन खान ने क्लीन बोल्ड आउट कर मेहमानों को करारा झटका दिया। उन्होने 41 गेंदों की पारी में चार चौके और दो छक्के लगाये। मयंक यादव ने अपने स्पेल के आखिरी ओवर में नये बल्लेबाज मोहम्मद नवी को अपना पहला शिकार बनाया मगर इसके बाद मासंपेशियों में खिंचाव के चलते मयंक और गेंदबाजी नहीं कर सके और उन्हे मैदान के बाहर जाना पड़ा। लखनऊ की ओर से मोहसिन खान 36 रन पर दो विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज साबित हुये जबकि मार्कस स्टायनिस, रवि विश्नोई,मयंक यादव और नवीन उल हक को एक एक विकेट मिला। तिलक वर्मा रवि विश्नोई के सीधे थ्रो के कारण रन आउट हुये।

एआईएफएफ अध्यक्ष ने अतीत में गलत प्राथमिकताओं का मुद्दा उठाया

कोलकाता। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने मंगलवार को कहा कि अतीत में केवल ओलंपिक और एशियाई खेलों में भाग लेने पर ध्यान केंद्रित करने की देश की गलत प्राथमिकता के कारण शायद मौका गंवाया गया और विश्व स्तर पर टीम लगभग निचले स्तर पर है। भारत की फीफा रैंकिंग में इस समय गिरावट आ रही है जिसका कारण एशियाई कप में उसका एक भी मैच नहीं जीतना और उसके बाद 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में निचली रैंकिंग वाले अफगानिस्तान से 1-2 से हार है।

भारत के पूर्व गोलकीपर चौबे ने 1974 एशियाई युवा चैंपियनशिप में भारत की जीत के 50 साल के जश्न के मौके पर कहा, ''1947 से 1960 तक भारत ने नियमित रूप से चार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया और एशिया की दिग्गज टीम थे। तो भारत कहां पीछे रह गया? 1990 के दशक की शुरुआत में भी, जब मैं खेला करता था तब मुझे याद है कि भारत की रैंकिंग 90 से नीचे थी। उन्होंने कहा, ''अगर भारत विश्व कप (1950) में खेलता तो उन्हें शीर्ष रैंकिंग वाले देशों का सामना करना पड़ता और वे पिछड़ते नहीं। विश्व कप 1950 में जगह बनाने के बावजूद भारत इसमें क्यों नहीं खेला यह एक विवादास्पद विषय रहा है लेकिन चौबे ने कहा कि उस समय भारत की प्राथमिकता दिल्ली में होने वाले एशियाई खेल (1951) थे जहां उन्होंने स्वर्ण पदक जीता।

उन्होंने कहा, ''मुझे पता चला कि हम इसलिए नहीं खेले क्योंकि भारत 1951 में दिल्ली में एशियाई खेलों की मेजबानी कर रहा था। वे जहाज से तीन महीने की यात्रा नहीं करना चाहते थे और विश्व कप को महत्व नहीं दिया। चौबे ने कहा, ''हम शायद 1950-74 तक केवल एशियाई खेलों और ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित करने के कारण चूक गए होंगे। उन्होंने दावा किया कि उन दिनों विश्व कप लोकप्रिय नहीं था और 1986 में डिएगो माराडोना को देखने के बाद ही भारत में फुटबॉल की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की लोकप्रियता बढ़ी। चौबे ने कहा, ''अगर मैं गलत नहीं हूं तो 1986 में टेलीविजन पर माराडोना को देखने के बाद ही विश्व कप लोकप्रिय हुआ। तब तक 1970 के दशक का सुनहरा दौर खत्म हो चुका था और हम मौके से चूक गए। उन्होंने कहा, ''यह 400 मीटर की दौड़ में पहला लैप चूकने जैसा है। हम शायद तेजी से दौड़ रहे हैं लेकिन 400 मीटर की दौड़ में बाकी लोग एक लैप (100 मीटर) आगे हैं। एआईएफएफ प्रमुख ने स्वीकार किया कि भारत को अन्य देशों से आगे निकलने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। चौबे ने कहा, ''इसलिए हमें इसकी भरपाई के लिए अतिरिक्त प्रयास करना होगा। कोई जादुई फॉर्मूला नहीं है। यह एक बड़ा देश है और इसमें सुधार की काफी गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि जागरूकता और नई तकनीक को अपनाकर उम्र में हेराफेरी को रोकना महत्वपूर्ण है। चौबे ने कहा, ''सबसे पहले अधिक उम्र की समस्या से निपटना होगा। हमें उम्र में हेराफेरी को रोकना होगा, यह विज्ञान के माध्यम से या जागरूकता बढ़ाकर हो सकता है। हमें दूसरों को शिक्षित करना होगा।

टी-20 विश्वकप के लिए क्रिस जॉर्डन, जोफ्रा आर्चर की इंग्लैंड की टीम में वापसी

लंदन,एजेंसी। न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका के बाद इंग्लैंड ने भी 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। कप्तानी जोस बटलर करते दिखेंगे। वहीं, टीम में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और क्रिस जॉर्डन की वापसी हुई है। आर्चर पिछले काफी समय से चोटिल हैं। उन्होंने हाल ही में भारत में काउंटी मैच खेला था। ऐसे में कयास लगाए जा रहे थे कि वह वापसी कर सकते हैं। अब आर्चर ने विश्व कप के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का रास्ता चुना है। आर्चर ने पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच मार्च 2023 में खेला था। यह बांग्लादेश के खिलाफ एक टी20 मैच था। वह आईपीएल 2023 में भी खेले थे, लेकिन चोटिल होने के बाद अपने देश लौट गए थे।

पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगी इंग्लैंड

इंग्लैंड की यही टीम पाकिस्तान के खिलाफ चार मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इस सीरीज की शुरुआत 22 मई से हो रही है। पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड का दौरा करेगी। 30 मई को आखिरी टी20 खेला जाएगा। इसके बाद इंग्लैंड की टीम विश्व कप खेलने अमेरिका-वेस्टइंडीज जाएगी। टी20 विश्व कप की शुरुआत एक जून से हो रही है। इंग्लिश टीम अपना पहला मैच चार जून को स्कॉटलैंड, आठ जून को ऑस्ट्रेलिया, 13 जून को ओमान और 15 जून को नामीबिया के खिलाफ खेलेगी।

जॉर्डन की भी वापसी

इसके अलावा टी20 टीम में क्रिस जॉर्डन की भी वापसी हुई है। उन्होंने पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय सितंबर 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। इंग्लैंड की टीम डिफेंडिंग चैंपियंस हैं। इन्होंन 2022 में खेले गए पिछले संस्करण के फाइनल में पाकिस्तान को शिकस्त दी थी। बटलर की अगुआई में यह टीम मजबूत दिख रही है। हालांकि, टीम को बेन स्टोक्स की कमी खलेगी।

स्टोक्स नहीं खेलेंगे टी20 विश्व कप

स्टोक्स ने 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को विश्व विजेता बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने खुद को इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए इंग्लैंड टीम में नहीं चुनने का आग्रह किया था। स्टोक्स पैर की चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने साथ ही यह भी कहा था कि इस ब्रेक में वह वैसा ऑलराउंडर बनने की कोशिश करेंगे जैसा लोग उनसे उम्मीद करते हैं और वह बनना चाहते हैं।

टी20 विश्व कप के लिए इंग्लैंड की टीम: जोस बटलर (कप्तान), मोईन अली, जोफ्रा आर्चर, जॉनी बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, सैम करन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल रशीद, फिल सॉल्ट, रीस टॉप्ले और मार्क वुड।

यह आईपीएल अलग, मानसिक रूप से चुनौती स्वीकार करने की जरूरत : चक्रवर्ती

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स के स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने कहा है कि टीमों ने आईपीएल के मौजूदा सत्र में 'इंपेक्ट प्लेयर' की अवधारणा को बेहतर ढंग से समझा है और अब गेंदबाजों को खेल में प्रभाव डालने के लिए बल्लेबाजों के अति आक्रामक रवैये का मुकाबला करने के तरीके खोजने होंगे।

चक्रवर्ती ने सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 16 रन देकर तीन विकेट लिए और नाइट राइडर्स की सात विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई। चक्रवर्ती ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''इंपेक्ट प्लेयर नियम पिछले साल भी था। टीमें अब समझ गई हैं कि इंपेक्ट प्लेयर नियम का बेहतर उपयोग कैसे किया जाए। वे जानते हैं कि उनके पास अतिरिक्त बल्लेबाज है और वे पहली गेंद से ही प्रहार करना चाहते हैं। यह इसी तरह चल रहा है। उन्होंने कहा, ''गेंदबाज कितना भी रोएं, यह ऐसा ही है। हमें स्वीकार करना होगा कि यह आईपीएल अलग है और मानसिक रूप से इस चुनौती को स्वीकार करना होगा। आप कुछ भी नहीं बदल सकते। चक्रवर्ती ने कहा कि ईडन गार्डन्स की पिच से दिल्ली के खिलाफ गेंदबाजों को अच्छी मदद मिली। उन्होंने कहा, ''इससे पूर्व पिछले दो मैचों में हमने लक्ष्य का उतना अच्छा बचाव नहीं किया था क्योंकि दूसरी पारी में विकेट बहुत सपाट हो गया था। लेकिन इस पिच से थोड़ा अधिक टर्न मिल रहा था।'' चक्रवर्ती ने कहा, ''यही अंतर था। लेंथ मूल रूप से सभी मैचों में समान थी। यह बस विकेट का बर्ताव था। नाइट राइडर्स के खिलाफ हार के बाद दिल्ली की टीम छठे स्थान पर खिसक गई है जबकि उसके सिर्फ तीन मैच बचे हैं और गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स ने कहा कि वे प्ले ऑफ में जगह बनाने को लेकर आशांवित हैं। बेंगलुरू (12 मई) की यात्रा करने से पहले दिल्ली का अगला मुकाबला सात मई को घरेलू मैदान पर राजस्थान रॉयल्स से होगा। लीग में उनका आखिरी मैच 14 मई को घरेलू मैदान पर लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ है।

आईपीएलः पंजाब किंग्स के खिलाफ सुपरकिंग्स की नजरें खेल के हर विभाग में बेहतर प्रदर्शन पर

चेन्नई,एजेंसी। प्रदर्शन में निरंतरता की कमी से जूझ रही चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम बुधवार को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी तो उसकी नजरें खेल के सभी विभागों में एकजुट प्रदर्शन करने पर टिकी होंगी। सुपरकिंग्स के नौ मैच में 10 अंक हैं जो लखनऊ सुपर जाइंट्स, सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के समान हैं और गत चैंपियन टीम निश्चित रूप से जीत के साथ इन टीमों से आगे निकलने की कोशिश करेगी।

गत चैंपियन सुपरकिंग्स की चिंता हालांकि बढ़ गई है क्योंकि पंजाब किंग्स की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 262 रन के टी20 क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने के बाद इस मुकाबले में उतर रही है। पंजाब किंग्स के नौ मैच में छह अंक हैं। चेपक हालांकि सुपरकिंग्स का गढ़ है जहां गेंदबाजों को पिच से मदद मिलती है और मेजबान टीम ने पिछले मैच में सनराइजर्स पर 78 रन की आसान जीत दर्ज की। चेन्नई में उस रात ओस नहीं पड़ी थी और बल्लेबाजों द्वारा 200 से अधिक का स्कोर खड़ा करने के बाद सुपरकिंग्स के गेंदबाजों ने अपनी सटीक और विविधता से भरी गेंदबाजी से सनराइजर्स की मजबूत बल्लेबाजी इकाई को ध्वस्त कर दिया। चेन्नई को पंजाब के खिलाफ यह प्रदर्शन दोहराना होगा और सभी की निगाहें

कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर होंगी जो फॉर्म में वापसी कर चुके हैं। गायकवाड़ ने अपनी पिछली दो पारियों में 108 और 98 रन बनाए हैं और न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने भी हैदराबाद के खिलाफ 32 गेंद में 52 रन बनाकर सही समय पर लय हासिल कर ली है। हालांकि सुपरकिंग्स के बल्लेबाजी क्रम में असली तूफान शिवम दुबे हैं जिन्होंने इंपेक्ट प्लेयर के रूप में आते हुए विपक्षी गेंदबाजों को धराशायी किया है। स्पिन के खिलाफ अच्छा खेलने वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज दुबे ने मौजूदा सत्र में अब तेज गेंदबाजों के खिलाफ प्रभावी प्रदर्शन करके अपनी बल्लेबाजी में एक और आयाम जोड़ दिया है। दुबे ने अब तक 350 रन बनाए हैं जो गायकवाड़ के 447 रन के बाद सुपरकिंग्स के लिए दूसरे सर्वाधिक रन हैं। उन्होंने ये रन 172.41 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं और इस मामले में टीम में महेंद्र सिंह धोनी (259.45) के बाद दूसरे स्थान पर हैं। हालांकि सुपरकिंग्स की सलामी जोड़ी अस्थिर बनी हुई है। गायकवाड़ ने अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन अब बाहर किए गए रचिन रविंद्र और अजिंक्य रहाणे दोनों अपने कप्तान का साथ नहीं निभा पाए हैं।

एक नजर

भाजपा गठबंधन को नहीं मिलेगी 200 से ज्यादा सीटें: शिवपाल

इटावा,एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने दावा किया है कि संसदीय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पूरे देश मे 200 से ज्यादा सीटे नही जीत पाएगी जबकि इंडिया समूह बहुमत के साथ केंद्र में सरकार बनाने में सफल होगा। मैनपुरी संसदीय सीट से पार्टी उम्मीदवार डिंपल यादव के समर्थन में इटावा जिले की जसवंतनगर विधानसभा के बीना, लरखोर,मलाजानी ओर अहीरटोला में जनसभाओं को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन सभी सीटों पर जीत रहा है और सारे देश में भारतीय जनता पार्टी की 200 से ऊपर सीटे नहीं जा रही है।

यादव ने दावा कि इंडिया गठबंधन पूर्ण बहुमत के साथ केंद्र में सरकार बनाने जा रहा है। गृहमंत्री अमित शाह के दो चरणों में सेंचुरी करने के सवाल पर शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा ने देश की जनता के लिए कोई काम नहीं किया है। भाजपा पूंजीपतियों से मिली हुई है और सारे देश की संपत्ति भाजपा ने पूंजी पतियों के हवाले कर दी है। केंद्र के 10 साल और उत्तर प्रदेश के 7 साल में आम जनमानस को कुछ नहीं मिला है इसलिए भारतीय जनता पार्टी के लोग बुरी तरह से बौखलाए हुए हैं। इस बौखलाहट में कहीं मंगलसूत्र कही परिवार बाद का मुद्दा उछालने में जुट गई है, भारतीय जनता पार्टी के नेता हर की बौखलाहट में न जाने क्या-क्या बोलते हुए नजर आ रहे हैं। केशव प्रसाद मौर्य को लेकर के शिव प्रसाद यादव ने कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी के लिए अपशगुन है जहां केशव प्रसाद मौर्य वोट मांगने के लिए जाते हैं वहां समाजवादी पार्टी का मार्जिन खुद व खुद बढ़ जाता है। वैक्सीन के साइड इफेक्ट को लेकर के शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने बड़े पैमाने पर चंदा लेकर के वैक्सीन बनाने वालों को अनुमति दी है, इस वैक्सीन के साइड इफेक्ट को नजरअंदाज कर दिया गया, जिसके नतीजे में आज आम लोगो की विभिन्न तरह की ना केवल बीमारियां हो रही है बल्कि उनकी मौते भी ही रही है।

चुनाव हाथ से निकलता देख भाजपा नेताओं की बदली भाषा: अखिलेश

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में इंडिया समूह की जीत का दावा करते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि चुनाव हाथ से निकलता देख भाजपा नेताओं की भाषा बदल गयी है। एटा, हाथरस एवं आगरा जिलों में गठबंधन प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि भाजपा चुनाव हार रही है। इंडिया गठबंधन जीत रहा है। समाजवादी पार्टी पीडीए इंडिया गठबंधन मिलकर भाजपा के एनडीए पर भारी है। जबसे समाजवादी पार्टी ने पीडीए बनाया है, भाजपा घबराई हुई है। पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक, आधी आबादी और आदिवासी समाज एकजुट होकर इंडिया गठबंधन के पक्ष में वोट कर रहा है। जनता ने भाजपा को नकार दिया है। उन्होंने एटा में सपा प्रत्याशी देवेश शाक्य, हाथरस में जसवीर बाल्मीकि तथा आगरा में सुरेश चन्द्र कर्दम, फतेहपुर सीकरी के कांग्रेस प्रत्याशी रामनाथ सिकरवार उर्फ फौजी बाबा को भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील करते हुये उन्होने कहा कि भाजपा ने किसानों, नौजवानों, मजदूरों, गरीबों सभी के साथ विश्वासघात किया है। उन्हें धोखा दिया है। भाजपा समाजवादी पार्टी और विपक्षी दलों के खिलाफ झूठा प्रचार करती है। भाजपा ने देश के सारे भ्रष्टाचारियों और अपराधियों को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया है। श्री यादव ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। खेती का लागत मूल्य बढ़ गया, लेकिन फसलों का सही मूल्य नहीं मिल रहा है। गेहूं की सरकारी खरीद नहीं हो रही है। भाजपा सरकार ने किसानों की फसलों को एमएसपी का कानूनी अधिकार नहीं दिया। किसान आंदोलन को बदनाम किया। भाजपा सरकार के दस साल के कार्यकाल में गरीबी और कर्ज से परेशान एक लाख किसानों ने आत्महत्या कर ली।

मोदी का जीवन खुली किताब: यादव

श्योपुर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन खुली किताब है। उन्होंने अपना पूरा जीवन देशसेवा, राष्ट्र और समाज के लिए समर्पित कर दिया। डॉ यादव ने मुरैना लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर के समर्थन में श्योपुर जिले के विजयपुर एवं प्रेमसर में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया। सभा को प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और विधायक रामनिवास रावत ने भी संबोधित किया। डॉ यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने जीवन में 51 साल के पहले कोई चुनाव नहीं लड़े। उन्होंने न तो घर बसाया, न परिवार बसाया, न जमीन खरीदी, न मकान और न ही कोई दुकान बनाई। हम सब जानते हैं, श्री मोदी ये तपस्या हम सबका जीवन अच्छा करने के लिए कर रहे हैं। जिनका खुद का मकान नहीं है, वो 4 करोड लोगों को मकान देने का सपना देखते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के 140 करोड़ लोगों के लिए अपना जीवन पूरी तरह समर्पित कर दिया है। कोरोनाकाल के दौर में भाई का भाई नहीं हो रहा था, सगे-संबंधी दूर भाग रहे थे उस दौर में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मोर्चा संभाला और हम सबकी जान बचाने के लिए जुट गए। डॉ यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 10 सालों में देश की दशा और दिशा बदलने का काम किया है। उन्होंने किसी भी क्षेत्र में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं रखी है। यही कारण है कि अब हमारा देश विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और हम विश्वगुरू बनने की तरफ अग्रसर हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से उन्होंने आदिवासी अंचल में पक्के मकान बनाकर दिए। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के लिए कभी कोई पक्के मकान की कल्पना कर सकता था। यह केवल वही व्यक्ति सोच सकता है जिसके ऊपर गरीबी बीती हो, जिसने माताओं, बहनों को पानी के मटके लेकर नल और कुएं पर भटकते हुए देखा हो। वही व्यक्ति यह सोच सकता है कि माता-बहनों को कहीं पर भी मटके लेकर जाने की जरूरत नहीं है। उनको घर में ही नल का जल मिलना चाहिए। इसलिए प्रधानमंत्री श्री मोदी उनको नल-जल योजना के माध्यम से घर पर ही पीने का पानी उपलब्ध कराते हैं। पार्वती, काली सिंध और चंबल योजना के माध्यम से 70 हजार करोड़ का पैकेज प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दिया है। 35 हजार करोड़ की योजना में हमारा अपना ये क्षेत्र भी आएगा। इसके माध्यम से आधा राजस्थान और आधा मध्यप्रदेश दोनों क्षेत्रों में पीने का पानी, सिंचाई का पानी बराबरी से मिलेगा। यह 20 साल पहले भी हो सकता था, लेकिन करने की इच्छा शक्ति नहीं थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विजयपुर के विधायक रामनिवास रावत व्यक्ति तो बहुत सही हैं, लेकिन उनकी पार्टी गलत थी। अब वे सही जगह आ गए हैं। मुझे इस बात की प्रसन्नता है। पार्टी तो और भी लोग ज्वाइन कर सकते हैं, लेकिन अपनी जनता के जनमत को सामने रखकर, जनता को जनार्दन के रूप में देखें और इतने सम्मान के साथ बात करें कि आप सभी की अनुमति मिले। इसे कहते हैं सच्चे अर्थों में जनप्रतिनिधि। मुरैना लोकसभा के विजयपुर एवं प्रेमसर में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि आज पूरे देश में एक ही वातावरण बना हुआ है। पश्चिम बंगाल हो या जम्मू-कश्मीर का लाल चौक, जहां कभी तिरंगा नहीं फहराने देते थे। आज पश्चिम बंगाल से लेकर जम्मू-कश्मीर और देशभर से एक ही आवाज आ रही है कि श्री मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। यह चुनाव कई मायनों में अलग है।

रणनीति के तहत भाजपा का काडर ख़त्म कर रहे जयराम: चंद्रशेखर

शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं विधायक चंद्रशेखर ने कहा है कि नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर एक सोची-समझी रणनीति के तहत पुरानी भारतीय जनता पार्टी के काडर को ख़त्म कर रहे हैं और एक-एक कर पुराने भाजपा के नेताओं को ठिकाने लगाया जा रहा है।

श्री चंद्रशेखर ने कहा कि भाजपा पैराशूटी और किराए के उम्मीदवारों की पार्टी बन कर गई है, जिससे भाजपा कार्यकर्ताओं में असंतोष बढ़ रहा है और जल्द ही इसके नतीजे सामने आ जाएँगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सभी टिकट जल्द ही तय हो जाएँगे, जिसके बाद भाजपा और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर की टेंशन बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अभी आधे टिकट फ़ाइनल हुए हैं और भाजपा ने अभी से उम्मीदवार बदलने की चर्चा शुरू कर दी है। जिससे साफ़ पता चलता है कि भाजपा ने हथियार डाल दिए हैं और अपनी हार अभी से स्वीकार कर ली है। उन्होंने कहा कि भाजपा का असली चेहरा प्रदेश की जनता के सामने बेनक़ाब हो चुका है और उनका ऑपरेशन लोट्स फेल हो गया है।

श्री चंद्रशेखर ने कहा कि डिप्रेशन में आकर भाजपा नेता अनाप-शनाप बयानबाज़ी पर उतारु हो गए हैं और लगातार प्रदेश की जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की पिछले सवा साल में भाजपा की दो उपलब्धियाँ रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आई सबसे बड़ी आपदा के समय भाजपा प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी नहीं हुई। जब हिमाचल प्रदेश की आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का प्रस्ताव विधानसभा में लाया गया, तो भाजपा के सभी विधायक सदन से भाग खड़े हुए। जिस वक्त हिमाचल प्रदेश के लोग मुश्किल घड़ी से गुजर रहे थे तो भाजपा के नेता केवल मात्र राजनीति करने में व्यस्त थे। प्रभावित लोगों की सहायता में भाजपा नेता का कोई भी योगदान नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक चुनी हुई सरकार को गिराने के लिए ख़रीद-फरोख़्त कर हिमाचल प्रदेश की संस्कृति को कलंकित करने का पाप भी किया है। हिमाचल प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में पहली बार पैसों के दम पर विधायकों की ख़रीद फरोख़्त हुई और इस सारे षड्यंत्र के पीछे भाजपा नेताओं का हाथ था।

नेट जीरो के लिए एल्युमीनियम उद्योग को 29 अरब डॉलर की जरूरत: सीईईडब्ल्यू

नई दिल्ली। भारतीय एल्युमीनियम उद्योग को नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को पाने के लिए 2.2 लाख करोड़ रुपये (लगभग 29 अरब डॉलर) की अतिरिक्त पूंजीगत निवेशक की जरूरत होगी। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के एक स्वतंत्र अध्ययन में यह बात समाने आयी है। इसके अलावा अक्षय ऊर्जा से मिलने वाली बिजली उद्योग से होने वाले कुल उत्सर्जन के 49 प्रतिशत हिस्से को घटा सकती है। वर्तमान में पूरी तरह से अक्षय ऊर्जा की तरफ जाना संभव नहीं है, क्योंकि इससे लगातार बिजली का उत्पादन नहीं होता है और ग्रिड फेल होने की स्थिति में वैकल्पिक स्रोत की भी जरूरत होगी। एल्युमीनियम बहुत ज्यादा इस्तेमाल होने वाली धातु है और उत्पादन के लिहाज से यह भारत के सबसे तेज बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक है, जिसका ऊर्जा क्षेत्र में काफी इस्तेमाल होता है।

सीईईडब्ल्यू का अध्ययन जो इस प्रमुख क्षेत्र को डीकार्बोनाइज करने की लागत का पता लगाने वाला अपनी तरह का पहला अध्ययन है, बताता है कि नेट-जीरो स्थिति में उत्पादित एल्युमीनियम 61 प्रतिशत से ज्यादा महंगा होगा। इस क्षेत्र को कार्बन मुक्त बनाने से परिचालन लागत में सालाना 26,049 करोड़ रुपये (3.5अरब डॉलर) की अतिरिक्त वृद्धि होगी। भले ही भारत में प्रति व्यक्ति एल्युमीनियम की खपत काफी कम 2.5 किलोग्राम है जबकि वैश्विक औसत खपत 11 किलोग्राम है। लेकिन इस उद्योग ने 2019-20 में 7.7 करोड़ टन कार्बन-डाइऑक्साइड (एमटीसीओटू) का उत्सर्जन किया था। इस क्षेत्र से होने वाले कुल उत्सर्जन का 80 प्रतिशत हिस्सा एल्युमीनियम प्लांट में इस्तेमाल होने वाली बिजली से, जबकि शेष हिस्सा प्रक्रियागत उत्सर्जन और ऊर्जा खपत से आता है। बीपी फंडेंड सीईईडब्ल्यू का यह अध्ययन भारतीय एल्युमीनियम उद्योग के लिए मार्जिनल अबेटमेंट कॉस्ट (मैक) कर्व उपलब्ध कराता है, जो बताता है कि कौन सी तकनीक उद्योग को नेट-जीरो बनने में सहायता कर सकती है और उस पर क्या लागत आएगी। सीईईडब्ल्यू के फेलो हेमंत मल्या ने कहा, भारत के कठिन क्षेत्रों के डीकार्बोनाइजेशन के लिए जरूरी सूचनाएं उपलब्ध कराने के प्रयास के तहत, सीईईडब्ल्यू ने सीमेंट, स्टील,उर्वरक और एल्युमीनियम उद्योगों को नेट-जीरो बनाने वाले उपायों पर चार रिपोर्ट तैयार की हैं। इसमें एक बात प्रमुखता से सामने आई है कि इसके लिए बहुत ज्यादा मात्रा में पूंजी के साथ-साथ समाधान उपलब्ध कराने वाले अक्षय ऊर्जा, वैकल्पिक ईंधन और कार्बन भंडारण व उपयोग जैसे क्षेत्रों को विस्तार देने की आवश्यकता है। एल्युमीनियम और उर्वरक भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए जरूरी उद्योग हैं। इन्हें डीकार्बोनाइज करने और भारत के जलवायु लक्ष्यों को पाने के लिए पॉवरग्रिड और पाइपलाइन जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण में सरकार से पर्याप्त सहायता की भी जरूरत होगी।

मोदी ने कांग्रेस पर भारत को भ्रष्टाचार के दलदल में धकेलने का लगाया आरोप

हैदराबाद,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर भारत को भ्रष्टाचार के दलदल में फंसाने का आरोप लगाया है। श्री मोदी ने मंगलवार शाम को तेलंगाना में संगारेड्डी जिले के चिल्वर गांव, अल्लाहदुर्ग मंडल में विशाल रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कार्यकाल के विकास और कांग्रेस शासन के दौरान भ्रष्टाचार का उल्लेख किया और वोट बैंक की राजनीति, झूठ और भ्रष्टाचार में लिप्त होने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उनके दृष्टिकोण को भ्रष्टाचार, झूठ, माफिया, वंशवादी शासन और वोट बैंक की राजनीति के सिद्धांतों का प्रतीक है।

तेलंगाना में डबल आरआर टैक्स को लेकर हाल की चर्चाओं का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कांग्रेस द्वारा अतिरिक्त कर लगाने की आलोचना की और कहा कि आरआरआर फिल्म जैसी हालिया सफलताओं के बावजूद इस तरह की कार्रवाइयां देश को अपमानित करती हैं। उन्होंने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और कांग्रेस दोनों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया तथा मतदाताओं से कुप्रबंधन को रोकने के लिए 13 मई को लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों का समर्थन करने का आग्रह किया। नए करों और संपत्ति जब्त करने की कांग्रेस की कथित योजनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए श्री मोदी ने जनता को सतर्क रहने के लिए आगाह किया। उन्होंने किसानों के कल्याण के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कृषि ऋण और बोनस से संबंधित वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस की आलोचना की।

उन्होंने कांग्रेस के इतिहास विशेष रूप से आपातकालीन स्थितियों से निपटने के उनके इतिहास की निंदा की और संविधान तथा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के प्रति भाजपा की श्रद्धा पर जोर दिया। रैली में केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, भाजपा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण, बीबी पाटिल, एम. रघुनंदन राव सहित अन्य नेता भी मौजूद थे। इस दौरान श्री रेड्डी ने अपने संबोधन में 13 मई को होने वाले संसदीय चुनावों में अधिकांश सीटें जीतने की भाजपा की संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने तेलंगाना में सभी 17 सीटें हासिल करने के भाजपा के महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर जोर दिया, जो कि राज्य का राजनीतिक इतिहास में मील का पत्थर होगा है। उन्होंने भौगोलिक सीमाओं और सामाजिक स्तर से परे पूरे तेलंगाना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए भारी समर्थन पर प्रकाश डाला। केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय कर्तव्य की भावना और अपने बच्चों के भविष्य के लिए चिंता से प्रेरित होकर श्री मोदी को वोट देने के लिए लोगों की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। भाजपा को समर्थन देने का वादा करने वाले विभिन्न गांवों की भावनाओं को दोहराते हुए, उन्होंने किसानों, महिलाओं और युवाओं से श्री मोदी के नेतृत्व के लिए समर्थन जुटाने का आग्रह किया। श्री रेड्डी ने मुसलमानों के पक्ष में आरक्षण के कारण पिछड़े वर्गों (बीसी) के साथ अनुचित व्यवहार का आरोप लगाते हुए बीआरएस के साथ कांग्रेस के गठबंधन की आलोचना की।

हताशा के कारण विभाजनकारी नीति अपना रहा है विपक्ष: नड्डा

शिवमोग्गा,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) लोकसभा चुनावों में बहुत आराम से 400 का आंकड़ा पार कर लेगा और इससे विपक्ष हताश है तथा विभाजनकारी नीति अपना रहा है। श्री नड्डा ने आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के उदाहरणों को विपक्ष के विभाजनकारी एजेंडा के सबूत बताया। उन्होंने धर्म आधारित आरक्षण के खिलाफ बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के रुख का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष संवैधानिक सिद्धांतों से पीछे हट रहा है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व में, भाजपा-राजग तीव्र गति के साथ आगे बढ़ रहे हैं और 400 से अधिक सीटों के साथ जोरदार जीत हासिल करने के लिए तैयार हैं। इस जबरदस्त वृद्धि ने विपक्ष को असमंजस की स्थिति में ला दिया है, उन्हें गहरी निराशा की भावना में डुबो दिया है, और उन्हें समाज के भीतर कलह पैदा करने वाली विभाजनकारी रणनीति का सहारा लेने के लिए मजबूर कर दिया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, उनका घोषणापत्र उनके छिपे हुए एजेंडे का प्रमाण है, जो आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में उनके कार्यों की याद दिलाता है। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने पूरे अधिकार के साथ कहा था, संविधान स्पष्ट रूप से धार्मिक आधार पर आरक्षण पर रोक लगाता है। उन्होंने कांग्रेस पर अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय के प्रति तुष्टीकरण की राजनीति में शामिल होने का आरोप लगाते हुए उसकी आलोचना की। श्री नड्डा ने कहा, कांग्रेस की अल्पसंख्यकों की संकीर्ण परिभाषा के तहत केवल मुसलमान आते हैं, जो विभाजनकारी तुष्टीकरण की राजनीति के प्रति उनकी प्रवृत्ति को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि विपक्ष अपनी घटती लोकप्रियता से निराश होकर अलगाववादी मानसिकता और विभाजनकारी ताकतों से प्रेरित डीपफेक वीडियो के प्रचार सहित हताशापूर्ण उपायों का सहारा ले रहा है।

उन्होंने दावा किया कि विपक्ष की हताशा ने उन्हें डीपफेक वीडियो का प्रचार करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने वीडियो के प्रसार में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की संलिप्तता का आरोप लगाया है। श्री नड्डा ने कहा, गहन जांच के बाद, यह पता चला है कि भड़काऊ वीडियो तेलंगाना के मुख्यमंत्री के फोन का उपयोग करके सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया था। चौंकाने वाली बात यह है कि इंडिया समूह के नेताओं और उनके सहयोगी दलों ने नैतिकता एवं अखंडता का घोर अपमान किया है तथा पूरी बेशर्मी से अपने रुख पर कायम हैं। भाजपा नेता ने राष्ट्र के हितों के प्रति उनकी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहरायी और चुनावी सफलता में अपने विश्वास का श्रेय उनके समर्पित कार्य को दिया।

नरेंद्र मोदी की सरकार में योजनाओं में कट मनी नहीं लगती, पूरा पैसा खाते में आता है : भजन लाल शर्मा

रांची। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 30 अप्रैल को धनबाद के एनडीए प्रत्याशी ढुल्लू महतो के नामांकन में शामिल हुए। उन्होंने धनबाद में आयोजित विशाल जनसभा को भी संबोधित किया।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 2014 के बाद इस देश के भीतर बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है। 2014 से पहले देश की स्थिति सभी ने देखी होगी। भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार होते थे। भ्रष्टाचार भी ऐसे होते थे कि उसे गिना नहीं जा सकता था। 2014 से पहले देश के भीड़ भाड़ वाले इलाकों में आतंकवादी बम फोड़ कर चले जाते थे। सरहद से सैनिकों का सिर काट कर ले जाते थे। वर्ष 2014 के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई है। उन्होंने कहा कि पहले गरीबों का कोई बैंक खाता नहीं होता था। गरीब बैंक की चौखट पर भी पैर नहीं रख सकता था? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका खाता बैंक में खुलवाकर कट मनी पर अंकुश लगाया। झारखंड में कट मनी ज्यादा चलती थी। कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री कहते थे कि हम 1 भेजते हैं, गांव तक जाते-जाते 15 पैसे पहुंचता था। आज प्रधानमंत्री ?100 डालते हैं, तो खाते में पूरे पूरे पैसे आते हैं। किसानों को किसान सम्मन निधि मिलती है। कहीं कोई कट मनी नहीं लगती है। यह 2014 के बाद का परिवर्तन है। उन्होंने कहा कि पहले माता-बहनें परेशान रहती थी। शौच के लिए रात होने का इंतजार करती थी। भोर होने से पहले जाती थी। माता बहनों को शौचालय देकर सम्मान देने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया। मां बहने खाना बनाने में परेशान रहती थी। बारिश में यह बढ़ जाती थी। आंख और फेफड़ों में धुआं जाता था। प्रधानमंत्री मोदी ने उज्ज्वला का कनेक्शन देकर मां-बहनों को सम्मान देने का काम किया। राजस्थान के मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद विकास की रफ्तार में तेजी आई। 6 लेन की सड़के बना रही है। रेलवे में भी ऐतिहासिक विकास हुआ है। हर क्षेत्र में विकास हुआ है। अस्पतालों की संख्या बढ़कर पांच गुनी हो गई है। दुनिया के भीतर भारत का सम्मान बढ़ा है। पहले पिछड़ा, दिनहीन भारत का चेहरा विश्व में दिखते थे। आज सारी दुनिया भारत की तरफ हसरत भरी निगाहों से देखती है। रूस और यूक्रेन के युद्ध के बीच में फंसे भारत के नौजवानों को सुरक्षित निकालने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया। उन्होंने कहा कि इस बार राजस्थान में 25 में से 25 सीटें लोकसभा में आ रही है। इस बार झारखंड में भी 14 में से 14 सीटें भारतीय जनता पार्टी और एनडीए की होने वाली है। आने वाला विधानसभा चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने वाली है। भाजपा हमेशा देश की संस्कृति और विचार को लेकर चलती है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)